मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.9	13.0
जमशेदपुर	26.2	10.4
डालटनगंज	27.2	07.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * *

www.lagatar.in | सोमवार, 29 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 04, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 281 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

हेमंत को परेशान करना नहीं छोड़ा तो होगी आर्थिक नाकेबंदी

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ झामुमो ने किया राजभवन मार्च, 5 जिलों के नेता-कार्यकर्ता हुए शामिल

कौशल आनंद। रांची

सीएम हेमंत सोरेन को अगर परेशान करना न छोड़ा, तो झारखंड में आर्थिक नाकेबंदी कर देंगे. एक भी खनिज बाहर जाने नहीं देंगे. सरकार पूरी ईमानदारी से विकास में जुटी है. मगर साजिश के तहत सरकार गठन के बाद से इसको अस्थिर करने का प्रयास हो रहा है. जब सरकार का बाल बांका नहीं कर सके, तो अब आदिवासी सीएम को निशाना बनाया जा रहा है. अगर केंद्र की भाजपा सरकार न सुधरी, तो भाजपा का सूपड़ा साफ कर देंगे, आगामी चुनाव में खाता भी नहीं खुलेगा.

ये बातें झामुमो के नेताओं ने ईडी की कार्रवाई के खिलाफ रविवार को राजभवन मार्च के दौरान कही. इससे पूर्व मार्च मोरहाबादी मैदान से निकाला गया जो रेडियम रोड, कचहरी चौक होते हुए राजभवन के पास पहुंचा जहां पर पहले से तैनात पुलिस बलों ने रोक दिया. इसके बाद झामुमो कार्यकर्ताओं ने वहीं पर जमकर प्रदर्शन, नारेबाजी की. गुमला-लातेहा विधायक भूषण तिर्की और वैद्यनाथ राम, रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम सहित कई लोगों ने संबोधित किया. इन्होंने कहा कि ईडी ने बार - बार समन भेज कर मुख्यमंत्री को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है.

आज भी प्रदर्शन,3 जिलों के कार्यकर्ता शामिल होंगे

मार्च में रांची, कोडरमा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार के कार्यकर्ता शामिल हुए. सोमवार को भी प्रदर्शन होगा. इसमें खूंटी, सिमडेगा,रामगढ़ के कार्यकर्ता शामिल होंगे. कार्यक्रम लगातार चलता रहेगा. रविवार के कार्यक्रम में हेमलाल मेहता, वीरेंद्र पांडेय, मोजम्मिल अहमद, मोतीलाल, अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, समनुर मंसूरी, अफरोज, जनक नायक, बीरु साहू, आदिल इमाम, सुजीत उपाध्याय, सुकुआ महतो, अरविंद सिंह देवल, आफताब संजय राय, विश्वजीत भट्टाचार्य सहित कई शामिल हुए.

सीआरपीएफ पर गुस्से में थे झामुमो कार्यकर्ता

स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट

सौरभ सिंह। रांची

ईडी की सीएम हेमंत सोरेन से आवास में पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी मामले में एफआईआर दर्ज करायी गयी है. स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आठ वाहनों से सीआरपीएफ के जवान सीएम आवास के पूर्वी गेट के पास पहुंचे थे. वापस जाने के दौरान कांके रोड स्थित हॉट लिप्स चौक के पास एकत्रित जेएमएम कार्यकर्ता (करीब 500) सीआरपीएफ के बस को देखते ही आक्रोशित हो गये थे. साथ ही यह भी सूचना थी कि 20 से 30 की संख्या में कार्यकर्ता द्वारा वाहन रोकने का भी प्रयास किया गया था.

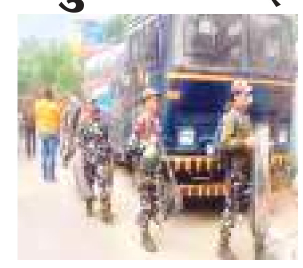

सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी मामले में दर्ज करायी गयी है एफआईआर : 20 जनवरी को ईडी की सीएम हेमंत सोरेन से आवास में पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी मामले में एफआईआर दर्ज करायी गयी है. सदर सीओ मुंशी राम की शिकायत पर यह प्राथमिकी गोंदा थाना दर्ज की गयी थी. इसमें कहा गया है कि सीआरपीएफ के जवान सीएम हेमंत सोरेन के कांके रोड स्थित सरकारी आवास की ओर जाने का प्रयास करने लगे थे. उन्हें बैरिकेडिंग के अंदर जाने से रोका गया, तो वे उलझ गये. इस दौरान सीआरपीएफ की गाड़ियों के कारण चौक जाम हो गया था. काफी मशक्कत के बाद स्थिति संभाली गयी.

बिहार में फिर एनडीए सरकार | विजय सिन्हा-सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री बने

९वीं बार नीतीशे कुमार

नीतीश फिर बिहार के सीएम बने, बोले-जहां थे वहीं आ गए,अब कहीं नहीं जाऊंगा

28 साल में तीसरी बार थामा भाजपा का दामन

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

बिहार में सरकार बदल गयी है. लेकिन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही हैं. नीतीश कुमार ने रविवार को नौंवी बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है. इस बार वे पुनः एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री हैं. उनके साथ दो उपमुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ विजय कुमार चौधरी, विजेंदर यादव, श्रवण कुमार(तीनों जदयू), प्रेम कुमार (भाजपा), संतोष कुमार सुमन (हम) और निर्दलीय सुमित कुमार सिंह को भी राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी. इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पद से इस्तीफा देकर महागठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल को भंग किया और फिर जब वे एनडीए के नेता चुने गये, तब राज्यपाल से मिल कर 128 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपते हुए सरकार बनाने का दावा पेश किया. शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पहुंचते ही जय श्रीराम के जयकारे से राजभवन का दरबार हाल गूंज उठा.

नयी एनडीए सरकार में कुल संख्या बल 128 का है, जबकि सरकार बनाने का जादुई अंक 122 है. वैसे भाजपा यह दावा करती रही है कि कांग्रेस के 10 से 12 विधायक उसके संपर्क में हैं. कांग्रेस के कुल 19 विधायक हैं. अगर टूटने वाले विधायकों की संख्या में दो-तीन का इजाफा हो जाएगा, तो भाजपा के लिए आसानी होगी और एनडीए सरकार और मजबूत हो जाएगी. लेकिन, यह देखना होगा कि भाजपा का दावा कितना सही है. **-विशेष आयोजन 7 और 11 पर भी देखें**

2 डिप्टी सीएम सहित 8 मंत्रियों ने शपथ ली

नीतीश के साथ कुल 8 मंत्रियों ने शपथ ली. मंत्रियों में मुख्यमंत्री समेत 2 कुर्मी, 2 भूमिहार, 1-1 राजपूत, दलित, कहार, कोइरी और यादव हैं.

उपमुख्यमंत्री

1. सम्राट चौधरी (भाजपा)
2. विजय सिन्हा (भाजपा)

मंत्री

3. डॉ. प्रेम कुमार (भाजपा)
4, विजेंद्र प्रसाद (जदयू)
5. श्रवण कुमार (जदयू)
6. विजय कुमार चौधरी (जदयू)
7. संतोष कुमार सुमन (हम)
8. सुमित सिंह (निर्दलीय)

ये है बिहार का नया गणित

एनडीए		महागठबंधन	
78 भाजपा	45 जदयू	79 राजद	19 कांग्रेस
04 हम	01 निर्दलीय	16 वाम	01 अन्य
128 कुल सीट		115 कुल सीट	

महागठबंधन में आने के लिए मांझी को मिला था बड़ा ऑफर

पूर्व सीएम जीतनराम मांझी को महागठबंधन में शामिल होने के लिए बड़े-बड़े ऑफर दिये गये. मांझी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है कि महागठबंधन की ओर से उन्हें सीएम पद तक का ऑफर मिला. लेकिन, उन्होंने एनडीए के साथ ही बने रहने में निष्ठा व्यक्त की. दरअसल, बिहार में मांझी किंग मेकर बन कर उभरे हैं. मांझी की पार्टी 'हम' के चार विधायक हैं. अगर ये चार विधायक महागठबंधन के पाले में आ जाते, तो उसकी सरकार बनाने के जादुई अंक 122 के करीब पहुंच जाता. गठबंधन के पास 115 विधायक हैं. ऐसे में अगर 'हम' के 4 विधायक साथ आ जाते, तो संख्या 119 हो जाती.

बिहार में कमंडल के साथ मंडल

बिहार की राजनीति एक बार फिर कमंडल पर मंडल मंडरा रहा है. जातीय गणना के बाद आरक्षण का दायरा बढ़ाना और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की घोषणा. ये पहलकदमी बता रही है कि लोकसभा चुनाव में बिहार में पिछड़ावाद ही हावी रहेगा. उसपर भाजपा की कोशिश होगी वह पिछड़ावाद पर धर्म का तड़का लगाकर इस समीकरण को और लजीज बनाये. हालांकि भूमिहार जाति से आने वाले विजय सिन्हा को डिप्टी सीएम बना कर भाजपा अगड़ी जाति को भी शांत कर सकती है.

अभी खेल शुरू हुआ है, मैं जो कहता हूं, करता हूं

बिहार में महागठबंधन की सरकार गिरने के बाद पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पहली बार कैमरे पर आए और एक तरफ से अपने कार्यकाल के दौरान हुए कामों की गिनती कराई. तेजस्वी यादव ने कहा कि जिस विभाग से बिहार के लोगों को नौकरियां मिलीं, बिहार में निवेश आया, उस विभाग का मंत्री हमारा है, तो हम क्रेडिट क्यों न लें. सरकार में हमारे 79 विधायक हैं, इन विभागों के मंत्री भी हमारे हैं, तो हम क्रेडिट क्यों न लें. यही मुख्यमंत्री जी 2020 के विधानसभा चुनाव में कहते थे कि कहां से पैसा आएगा, कहां से सरकारी नौकरी देंगे. 9 अगस्त 2022 को इनके नेतृत्व में हमने सरकार बनाई. 15 अगस्त को सीएम ने ऐलान किया था कि सरकारी नौकरियां देंगे. यह किसकी सोच थी. - शेष पेज 8 पर

बिहार में बनी एनडीए सरकार राज्य के विकास और यहां के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी, नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री और सम्राट चौधरी जी एवं विजय सिन्हा जी को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर मेरी बहुत-बहुत बधाई. मुझे विश्वास है कि यह टीम पूरे समर्पण भाव से राज्य के मेरे परिवारजनों की सेवा करेगी.

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

देश में नफरत और हिंसा फैलायी जा रही है: राहुल

एजेंसी। सिलीगुड़ी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भाजपानीत केंद्र सरकार पर नफरत व हिंसा फैलाने तथा गरीबों और युवाओं के हितों को नजरअंदाज कर कॉर्पोरेट घरानों के लिए काम करने का आरोप लगाया. दो दिन के विश्राम के बाद राहुल गांधी बंगाल के सिलीगुड़ी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए अग्निवीर को शुरू करके उन युवाओं का मखौल उड़ाया है जो सशस्त्र बलों में शामिल होना चाहते थे. नफरत फैलाने के बजाय, हमें प्यार का प्रसार करने और युवाओं को न्याय दिलाने की दिशा में काम करना होगा. गांधी ने बंगाल में अपने स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा, बंगाल विशेष स्थान रखता है. इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वैचारिक लड़ाई का नेतृत्व किया था. यह बंगालियों का कर्तव्य है कि वे नफरत से लड़ने का रास्ता दिखाएं और देश को एकसाथ बांधें.

खास बातें

- दो दिन के विश्राम के बाद फिर शुरू हुई कांग्रेस की न्याय यात्रा
- युवाओं को न्याय दिलाने के लिए काम करना ही होगा

पहले टेस्ट में भारत की हैरान करने वाली हार

इंग्लैंड 28 रन से जीता

हैदराबाद। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की सीरीज का पहला मुकाबला इंग्लैंड ने 28 रन से जीत लिया है. हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में इंग्लैंड ने पहली पारी में 246 रन बनाए थे. इसके जवाब में भारत ने 436 रन बनाकर 190 रन की बढ़त हासिल की. दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 420 रन बनाए और भारत के सामने 231 रन का लक्ष्य रखा. इसके जवाब में टीम इंडिया 202 रन पर सिमट गई और मैच हार गई. दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेला जाएगा. इस पारी में डेब्यू मैच खेल रहे इंग्लिश स्पिनर टॉम हार्टले ने 7 विकेट झटके. पहली पारी में उन्हें दो विकेट मिले थे. ओली पोप प्लेयर ऑफ द मैच रहे.

-विस्तृत खेल पेज पर

बिहार में सियासी श्रृंगार रस की निर्झरिणी

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

रामवादी, दीनदयालवादी और लोहियावादी, जेपीवादी इसकी संगीतमयी धारा में पूर्ण नग्न होकर गोते लगा रहे हैं.आप चाहें तो इसे कुंभ स्नान भी कह सकते हैं...

त्वरित टिप्पणी

दुश्मनी जमकर करो, लेकिन ये गुंजाइश रहे कि जब हम दोस्त बनें तो शर्मिंदा न हों. लेकिन बिहार के नेताओं ने ये गुंजाइश भी नहीं रखी. एक ओर वो हमेशा बेमुरव्वत होकर एक-दूसरे को जलील-ओ-खार करते रहे, वहीं दूसरी ओर कोई जब तुम्हारा हृदय तोड़ दे, तड़पता हुआ जब कोई छोड़ दे, तब तुम मेरे पास आना प्रिये, मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा तुम्हारे लिए का राग भी गाते रहे. करें भी क्या. थूकना और चाटना साहित्य में वीभत्स रस होता है, लेकिन राजनीति में यह श्रृंगार रस है. इस रस की छटा पूरे देश में बिखरती रही है. पहले हरियाणा, फिर उत्तर प्रदेश और हाल ही में महाराष्ट्र में इस रस की धारा बह चुकी है. इस रस का स्रोत मूलतः दिल्ली यानी केंद्र ही होता है. उसी के इशारे और जरूरत के हिसाब से इस श्रृंगार रस के अनुपम सौंदर्य के दर्शन हो पाते हैं. यह रस नमकीन होता है. इसलिए जो पार्टियां या नेता एक बार इसका पान कर लेते हैं, उनकी प्यास निरंतर बढ़ती जाती है. त्यों-त्यों प्यासेइ रहत ज्यों-ज्यों पियत अघाइ. दूसरे शब्दों में कहें तो उनको इसकी लत भी पड़ जाती है. फिर बार-बार थूकने और चाटने की तलब से नेता व्याकुल हो उठते हैं. बिहार में इसकी निर्झरिणी पूरी दिव्यता-भव्यता के साथ फिर फूट पड़ी है. रामवादी, दीनदयालवादी और लोहियावादी, जेपीवादी इसकी संगीतमयी धारा में पूर्ण नग्न होकर गोते लगा रहे हैं. आप चाहें तो इसे कुंभ स्नान भी कह सकते हैं. हालांकि कुंभ मेलों का समय निर्धारित होता है. लेकिन ये ठहरे रामराज्य लानेवाले और सामाजिक न्याय के पुरोधा. इनका मन जब भी उचटता या मचलता है, ये एकत्रित संग्रहित थूकों की भारी-भारी टंकियों की टोटी खोल देते हैं और चाटन कार्य निष्पादित करने लगते हैं. इस कर्म की तुलना के लिए त्रिभुवन में न कोई उपमा है, न उपमेय और न उपमान. सब उपमाएं जूठी हो चुकी हैं. शब्दकोषों में इनके लिए कोई शब्द नहीं है. ये यह श्रृंगारिक उपक्रम अपने लिए नहीं करते हैं. हमारे लिए करते हैं. इनका क्या है. ये तो आत्मा हैं. आत्मा कपड़े की तरह शरीर बदलती है. ये कुर्सी, सत्ता के लिए पार्टी गंठजोड़ बदलते हैं. इनके लिए दोस्ती दुश्मनी सब अस्थाई है. ये निरपेक्ष स्वभाव के हैं. लेकिन हैं परिवर्तनशील. परिवर्तनशीलता जीवंतता और दीर्घजीविता का कारक-कारण होती है. हमारे ऋषियों ने चरैवेति-चरैवेति का उपदेश दिया है. ये भी चलते ही रहते हैं. कभी यहां पहुंचते हैं, कभी वहां. लोग झूठमूठ पलटू घोल्टू आदि विशेषणों से विभूषित करते रहते हैं. इससे कोई अपना स्वभाव थोड़े ही बदल देगा. संत न छोड़े संतई. आप गाली दें, कोई न ले तो वह आपके पास ही रहेगी. गलती हमारी है. हम हर रात शौहर बदलनेवाली दुल्हनों को पतिव्रता मान लें तो दोष किसका है. हमेशा एक ही आरोप लगता है-ये वदफरोश हैं. सियासत में वदफरोशी गुण है, अवगुण नहीं है. यहां तो कसमे वादे प्यार वफा सब वादे हैं वादों का क्या ही चलता है. ये जब पलटा पलटी का महारास रचाते हैं, तो इन्हें दिव्य माधुर्य के अतिरिक्त कहीं कुछ नहीं दिखाई देता है. -शेष पेज 8 पर

अनारक्षण पर यूजीसी ने तैयार किया नया मसौदा, कहा-

एससी, एसटी, ओबीसी कैंडिडेट न मिलें तो हटा दें आरक्षण : यूजीसी

एजेंसी। नयी दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नये मसौदा दिशानिर्देशों में सुझाव दिया गया है कि एससी/एसटी या ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां इनके उम्मीदवार नहीं आने की स्थिति में अनारक्षित घोषित की जा सकती हैं.

यूजीसी के नये मसौदा दिशानिर्देशों में यह जानकारी दी गई है. उच्च शिक्षा संस्थानों में भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश हितधारकों की आपत्ति और सुझाव के खातिर सार्वजनिक किये गये हैं. मसौदे में कहा गया, एससी/एसटी या ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित रिक्तियां संबंधित के अलावा किसी अन्य द्वारा नहीं भरी जा सकती. यह भी कहा गया, हालांकि, आरक्षित रिक्ति को अनारक्षण की प्रक्रिया का पालन करके अनारक्षित घोषित किया जा सकता है, जिसके बाद इसे अनारक्षित रिक्ति के रूप में भरा जा सकता है. लेकिन साथ ही कहा गया है कि सीधी भर्ती के मामले में आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित घोषित करने पर प्रतिबंध है. मसौदे के अनुसार, चूंकि समूह ए सेवा में कोई रिक्ति खाली नहीं छोड़ी जा सकती, ऐसे में इस तरह के मामलों में संबंधित विवि रिक्ति के आरक्षण को रद्द करने का प्रस्ताव तैयार कर सकता है. अपने प्रस्ताव में उसे बताना होगा कि पद भरने के लिए कितनी बार प्रयास किये गये, रिक्ति को क्यों खाली नहीं रखा जा सकता और आरक्षण रद्द करने का औचित्य क्या है.

उद्योग जगत की अवश्यकतानुसार करना होगा कोर्सेस में शामिल

विवि, उद्योग व सरकार के साझा प्रयास से विकास संभव: राज्यपाल

- सैद्धांतिक शिक्षा को धरातल पर प्रायोगिक रूप से उतारा जाए

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के साझा प्रयास से देश का विकास संभव है. वर्तमान समय की जरूरत और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न विषयों को विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करना होगा. सरकार को भी इसके अनुरूप माइक्रो लेवल पर नीति-निर्धारण करना पड़ेगा.

इस प्रकार के साझा प्रयास एवं नीति-निर्धारण से ही हम विकसित देशों की श्रेणी में पहुंच सकते हैं और 'विकसित भारत' के सपनों को साकार कर सकते हैं. राज्यपाल रविवार को झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 'यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री गर्वनमेंट समिट 2024' में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि विकास के लिए यह आवश्यक है कि सैद्धांतिक शिक्षा को प्रायोगिक रूप से धरातल पर उतारा जाए.

नयी शिक्षा नीति निभाएगी अहम भूमिका

भारत के विकास में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. यह समिट समावेशी विकास के लिए युवाओं को प्रेरित करेगी. वे आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा देकर संगठित उद्योग के रुप में विकसित करेंगे. विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब झारखंड विकसित होगा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने प्रधानमंत्री के इस प्रतिबद्धता में सभी को अपना योगदान देने का आह्वान किया.

असफलता से घबराना नहीं है

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि असफलता भी आएगी लेकिन इससे घबराना नहीं है. प्रधानमंत्री ने चन्द्रयान-2 के पूर्ण रूप से सफल नहीं होने पर वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन किया और कुछ माह बाद चन्द्रयान-3 सफलतापूर्वक चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया. इसी प्रकार उनके उत्साहवर्धन से ही कोविड का टीका विकसित हुआ और भारत ने न सिर्फ अपने देश में वृहत पैमाने पर टीकाकरण किया बल्कि अन्य देशों में मानवता का परिचय देते हुए नि:शुल्क टीका वितरित किया.

सरकार की नीतियां भी हों कारगर

राज्यपाल ने कहा कि इनोवेशन और रचनात्मकता का वातावरण शिक्षण संस्थानों व औद्योगिक संस्थानों में हो. इसको बढ़ावा देने के लिए सरकार की नीतियां भी कारगर हों. ऐसे वातावरण विकसित होने से एवं प्रतियोगिता व प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा. विद्यार्थियों में निहित प्रतिभाएं सामने आएगी. इन प्रतिभाओं के सामने आने से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे. पुरानी तकनीक को पुनर्भाषित करते हुए नित्य-नई तकनीक को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है.

नीतीश कुमार के अलग होने का अंदाजा पहले से ही था: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भारतीय जनता पार्टी की झारखंड इकाई ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर रविवार को कहा कि यह तो होना था क्योंकि जनता दल यूनाइटेड अध्यक्ष और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं. भाजपा की झारखंड इकाई के प्रमुख एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा, बिहार की राजनीति में इस तरह के घटनाक्रम का अनुमान पहले से ही था...मुझे आश्चर्य है कि नीतीश कुमार जैसे अनुभवी और ईमानदार नेता उनके (महागठबंधन) के साथ इतने लंबे समय तक कैसे टिके रहे. मरांडी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि व्यक्ति का स्वभाव और हस्ताक्षर कभी नहीं बदलता और इसका एहसास नीतीश कुमार को इतने लंबे समय बाद हुआ. उन्होंने कहा, नीतीश कुमार और लालू प्रसाद दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं.

एक भ्रष्टाचार का पर्याय है और नीतीश जी देश के उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं जो अपनी ईमानदारी के लिए पहचाने जाते हैं. वह न तो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और न ही वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं. इसके विपरीत, लालू प्रसाद भ्रष्टाचार और वंशवाद की राजनीति में गले तक डूबे हुए हैं. कुमार के बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भाजपा के साथ फिर से जुड़ने के बजाय मरना पसंद करेंगे, इसको लेकर मरांडी ने कहा कि भावना में बहकर इस तरह के बयान देना आम बात है लेकिन नीतीश कुमार का ऐसा मतलब कभी नहीं था. भाजपा पर जद (यू) को विभाजित करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कुमार वर्ष 2022 में महागठबंधन में शामिल हो गये थे. उन्होंने बहुदलीय गठबंधन के साथ नयी सरकार बनाई, जिसमें राजद, कांग्रेस और तीन वामपंथी दल शामिल थे.

सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने के फेर में फंसे अवर सचिव

संवाददाता। रांची

सजायाफ्ता को वित्तीय लाभ पहुंचाने के चक्कर में शिक्षा विभाग के सेवानिवृत अवर सचिव राजेंद्र प्रसाद पर गाज गिर गई है. अब उनके खिलाफ राज्य सरकार ने डिपार्टमेंटल प्रोसिडिंग चलाने का निर्णय लिया है. राजेंद्र प्रसाद पर स्कूली विभाग के पद पर रहते हुए फाइलों को संबंधित पदाधिकारियों को छोड़ दूसरे अफसरों के समक्ष रखने का आरोप है. इसके साथ ही सजायाफ्ता व्यक्ति को अनुचित तरीके से वित्तीय लाभ पहुंचाने का भी आरोप है. इस मामले में जांच पदाधिकारी रिटायर आइएएस रमाकांत सिंह को बनाया गया है. राजेंद्र प्रसाद पिछले साल 30 अप्रैल 2023 को सेवानिवृत हो गए थे.

खोया-पाया

मेरा नाम- प्रकाश चौधरी, पिता- सुनील चौधरी, माता- माया देवी, जन्म तिथि- 02/09/2007 है. मेरा सीबीएसई-दसवीं (वर्ष-2023) का अंक प्रमाण पत्र समेत तमाम मूल प्रमाण पत्र जिसका क्रमांक संख्या- 22330241, स्कूल न0- 69513 है. वह छायाप्रति कराने जाने के दौरान किरीबुरु में कहीं खो गया. जिस किसी को मिले वह निम्न पते पर पहुंचाने की कृपा करें.

पता- प्रकाश चौधरी।
बैंक मोड़, मेघाहातुबुरु
थाना-किरीबुरु

किसानों को राहत: तेजी हो रहा रहा है किसानों का कर्ज माफ

रवि भारती। रांची

राज्य में झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत 469495 किसानों का ऋण माफ किया जा चुका है. वहीं 468715 किसानों के ऋण माफी की प्रक्रिया चल रही है. गलत डेटा के कारण 20409 किसानों के ऋण माफी की प्रक्रिया लंबित हो गई थी. इन किसानों के लिए भी सरकार डेटा सुधार कर फिर से ऋण माफी की प्रक्रिया शुरू कर दी है. ऋण माफी के लिए देवघर जिला को सबसे अधिक राशि एक अरब 80 करोड़ की राशि आबंटित की गई है. इसके बाद दुमका को एक अरब 38 करोड़ और पूर्वी सिंहभूम को एक अरब 35 करोड़ की राशि आवंटित की गई है.

चतरा में 100 फीसदी किसानों के शिकायतों का निपटारा : कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार चतरा में 100 फीसदी किसानों की शिकायतों का निपटारा कर लिया गया है. इसके अलावा रामगढ़, साहिबगंज और बोकारो में 99 फीसदी शिकायतों का निपटारा कर लिया गया है. खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसांवा, पूर्वी सिंहभूम, लातेहार, जमशेदपुर, गुमला, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, धनबाद और कोडरमा में 95 फीसदी शिकायतों का निपटारा कर लिया गया है. पाकुड़, हजारीबाग और गढ़वा में 97 फीसदी शिकायतों का निपटारा हो चुका है. दुमका, गोड्डा, गिरिडीह और पलामू में 96 फीसदी शिकायतों का निपटारा हो चुका है. वहीं देवघर में 95 फीसदी शिकायतों का निपटारा हुआ है.

लिखित में सिर्फ दो शिकायतें ही मिली : किसानों की ओर से लिखित में सिर्फ दो शिकायतें ही मिली हैं. सबसे अधिक शिकायत कॉल कर दर्ज की गई. इसके अलावा सोशल मीडिया, वाह्ट्सएप, ई-मेल, फेसबुक, ट्वीटर और एसएमएस के जरिए भी शिकायतें मिली हैं. जनवरी 2024 में अब तक 488 शिकायतें मिली हैं.

किस माध्यम से कितनी शिकायतें

माध्यम	शिकायत सं.	व्हाट्सएप	197
कॉल	12485	मोबाइल	17
वेबसाइट	1167	ई-मेल	12
एसएमएस	02	लिखित	02
सोशल मीडिया	17	ट्वीटर	70

कर्ज माफी के लिए किस जिले को कितनी राशि आवंटित

जिला	राशि	जामताड़ा	1219834911
बोकारो	708952429	खूंटी	268602518
चतरा	706540413	कोडरमा	513026533
देवघर	1803582484	लातेहार	374979532
धनबाद	236697947	पाकुड़	261177678
दुमका	1384408429	पलामू	1099213928
पूर्वी सिंहभूम	1351559306	रामगढ़	327301628
गढ़वा	962365045	रांची	1152310553
गिरिडीह	908305286	साहिबगंज	389018662
गोड्डा	815269829	सरायकेला	1210584423
गुमला	452665637	सिमडेगा	231891606
हजारीबाग	926623787	प. सिंहभूम	1234402627

झारखंड के अभ्यर्थियों के साथ धोखा हो रहा : राजेंद्र

रांची । स्थानीय नीति तथा नियोजन नीति बनाए बिना जेएसएससी द्वारा आयोजित सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा ली जा रही है.

इसमें लगभग 6.5 लाख अभ्यर्थी झारखंड व देश के विभिन्न राज्यों से परीक्षा झारखंड में दे रहे हैं. मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड के निवासियों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. हमारे झारखंडी अभ्यर्थियों को इस नियुक्ति प्रक्रिया में अत्यधिक हानि हो रही है.

AFFIDAVIT

I, NISHA SHARMA WIFE OP HARSH VARDHAN Resident of Road No 06 Near Birsa Blood Bank, Hill View Hospital Road Bariatu, P.S. Bariatu District Ranchi, Jharkhand 834009, do hereby solemnly affirm and declare as follows:

1. That I an an Indian citizen.
2. That I am residing at my aforesaid address.
3. The my actual name is Nisha Sharma & I also known by my name NISHA. both are same and one person which is my name & myself.
4. That need of the affidavit for same and one person & my actual name as such this affidavit.
5. That foregoing statements are true and genuine.

Aff. No. 3062/23-09-2019

झारखंड में अवैध विदेशी नागरिक किए जाएंगे चिह्नित

डीजीपी की अध्यक्षता में बैठक आज

संवाददाता। रांची

झारखंड में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक चिह्नित किये जाएंगे. इसको लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिलों के एसएसपी व एसपी के साथ समीक्षा बैठक होगी. इस दौरान डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का जिला द्वारा उपयोग, फॉरेनर रजिस्ट्रेशन पोर्टल का जिला द्वारा उपयोग, अवैध प्रवासी और विदेशियों का अवैध रूप से समय से अधिक समय तक रहना जैसे मुद्दे पर चर्चा की जाएगी.

राज्य में अवैध प्रवासियों की संख्या 10-15 लाख : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने एनआरसी की जरूरतों व बांग्लादेशियों के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी थी. रिपोर्ट में जिक्र था कि बांग्लादेशी नागरिक बिहार और बंगाल के रास्ते झारखंड में शरण ले रहे हैं.

झारखंड में अवैध प्रवासियों की संख्या 10-15 लाख बतायी गयी है. अवैध प्रवासियों की बढ़ती आबादी से सांस्कृतिक व सुरक्षात्मक खतरे उत्पन हुए हैं. बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद के रास्ते भी अधिकांश बांग्लादेशी यहां पहुंच रहे हैं. झारखंड में

अधिकांश बांग्लादेशी फरक्का, उधवा, पियारपुर, बेगमगंज, फुदकलपुर, अमंथ, श्रीधर, दियारा, बेलूग्राम, चांदशहर, प्राणपुर से आते हैं. रिपोर्ट में जिक्र है कि बांग्लादेशियों के आने से अपराध व देशविरोधी गतिविधियां बढ़ी हैं.

आधार-वोटर आईडी तक बनवाया : रिपोर्ट के मुताबिक, अवैध प्रवासियों ने वोटर आईडी, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तक बनवा रखा है.

विदेशी नागरिक उधवा वर्ड सैंक्चूरी और वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है. इन इलाकों में जमात उल मुजाहिदीन बांग्लादेश और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे प्रतिबंधित संगठन की मजबूत पकड़ हुई है.

CLASSIFIED

AMRITA HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
7870865821
Dr. Sumedha Gargy
MBBS, MD (Obs 'n' Gynae), ECFMG (Certified USA), MRCOG (London) & ESGO, Certified in Gynaecological Oncology (Europe), Fellowship in Gynae Oncology TATA Medical Centre, Kolkata, Ex. Sr. Resident, Dept. of Surgical Oncology, RIMS, Ranchi
Shyamli, Kali Mandir Road
Burdwan Compund, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob : 8271505819, E-mail : gargysumedha@gmail.com

संत रोबोट बालक मध्य विद्यालय हजारीबाग
नामांकन जारी
रेमंड सोरेन
प्रधानाध्यापक
होली क्रॉस रोड कैथोलिक आश्रम, सम्पर्क : 9798141537

DR. RADHAKRISHNAN SCHOOL OF LEARNING
SENIOR SECONDARY SCHOOL (10+2)
Affiliated to C.B.S.E. New Delhi (3430409)
नामांकन जारी
खेल का मैदान, योग शिक्षक, बस की सुविधा
लाइब्रेरी एवं प्रैक्टिकल के लिए उत्तम प्रबंध
NH-33 बोंगा इचाक, हजारीबाग
सम्पर्क करें : 9471041355

श्री साईं नर्सिंग होम
24 घंटा सेवा उपलब्ध
मरीजों की सुलभता हेतु सारी सुविधा उपलब्ध
मिथिलेश कुमार शर्मा
संचालक
श्री साईं नर्सिंग होम, हजारीबाग, संपर्क करें 9931579949,8789744618

सूर्यांश वैदिक ज्योतिष कार्यालय
गिरधर गोपाल मिश्रा
ज्योतिषाचार्य
जन्म कुण्डली, रत्न विज्ञान व वैदिक अनुष्ठानों के द्वारा अपने समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान प्राप्त करें।
I S H103 Housing Colony Dhanbad Jharkhand 826001 Ph : 9525504033

श्री गणेश नर्सिंग होम
लोअर चुटिया, रांची, फोन : 9835588850
सुविधाएं : सभी तरह के ऑपरेशन, गॉल ब्लाडर, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील बवासीर एवं हड्डी की चोट समेत सम्पूर्ण जांच की व्यवस्था उचित दर पर उपलब्ध
Dr. Randhir Kumar
M.B.B.S., D. Ortho
Ms (General Surgery), FIAGES
Ex-Resident (Neurosurgery) RIMS
24 Hours Emergency Pathology Service
(Home Collection also available here)
Vaccination Facility Child
इशानी मेडिकल हॉल
यहां सभी तरह की दवाएं उचित मूल्य पर दी जाती है।

INDU BHUSHAN MEMORIAL SCHOOL
Class:- Nursery to XIIth
Co-Education, English Medium
Our Features
- Reasonable Fee Structure
- Qualified and Trained Teachers
- Innovative Teaching
- Appropriate Student- Teacher Ratio
- No Heavy Bags
- Pre-Primary Play Area
- Attentin Towards Every Child
- Parenting Classes (For Parents)
- CCTV Monitoring
- Transport Facility
Admission is going on.
Contact : 9430370823, 9955449958
Kawatu, Ichak, Hazaribag (Jharkhand)

SHARDA SCHOOL
Run by:S. E. T., Reg No.:4/223,SI No. 4729, U.Dise -20050115504
Email:info@shardaschoolkoderma.com,
Website:www.shardaschoolkoderma.com
Near Durga Mandap
Maduatand
Jhumari Telaiya
PIN- 825409
(Jharkhand)
Mob: 8210034302

24 घंटा सेवा उपलब्ध... अनुभवी डॉक्टर के साथ...
जीवन अनमोल हॉस्पिटल
राजा बांग्ला ओकनी रोड हजारीबाग
निवेदक
सुबोध कुमार

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन।
आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कटरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।
FLIGHT TICKETS
CRUISE BOOKING
HOTEL BOOKING
TRAIN TICKET
TAXI SERVICE
CURRENCY EXCHANGE
HOLIDAY PACKAGES
GROUP BOOKINGS
E VISA SERVICE
INTERNATIONAL TOUR PACKAGES
BOOKING
Call 8527271652-ved

Estd. : 2014
Under the Management of Shanti Seva Trust
R.C. Mission Residential School
(A Co-educational, English Medium, CBSE Board School)
Baba Path, Hurhuru, Hazaribagh | M-9162990236, 9113769641
Admission Open
छात्रावास में सुविधाएं :
- लाइब्रेरी की सुविधा
- सुबह-शाम ट्यूशन
- सीसी टीवी कैमरा
- 24 घंटे सिक्युरिटी
- 24 घंटे बिजली-पानी
- कंप्यूटर लैब
- मेन्यू अनुसार भोजन
Minku Kumar
Director
School Building

लोकनायक जेपी विद्या मंदिर
सीबीएसई मान्यता प्राप्त नर्सरी टू नाइंथ
नामांकन जारी
बस की सुविधा खेल का मैदान
सीसीटीवी कैमरा एवं योग शिक्षक
प्रचार्या सुनीता देवी
नामांकन के लिए संपर्क करें पता, नंगवा टोल प्लाजा हजारीबाग

मणिपाल मोन्टेसरी हाई स्कूल
नामांकन जारी
प्ले ग्रुप से दसवीं कक्षा तक
सीबीएसइ पाठ्यक्रम
गैस गोदाम रोड, मंडईकला, हजारीबाग, संपर्क : 9693535747

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहायता केंद्र
24 घंटा सेवा उपलब्ध
फ्री इलाज एवं ऑपरेशन के लिए संपर्क करें
राहुल ठाकुर
संचालक
मां अंबे नर्सिंग होम
कालीबाड़ी रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा, हजारीबाग फोन : 8709644624

EDUCATION TO-LET BUSINESS REAL ESTATE RECRUITMENT MATRIMONY & Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश
एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in | सोमवार, 29 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 04, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 281 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

दिल्ली से मुक्त कराई गईं बोरियो की 19 लड़कियां, 2 गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता। रांची

दिल्ली के विभिन्न इलाकों से झारखंड की 19 लड़कियों को मुक्त कराया गया है. इनमें से 14 बच्चियां नाबालिग हैं, जिनकी उम्र 12 से 15 साल है. 5 लड़कियां 18 वर्ष से अधिक उम्र की हैं. ये सभी लड़कियां साहिबगंज के बोरियो प्रखंड की रहने वाली हैं. महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित एकीकृत पुनर्वास संसाधन केंद्र और नई दिल्ली एवं साहिबगंज पुलिस के संयुक्त प्रयास से इन लड़कियों को मुक्त कराया गया है. पुलिस और विभाग की टीम ने पहले दो मानव तस्करों को पकड़ा और उनके घर से बरामद हुए दस्तावेजों के आधार पर सभी 19 लड़कियों को मुक्त कराया गया. रेस्क्यू मिशन में दिल्ली के दो एनजीओ ने झारखंड पुलिस की मदद की.

रेस्क्यू की गईं लड़कियों में 14 नाबालिग, 18 वर्ष से ऊपर की 5

सभी बच्चियों का किया जाएगा पुनर्वास

एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र के राहुल सिंह एवं निर्मला खलखो ने बताया कि मुक्त करायी गई सभी बच्चियों को दलाल के माध्यम से दिल्ली लाया गया था. मुक्त करायी गयी बच्चियों की काउंसेलिंग की जाएगी और उनके संबंधित जिले के डीसीपीओ के माध्यम से होम वेरिफिकेशन कराया जाएगा. इसके बाद बच्चियों का पुनर्वास किया जाएगा. उन्होंने बताया कि टोल फ्री नंबर 10582 के माध्यम से भी झारखंड की तस्करी के शिकार बच्चों-बच्चियों की सूचना प्राप्त होती है.

मानव तस्करों के घर से मिले कागजात से ढूंढी गईं लड़कियां

नई दिल्ली के एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र की नोडल ऑफिसर नचिकेता ने बताया कि उन्हें झारखंड के बोरियो पुलिस ने यह सूचना दी गई थी कि एक मानव तस्कर कई लड़कियों को बहला फुसला कर दिल्ली लाया. इस सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस से संपर्क कर दो मानव तस्करों को पकड़ा गया. तस्करों के घर पर ही एक बच्ची मिली, जिसे वह तस्करी कर दिल्ली लाया था. मानव तस्करों के मिलते ही साहिबगंज के एसपी कुमार गौरव को सूचना दी गई. उन्होंने फौरन एक पुलिस टीम को दिल्ली के लिए रवाना किया और फिर मानव तस्करों के घर से मिले कागजात के आधार पर सभी लड़कियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों से मुक्त कराया गया.

कतरास में हार्डवेयर दुकान में लगी भीषण आग

लाखों की संपत्ति खाक

कतरास। कतरास थाना क्षेत्र के राहुल चौक के पास एक हार्डवेयर दुकान में रविवार की देर शाम शॉर्ट सर्किट से अचानक भीषण आग लग गयी. देखते ही देखते आग की लपटें आसमान छूने लगीं. इससे आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया. घटनास्थल पर देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गयी. खबर पाकर कतरास पुलिस मौके पर पहुंची. खबर लिखे जाने तक मौके पर दमकल की गाड़ी नहीं पहुंच सकी थी. घटना के करीब बीस लाख का सामान जल कर राख हो गया है.

ब्रीफ खबरें

पूर्व विधायक चंद्रिका महथा का निधन

रांची। गिरिडीह के जमुआ के पूर्व विधायक चंद्रिका महथा का निधन रविवार को हो गया. पिछले कई दिनों से वे इलाजरत थे. उनका इलाज रांची के मेदांता हॉस्पिटल में चल रहा था. उनके निधन की सूचना मिलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. चंद्रिका महथा पहली बार 2005 में झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़े थे. इसके बाद 2009 में झाविमो और 2014 में फिर से झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़े. 2019 में फिर से झाविमो में शामिल हो गए. 2023 में उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा था. उनके निधन पर एमएलए केदार हाजरा, सुदिव्य कुमार सोनू, विनोद सिंह, मंत्री बेबी देवी, सहित कई दलों के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया है.

इंटक वुमन कमेटी की राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बनीं पूर्णिमा

रांची। झारखंड की कांग्रेस नेता पूर्णिमा सिंह को राष्ट्रीय इंटक की

सेंट्रल वूमन वर्किंग कमेटी का राष्ट्रीय संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है. कमेटी की नेशनल चेयर पर्सन देविका सिंह के अप्रूवल पर इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीवा रेड्डी ने नई कमेटी का गठन किया है. सेंट्रल कमेटी में शामिल किये जाने पर पूर्णिमा सिंह ने पार्टी नेताओं के प्रति आभार जताया है.

बड़ा आरोप : एक दर्जन से अधिक गोवंश थे वाहन में लोड

गो रक्षा दल ने जिस वाहन को पकड़ा, थानेदार ने छोड़ दिया

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के जीटी रोड में गो तस्करी खुलेआम हो रही है. वाहनों में ठूंस-ठूंस कर गोवंश इस रास्ते से बंगाल जा रहे हैं. गो रक्षा दल द्वारा वाहनों को पकड़ने के बाद भी पुलिस द्वारा बिना किसी कार्रवाई के वाहनों को छोड़ दिया जा रहा है. कुल मिलाकर गोवंश की तस्करी में पुलिस वाले रुपये वसूल रहे हैं. ये आरोप गो रक्षा दल के अध्यक्ष सुमंत शर्मा ने लगाया है. उन्होंने बताया कि शनिवार की रात करीब एक बजे एक पिकअप वैन में गो तस्कर लगभग एक दर्जन से अधिक गोवंश उसमें लोड होंगे. इस वाहन को पकड़ा गया और कागजात आदि के बारे में पूछ कर थानेदार को फोन किया गया. मैथन ओपी प्रभारी को फोन करने के बाद पूरे मामले की जानकारी दी गई. इस पर थानेदार ने कहा कि पहले डीएसपी अमर पांडेय से बात कर लीजिए. इस पर सुमंत शर्मा ने उनकी बात को रिकार्ड कर लिया. दोनों के बीच करीब तीन मिनट 44 सेकेंड बातचीत हुई. इस पूरी बातचीत में सुमंत शर्मा कई बार कह रहे हैं कि तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. जबकि थाना प्रभारी बार-बार डीएसपी से बात करने को कह रहे हैं. बाद में उक्त वाहन को छोड़ दिया गया. हैरान करने वाली बात ये भी है कि इस वाहन को पुलिस गश्ती टीम ने स्कॉट करते हुए लेकर गई. इस का वीडियो भी बनाया गया. जो शुभम संदेश कार्यालय लाकर सौंपा गया है.

शुभम संदेश के पास है थानेदार से बातचीत का ऑडियो-वीडियो

थानेदार ने कहा- डीएसपी से बात कीजिए तभी कार्रवाई

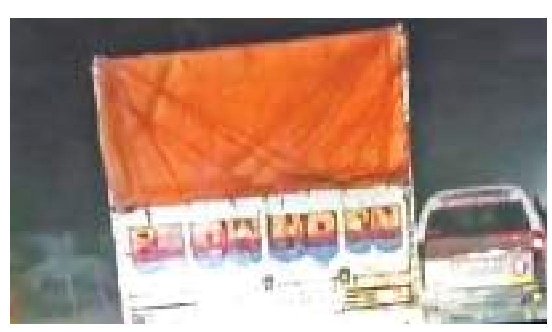

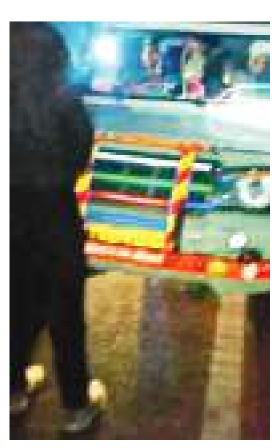

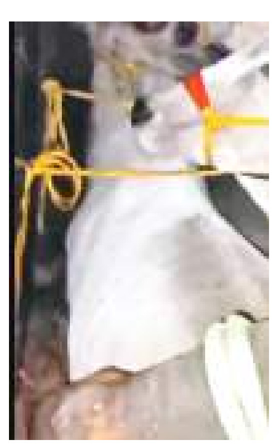

डीएसपी की आड़ में बचते हैं थानेदार

सुमंत शर्मा ने कहा कि इस इलाके में जब भी गो तस्करी के मामले का भंडाफोड़ किया जाता है तो थानेदार सीधे कहते हैं, मामले की खबर डीएसपी को दीजिए. डीएसपी जैसा कहेंगे वैसा ही किया जाएगा. ऐसे में हम तो यही समझ रहे हैं कि धनबाद में गो तस्करी का काम डीएसपी के संरक्षण में हो रहा है.

पूर्व प्रभारी हो चुके हैं निलंबित : मैथन के पूर्व थाना प्रभारी को एसएसपी एचपी जर्नादन ने गो तस्करी के मामले में संदिग्ध पाते हुए निलंबित कर दिया था. वरीय अधिकारियों की कड़ी कार्रवाई के बावजूद भी पुलिस का रवैया समझ से परे है. सुमंत बताते हैं कि वे जल्द ही एसएसपी से मिलकर मामले की शिकायत करेंगे.

पति की हत्या की मास्टरमाइंड पत्नी

संवाददाता। महुदा (कतरास)

- प्रेमी के साथ साजिश कर सुपारी किलर के हाथों पति को उतारा मौत के घाट
- पत्नी सहित पांच आरोपियो को पुलिस ने दबोचा, शराब पिलाकर की गई थी हत्या

महुदा मोदीडीह अंधारी बस्ती निवासी मृतक मोहन नापित की हत्या खुद उसकी पत्नी ममता देवी ने अपने प्रेमी देव प्रमाणित के साथ साजिश रचकर सुपारी किलरों की मदद से करवाई थी. मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए घटना में शामिल मृतक की पत्नी सहित पांच आरोपियों को दबोच लिया है. घटना में प्रयुक्त हथियार भी पुलिस ने बरामद किया है. वारदात की जानकारी देते हुए सर्किट इंस्पेक्टर अलविनुस इन्दवार, महुदा थाना प्रभारी योगेश कुमार महतो, अनुसधानकर्ता पुअनि शिव कुमार ने बताया कि हत्याकांड को लेकर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एक टीम गठित की गई और तहकीकात शुरू हुई.टीम की मदद से मृतक के अंतिम फोन कॉल के आधार पर नागदा बस्ती निवासी लखीराम प्रमाणिक के पुत्र देव प्रमाणिक को संदेह के आधार पर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गयी. उसके द्वारा बताया गया कि उसका और मृतक की पत्नी ममता का प्रेम संबंध था. दोनों के बीच मृतक बाधक बन रहा था. जिसको लेकर मृतक की पत्नी ममता के सहमति से हत्या की योजना बनाई थी.

60 हजार में हत्या का सौदा कर प्रेमी ने पुरुलिया से बुलाया था सुपारी किलर : देव प्रमाणिक ने मोहन नापित की हत्या के लिए पुरुलिया से तीन व्यक्तियों को 60 हजार रुपये देकर वारदात को अंजाम देने के तैयार किया . 22 जनवरी को घटना को अंजाम देने की तिथि निर्धारित की गई. उक्त निर्धारित तिथि के अनुसार सभी अप्रा०अभियुक्त द्वारा काण्ड्रा पंचायत अंतर्गत ग्राम दास टोला के समीप खेत में शराब पीने के उपरांत अभियुक्तों द्वारा मीट काटने का चापड़ तथा चाकू के द्वारा शराब पी रहे मोहन नापित को पीछे से सिर एवं चेहरा पर बार- बार जोरदार प्रहार किया गया. जिससे मोहन नापित की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई. बाद में सभी अभियुक्त घटना को अंजाम देकर चापड़ एवं चाकू साथ लेकर चास के रास्ते पुरुलिया के लिए निकल गए. रास्ते में पुपुनकी स्थित मुख्य सड़क में रेलवे ओवर ब्रिज के पास झाड़ी में उक्त प्रयुक्त हथियार को फेंक दिया और पुरुलिया स्थित अपने-अपने घर चले गये. वहीं ममता का प्रेमी देव भाटडीह ओपी अंतर्गत नागदा स्थित अपने घर चला गया. पुलिस ने बताया कि अभियुक्त देव प्रमाणिक के बताये अनुसार पुरुलिया के दामना थाना अंतर्गत ग्राम- कोटलोई में छापेमारी कर दो अभियुक्तों को अभिरक्षा में लिया गया. उसमें से एक अभियुक्त के पुरुलिया थाना अंतर्गत ग्राम- रामडीह से हिरासत में लिया गया. हिरासत में लिये गये अभियुक्तों से गहन पूछताछ के क्रम में उनलोगों के द्वारा उक्त घटना को अंजाम देने की बात को स्वीकार किया गया.

पुलिस गिरफ्त में आरोपी, बरामद हथियार व जानकारी देते पुलिस की तस्वीर

डीसी ने किया कार्यक्रम स्थल का मुआयना

संवाददाता। सिंदरी

4 फरवरी को हर्ल खाद कारखाने का प्रस्तावित उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर्ल केन्द्रीय कंट्रोल रूम में बटन दबा कर कर सकते हैं. इसकी तैयारियों का जायजा लेने के लिए धनबाद उपायुक्त वरुण रंजन, उप विकास आयुक्त शशि प्रकाश सिंह व एसएसपी धनबाद एच पी जनार्दन ने रविवार को हर्ल में बने हैलीपैड और सीसीआर रूम सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान धनबाद उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को ड्रीम प्रोजेक्ट हर्ल खाद कारखाने का उद्घाटन करेंगे. उनका धनबाद में पहला कार्यक्रम हर्ल का उद्घाटन समारोह में शामिल होना तय है और इसके बाद में वह बरवड्डा के लिए रवाना होंगे. इसको लेकर हर्ल हैलीपैड का निरीक्षण कर हर्ल सिंदरी प्रबंधन को प्रधानमंत्री के हैलीकॉप्टर उतरने के लिए विशेष दिशानिर्देश दिए गए हैं. हर्ल प्लांट के अंदर बने सभा स्थल का भी निरीक्षण गया है. अतिरिक्त प्लान और अन्य अतिथियों के आगमन को लेकर बलियापुर हवाई पट्टी पर भी तैयारी की जा रही है.

4 को धनबाद आएंगे पीएम

बाघमारा प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ शुभम संदेश की मुहिम रंग लाई

सीओ ने डीसी को लिखा- रिश्वतखोरी पर क्लर्क के खिलाफ कार्रवाई करें

संवाददाता। कतरास

शुभम संदेश में बाघमारा सीओ के क्लर्क अजय कुमार के द्वारा पेंशन स्वीकृत की एवज में पैसे की उगाही उजागर होने पर सीओ रवि भूषण प्रसाद ने क्लर्क के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने को लेकर उपायुक्त को पत्र लिखा है. इसके साथ ही जिन लाभुकों को क्लर्क ने पेंशन स्वीकृत करने से वंचित कर रखा, उन की पेंशन आनन फानन में स्वीकृत कर दी गयी है. मामले की जानकारी देते हुए सीओ ने कहा कि क्लर्क अजय कुमार द्वारा पेंशन स्वीकृत में पैसे की मांग किए जाने का मामला प्रकाश में आया था, जिसको लेकर हमने क्लर्क को स्पष्टीकरण मांगा था. लेकिन जबाब से असंतुष्ट होने के बाद हमने उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए वरीय अधिकारियों को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा कि गलत करने वाले कर्मचारियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. साथ ही कहा कि जिन लाभुकों की पेंशन स्वीकृत नहीं हो सकी, उनकी भी जल्द ही कागजी प्रक्रिया के बाद शुरू कर दी जाएगी.

मालूम हो कि प्रखंड कार्यालय में हो रहे विधवा वृद्धा पेंशन में रिश्वतखोरी की खबर लगातार शुभम संदेश में सबूतों के साथ उजागर कर रहा था. पहली कड़ी में हमने नाम के साथ विधवा वृद्धा पेंशन में लाभुकों की लाचारी दिखाई. दूसरी कड़ी में हमने अंचलाधिकारी के क्लर्क अजय कुमार के द्वारा एक व्यक्ति से पैसे व मोबाइल मांगने की ऑडियो की खबर प्रकाशित की. जिसके बाद अंचलाधिकारी ने कार्रवाई करते हुए क्लर्क अजय कुमार को शो कॉज किया. शो कॉज का जबाब संतोषजनक नहीं पाए जाने तथा रिश्वतखोरी की खबर सही पाने पर क्लर्क के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की गई है.

क्लर्क का घूस में मोबाइल मांगते आडियो वायरल

संवाददाता। कतरास

- सीओ कार्यालय में विधवा व वृद्धा पेंशन के लिए मांगी जा रही दो हजार रुपये की रिश्वत
- घूस नहीं देने पर महीनों लटका दिया जाता है आवेदन, लगाने पड़ते हैं चक्कर पे चक्कर

मेरे पास वायरल आडियो की कोई जानकारी नहीं है, यदि ऐसी बात है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. उसे यहां से हटा दिया जाएगा. -रवि भूषण, बाघमारा अंचलाधिकारी

हमने एसा कभी नहीं कहा है. उस व्यक्ति से मेरा व्यक्तिगत संबंध है, हो सकता है कभी उसने मेरी बात रिकॉर्ड की हो, लेकिन हमने पैसा या मोबाइल फोन नहीं मांगा है. -अजय कुमार, क्लर्क

बाघमारा सीओ कार्यालय के क्लर्क अजय कुमार का आडियो इलाके में वायरल हो रहा है. ऑडियो में इलाके के पूर्व पार्षद विनायक गुप्ता के खास आदमी से रिश्वत में वो मोबाइल मांग रहे हैं. मोबाइल मांगने पर फोन करने वाला किडनी देने की बात कहता है, तो दूसरी तरफ से फिर दो हजार रुपए ही देने की बात कही जाती है.

बताते चलें कि शुभम संदेश ने बाघमारा अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार की पोल खोलने के लिए खबरों चलाई हैं. क्योंकि यहां बिना रिश्वत कोई भी काम नहीं होता. यहां तक कि विधवा और वृद्धा पेंशन जैसी

दर्जन लाभुकों से बातचीत पर रिपोर्ट थी. रविवार को उसी शख्स का ऑडियो वायरल है. जिसमें फोन करने वाला कहता है कि मेरा काम कर दीजिए अजय बाबू, तो वो कहता

फिर दूसरी तरफ से कहा जाता है कि हमको मोबाइल लेना है, 5-6 हजार का मोबाइल दे दीजिए. तब फोन करने वाला कहता है कि मेरे पास दो

शुभम संदेश अखबार में प्रकाशित खबर

- वंचित सभी लाभुकों की पेंशन स्वीकृत की गयी
- रिश्वतखोरों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा

24 घंटे में किया चोरी का खुलासा

जमशेदपुर। बिरसानगर पुलिस ने लाखों की चोरी का 24 घंटे में खुलासा किया है. चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है. इस संबंध में पुलिस ने चोरी के आरोपी नाबालिग को भी पकड़ा है. मामले का खुलासा करते हुए प्रभारी एएसपी सिटी सुमित अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार को जोन नंबर 4 के गौतम राय के घर चोरी हुई. गौतम ने मामले की शिकायत की. शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग को पकड़ा. उसकी निशानदेही पर चोरी किए गहने पास ही झाड़ियों से मिले. बरामद गहनों की कीमत 15 लाख है. उन्होंने बताया कि आरोपी गौतम के घर पर ही काम करता था. घटना के वक्त गौतम किसी पार्टी में गए थे. इसी बीच आरोपी घर पर काम के लिए पहुंचा. मौका पाकर उसने घर से गहनों की चोरी की और उसे झाड़ियों में छुपा दिया था.

समारोह : श्याम किशोर चौबे की पुस्तक 'झारखंड : एक बेचैन राज्य का सुख' का लोकार्पण

'झारखंड के विकास के लिए सबमें बेचैनी होनी चाहिए'

संवाददाता। रांची

झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के विकास के लिए सबमें बेचैनी होनी चाहिए, तभी झारखंड का भविष्य सुनहरा और अच्छा हो पाएगा. वे रविवार को रांची प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित सद्यःप्रकाशित पुस्तक ''''झारखंड : एक बेचैन राज्य का सुख'''' के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे. इस पुस्तक के रचयिता वरिष्ठ पत्रकार श्याम किशोर चौबे हैं. श्री मरांडी ने कहा कि इस पुस्तक में लेखक ने झारखंड के लिए अपनी बेचैनी दर्शायी है. झारखंड अलग होने के बाद राज्य की सत्ता में स्थानीय लोगों की भागीदारी हो रही है यह अच्छी बात है . उन्होंने कहा कि किसी भी देश या राज्य का विकास अचानक नहीं हो जाता है, उसमें समय लगता है. झारखंड अलग राज्य बनने के बाद राज्य का विकास हुआ है. कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है.

लोकार्पण समारोह का उद्घाटन झारखंड के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने किया. इस अवसर पर डॉ. उरांव ने कहा कि इस पुस्तक में लेखक ने राज्य के पिछड़ेपन और विकास के लिए बेचैनी दर्शायी है. यह पुस्तक हमें प्रेरणा देगी. कहा कि झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल के शासनकाल में बेईमानी नहीं थी. आज समय बदल गया है. राज्य में वित्तीय प्रबंधन के अभाव के कारण राज्य का विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है. अभी भी राज्य में 60 प्रतिशत लोग गरीब हैं.

अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार पदमश्री बलबीर दत्त ने कहा झारखंड अलग राज्य बनने के बाद राज्य ने बहुत राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं . झारखंड के विकास के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा तभी या राज विकास की ओर तेजी से अग्रसर होगा . राज्य से आदिवासी और गैर आदिवासी की भावना को दूर कर सब झारखंडी बनकर मेल मिलाप से कार्य करें तो राज्य आगे बढ़ेगा. समारोह का संचालन करते हुए विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने कहा कि लेखक ने पुस्तक में कल्पना को नहीं, बल्कि यथार्थ को समेटा है . पुस्तक के लेखक श्याम किशोर चौबे ने कहा कि झारखंड में शांति के साथ बेचैनी भी है. अलग राज बनने का सुख तो मिला, लेकिन विकास नहीं हो पाने की बेचैनी आज भी है. उन्होंने कहा कि राजनीति में अलग-अलग विचारधारा होना स्वाभाविक है, लेकिन राज्य के विकास लिए सभी लोग अगर एक साथ बेचैन हो तो इसका लाभ राज्य और राज्य की जनता को मिलेगा.

विवाद के बाद यज्ञ मंडप को किया आग के हवाले

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के साकची थाना अंतर्गत स्वर्णरेखा नदी के किनारे आनंदेश्वर धाम में विवाद के बाद रविवार को यज्ञ मंडप को आग के हवाले कर दिया गया. यज्ञ मंडप पुआल का बना होने के कारण पूरे तरह जलकर खाक हो गया. इधर, मामले की सूचना पुलिस को दी गई.

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. आनंदेश्वर धाम में 8 जनवरी से 16 जनवरी तक यज्ञ कराया गया था. इसको लेकर मंदिर के संयोजकों द्वारा चंदा लिया गया था. मनोज कुमार द्वारा चंदा का हिसाब मांगने पर मंदिर कमिटी के लोग शनिवार को मंदिर परिसर में ही भिड़ गए, जिसमें जमकर तलवार बाजी भी हुई थी. इस घटना में पंकज पांडेय, गोलू सिंह और कल्लू सिंह द्वारा तलवारबाजी की गई. इसमें मनोज कुमार घायल हो गया था. घटना के बाद मनोज को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया था. वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया था. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

यज्ञ मंडप जलकर खाक

ब्रीफ खबरें

सिंदरी के कार्यकर्ता होंगे शामिल: मलय

सिंदरी। धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में झामुमो स्थापना दिवस की तैयारी चल रही है. 52 वें स्थापना दिवस समारोह को लेकर रविवार को झामुमो सिंदरी नगर वार्ड नं 53 अध्यक्ष राजकुमार महतो की अध्यक्षता में राजकीयकृत मजदूर उच्च विद्यालय परिसर सिंदरी में बैठक हुई. मुख्य अतिथि झाकोमयू केन्द्रीय सदस्य सह झामुमो तैयारी समिति सिंदरी नगर प्रभारी मलय चंद्र महतो ने कहा कि स्थापना दिवस को ऐतिहासिक मनाने को लेकर चर्चा की गई. सिंदरी नगर से हजारों की संख्या में मोटर साइकिल, चारपहिया वाहन से तीर कमान, गाजा बाजा और जुलूस के साथ गोल्फ ग्राउंड धनबाद पहुंचेंगे.

मुराईडीह से भक्तों का जत्था अयोध्या रवाना

बरोरा। मुराईडीह पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुरेश साव के नेतृव में रविवार को दर्जनों राम भक्तों का जत्था मुराईडीह से रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या रवाना हुआ. सुरेश साव ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से सनातन प्रेमियों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ . जिससे एक-एक हिंदू गौरांवित महसूस कर रहा है.

डीवीसी संयुक्त मोर्चा ने बाइक जुलूस निकाला

मैथन। विभिन्न मांगों को लेकर 29 जनवरी को डीवीसी मुख्यालय कोलकाता में आहूत घेराव व प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए डीवीसी संयुक्त मोर्चा ने रविवार को मैथन में बाइक जुलूस निकाला और जगह-जगह नुक्कड़ सभा की. बाइक जुलूस मैथन चार नंबर ऑटो स्टैंड से शुरू हुआ, जो कालीपहाड़ी मोड़, पोस्ट ऑफिस चौक होते हुए मेनगेट पहुंच कर समाप्त हुआ. इस दौरान कालीपहाड़ी मोड़, पोस्ट ऑफिस चौक एवं मेनगेट में नुक्कड़ सभा कर संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने लोगों से भारी संख्या में कोलकाता चलने की अपील की.

4 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम हेमंत धनबाद में साथ होंगे

भाजपा और झामुमो के बीच हो रही शक्ति प्रदर्शन की तैयारी

संवाददाता। धनबाद

चार फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का धनबाद में कार्यक्रम संभावित है. ऐसे में भाजपा एवं झामुमो दोनों पार्टियों के नेताओं का शक्ति प्रदर्शन होने की संभावना प्रबल है. इसी वर्ष लोकसभा के बाद झारखंड में विधानसभा चुनाव भी होने वाली है. आने वाले कुछ ही दिनों बाद लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अधिसूचना जारी कर दी जाएगी. अचार संहिता लगने से पहले प्रधानमंत्री का यह आखरी कार्यक्रम होने जा रहा है. ऐसे में भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने की मंशा रखने वाले नेताओं का शक्ति प्रदर्शन संभावित है.

फाइल फोटो

होर्डिंग से पट जाएगा शहर

चार फरवरी को पीएम एवं सीएम के संभावित कार्यक्रम को लेकर इस बार भाजपा एवं झामुमो नेताओं का शक्ति प्रदर्शन जिले में जगह- जगह होर्डिंग लगाने में भी दिखेगा. अपने -अपने नेताओं के मार्ग एवं कार्यक्रम स्थल के आ पास के अलावा पूरे जिले में होर्डिंग बैनर लगाने में आपाधापी दिखेगी. शहर के चौक-चौराहे से लेकर सड़क तक भाजपा व झामुमो नेताओं के होर्डिंग- बैनर लगने से चुनावी माहौल और गरमा जाएगा.

आखिरी स्थापना दिवस

झामुमो का स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस चुनावी वर्ष में भी होने वाली है. विधानसभा चुनाव से पहले यह आखिरी स्थापना दिवस मनाया जाएगा. अगले स्थापना दिवस से पहले विधानसभा चुनाव पूर्ण हो जाएगा. वैसे झामुमो नेता जो विधानसभा चुनाव में झामुमो के टिकट पर अपनी जोर अजमाइश करना चाहते हैं, सभी अपना शक्ति प्रदर्शन करेंगे. धनबाद में झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में जिले के अलावा अन्य सटे जिलों के नेता और कार्यकर्ताओं का भी जुटान होता है. धनबाद, झरिया, सिंदरी, बाघमारा, निरसा एवं टुंडी के झामुमो नेता उक्त कार्यक्रम में अपना पूरा ताकत झोंकने का प्रयास करने वाले हैं. जिले के छह विधानसभा क्षेत्र के लालायित उम्मीदवारों द्वारा सैकडों की संख्या में भीड़ जुटाने का प्रयास किया जाएगा.

सुरेंद्र की शहादत हक- अधिकार के लिए हुई थी : बबलू महतो

संवाददाता। सिंदरी

खास बातें

- चासनाला कांड्रा में लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाया था
- कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

कांड्रा महाशक्ति मैदान में सुरेन्द्र महतो का शहादत दिवस विशाल संकल्प दिवस के रुप में रविवार को मनाया गया. सभा को संबोधित करते हुए मासस युवा नेता बबलू महतो ने कहा कि सुरेंद्र महतो की शहादत किसी लोभ लालसा या स्वार्थ के लिए नहीं हुई थी. उनकी शहादत हक और अधिकार की लड़ाई के लिए हुई थी. उनकी शहादत से ही चासनाला कांड्रा में हक अधिकार की लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाया था. लोगों को मुआवजा और नौकरी भी मिली. आज इस क्षेत्र की परिस्थिति वैसे ही बदल गई है और फिर से सेल कंपनी औने पौने दाम पर लालच से भ्रम पैदा कर ग्रामीणों को अधिकार से वंचित करना चाह रही है. उन्होंने उत्तेजना भरे स्वर में कहा कि किसी भी हालत में यह होने नहीं दिया जाएगा. संकल्प सभा में मासस सांसद प्रत्याशी जगदीश रवानी, केंद्रीय सचिव बबलू महतो, धनबाद जिला सचिव दिलीप महतो, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विक्की पंडित, परसबनीय पंचायत मुखिया राजा राम रजक, सरपंच प्रतिनिधि मंगल महतो, सिंदरी सचिव राजीव मुखर्जी, सिंदरी युवा मोर्चा जगतु महतो, विरेंची महतो, अमर महतो, हेमराज महतो, सुसील दुबे, दसरथ ठाकुर, हरथन गोराईं, दिलीप विश्वकर्मा, जागतु महतो, अनिल सिंह मौजूद दिखे.

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा न्याय यात्रा है, भारी भीड़ उमड़ेगी : जलेश्वर महतो

संवाददाता। बाघमारा

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा एक न्याय यात्रा है. उक्त बातें कांग्रेस के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जलेश्वर महतो ने डुमरा गेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि इस न्याय यात्रा में भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ेगी. उन्होंने कहा कि इस मौके पर बाघमारा की धरती पर पार्टी के युवा नेता राहुल गांधी का आगमन हो रहा है. जहां से वे धनबाद की ओर

बाघमारा में होगा भव्य स्वागत

प्रस्थान करेंगे. उन्होंने कहा कि यह बाघमारा के लिए काफी गौरव की बात है.
उन्होंने कहा कि यह न्याय यात्रा बेरोजगार युवाओं, किसानों, महिलाओं के न्याय के सवाल पर उन्हें एक नई राह, एक नई दिशा देने का काम करेगी. उन्होंने कहा कि उपेक्षित, शोषित लोगों को न्याय दिलाने तक परिवर्तन की यह यात्रा जारी रहेगी. उन्होंने कहा कि देश के मजदूरों को उनका हक व अधिकार दिलाने का कार्य कांग्रेस की वरीय नेत्री इंदिरा गांधी ने किया. श्री महतो ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण देश पूंजीपतियों के हाथों में चली गयी है. देश के युवा रोजगार को लेकर भटक रहे हैं.

प्रेस क्लब मीडिया कप टूर्नामेंट 30 जनवरी से

धनबाद। धनबाद प्रेस क्लब के तत्वाधान में हर वर्ष आयोजित होने वाले मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट इस बार 30 जनवरी से शुरू होगा. टूर्नामेंट में शामिल सभी टीमों की जर्सी रविवार को रेलवे स्टेडियम में लाँच की गई. इस दौरान सभी आठ टीमों के फ्रेंचाइजी और धनबाद प्रेस क्लब के पदाधिकारी मौजूद थे. इस बार टूर्नामेंट में 99 ग्रुप ऑफ कंपनी,आरआर डायनामाइट,नालंदा बिल्डर, किंग रिसोर्ट,किंग वारियर, डी 3, जीसीएमडी, ग्रो मोर की टीमें शामिल है. इस टूर्नामेंट में प्रेस क्लब धनबाद के सदस्य ही खेलेंगे.

कतरास में गाजे-बाजे के साथ निकली श्री राणी सती दादी की निशान यात्रा

संवाददाता। कतरास

मारवाड़ी समाज के तत्वावधान में राणी सती दादी जी की भव्य निशान यात्रा पश्चिम बंगाल कोलकाता से चलकर रविवार को कतरास नदी किनारे सूर्य मंदिर पहुंची. यात्रा राणी सती दादी मंदिर झुंझुन राजस्थान तक जाएगी.नदी किनारे सूर्य मंदिर से मारवाड़ी समाज द्वारा भव्य शोभा यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गयी जो शहर के प्रमुख मार्गों का परिभ्रमण करते हुए कतरास राणी

सती दादी मंदिर पहुंची,जहां मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने महाआरती कर राणी सती दादी की पूजा- अर्चना की. शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया. सूर्य मंदिर कमेटी व खेतान टावर के मालिक श्रवण खेतान एवं धर्मपत्नी मीणा खेतान ने यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया.शोभायात्रा में डॉ बीएन चौधरी, अधिवक्ता डीएन चौधरी, संतोष जलान, राजकुमार मधु,राजू शर्मा, रास बिहारी शर्मा,रेखा राजगढ़िया, मनीषा अग्रवाल, अनिता केडिया, लक्ष्मी अग्रवाल, रेखा अग्रवाल,धनश्याम झा, उदय वर्मा कमलेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, विशाल खेतान आदि शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

तीन अलग स्थानों में हुई सड़क दुर्घटना

साहिबगंज। बरहेट थाना क्षेत्र में रविवार को तीन अलग घटनाएं हुई हैं. पहली घटना रक्सी मोड के पास बाइक व टोटो में सीधी टक्कर हुई, जिसमें लवरी गांव निवासी प्रफुल्ल मंडल व पिता विनय मंडल दोनों बुरी तरह से घायल हो गए. वहीं दूसरी ओर बरहेट बरहरवा मुख्य मार्ग इमली गाछ के पास बरहेट निवासी दीपक पांडे बाइक से दुर्घटनाग्रस्त हो गए और सिर में चोट लगी. तीसरी घटना बरहेट कीताझर पावर ग्रिड में कार्यरत पतना निवासी मिस्त्री को लोहा उठाने के क्रम में हाथ में बुरी तरह से चोट लगी. सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में भर्ती किया गया है.

पाकुड़ से गुजरेगी भारत जोड़ो न्याय यात्रा

पाकुड़। राहुल गांधी की यात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है. कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी पाकुड़ जिले के सदर प्रखंड स्थित नसीपुर गांव में जनसभा को संबोधित भी करेंगे. बता दें कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के राज ग्राम के रास्ते झारखंड में करेंगे प्रवेश जिसकी पुष्टि कांग्रेस विधायक दल के नेता शह मंत्री आलमगीर आलम ने की. आलम ने कहा कि पाकुड़ में राहुल गांधी की यह पहली न्याय यात्रा होगी.

दूसरे दिन बियाडा की सड़क पर निकला जुलूस

बोकारो। झारखंडी मानुष बेरोजगार मोर्चा का बियाडा की सड़क पर चल रहा प्रदर्शन के दूसरे दिन मोर्चा अध्यक्ष परमेश्वर सिंह की अध्यक्षता में सड़क पर जुलूस निकाला गया. जुलूस में शामिल महिलाओं व पुरुषों ने बियाडा के कल-कारखानों के प्रदूषण, न्यूनतम मजदूरी, स्थानीय को 75% नियोजन, आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआर फंड से विकास सहित विभिन्न मांगों की तख्तियां लेकर जुलूस की शक्ल में प्रदर्शन किया. नारेबाजी की. मोर्चा संस्थापक गणेश ठाकुर ने कहा कि जब तक हमारी मांगों पूरी नहीं हो जाती तब तक आंदोलन जारी रहेगा.

ठेकाकर्मियों ने महामंत्री का जताया आभार

बोकारो। जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 में धमन भट्टी में काम कर रहे सैकड़ों ठेकाकर्मियों ने वर्षों से ठेकेदारों द्वारा हो रहे आर्थिक शोषण से मुक्त करवाने के लिए रविवार को यूनियन कार्यालय में आकर महामंत्री बीके चौधरी को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया, साथ ही ठेकाकर्मियों से आह्वान करते हुए कहा कि बोकारो स्टील प्लांट में एकमात्र जय झारखंड मजदूर समाज यूनियन है, जो दबे कुचले और शोषित को न्याय दिलवाने का काम करता है.

ढाई करोड़ की लागत से खांजो नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण का होगा कार्य

विधायक ने 4.5 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास

संवाददाता। बोकारो

गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने रविवार को कसमार प्रखंड के कई गांवों में साढ़े चार करोड़ की लागत से बनने वाली छह विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया. इस दौरान गोमिया विधायक डॉ लंबोदर एवं जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज ने मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना मद से बेंदोंटांड़ एवं पूरबटांड़ के बीच ढाई करोड़ रुपये की लागत से खांजो नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास, डीएमएफटी योजना अंतर्गत दांतू पंचायत के ग्राम हंसलता आरईओ रोड से नव प्रावि पूरबटांड़ तक पीसीसी पथ का शिलान्यास, पीएम एबीएच आईएम योजना अंतर्गत कसमार प्रखंड के चंडीपुर में उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य का शिलान्यास, डीएमएफटी योजना अन्तर्गत दांतू पंचायत के ग्राम हंसलता बागविंधुआ बजरंगबली मंदिर से साधु सिंह के घर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास, जिला परिषद द्वारा अनुशंसित मधुकरपुर पंचायत के चंडीपुर में सिंचाई हेतु सोलर युक्त डीप बोरिंग कार्य का शिलान्यास एवं विधायक मद से ग्राम पंचायत दांतू के कुम्हार टोला काली मंदिर के निकट शेड निर्माण का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया.

इस अवसर पर विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि पूरे गोमिया विधानसभा क्षेत्र में सभी गांव या टोला में पथ निर्माण, पुल पुलिया निर्माण से लेकर कई तरह के विकास कार्य का शिलान्यास किया जा रहा है. कसमार के जिप सदस्य अमरदीप महाराज ने कहा कि क्षेत्र के विकास में ग्रामीणों को अपेक्षित सहयोग करने की जरूरत है. मौके पर अमरदीप महाराज, चन्द्रशेखर नायक, नागेन्द्र नायक, संजू कुमारी, राजेन्द्र महतो, इन्द्रजीत पाण्डेय, गोपाल महतो इन्द्र नाथ महतो, सूरज, जमील अख्तर, ईश्वर रजक, दिनेश आदि उपस्थित थे.

सांसद व विधायक ने किया पांच सड़कों का शिलान्यास

पाकुड़। राजमहल लोकसभा सांसद विजय हांसदा व महेशपुर विधानसभा विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने रविवार को पांच सड़कों का शिलान्यास नारियल फोड़कर व फीता काटकर किया. मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़करण योजना अंतर्गत गायबाथन पंचायत के ग्राम गोविंदपुर से नारगिटोला तक विशेष मरम्मत कार्य निर्माण सड़क की लम्बाई 12 .40 किलोमीटर है,जिसका प्रक्कलित राशि 510 .357 लाख है. वहीं बारमासिया से बाथनडांगा तक सड़क का विशेष मरम्मत कार्य इस सड़क की लम्बाई 3 .20 किलोमीटर है, जिसकी प्रक्कलित राशि 210 .672 लाख है. तेलियापोखर पंचायत के नन्दनपाडा से बलियापतरा तक विशेष मरम्मति कार्य, सड़क की लंबाई 2 .90 किलोमीटर है. इस सड़क की प्रक्कलित राशि 87 .349 लाख है. इसके बाद धोबोरना से निरबांध तक विशेष मरम्मत कार्य इस सड़क की लंबाई 3 .10 सड़क की प्राक्कलित राशि 139 .663 लाख है, जिसके बाद बलियाडांगा से बरहाबाद तक विशेष मरम्मत कार्य इस पथ की लम्बाई 3 .85 किलोमीटर है, जिसका प्रक्कलित राशि 142 .207 लाख है. पांचों सड़कों की विशेष मरम्मत कार्य कुल 10 करोड़ 90 लाख 24 हजार 800 रुपये की लागत से किया जाएगा. सांसद व विधायक ने इन सभी पांच सड़कों का शिलान्यास संयुक्त रूप फीता काट व नारियल फोड़कर किया.संवेदक नीरज कुमार अग्रवाल द्वारा पांचों सड़कों का काम किया जाना है.

बीजेपी के वरिष्ठ नेता डॉक्टर प्रह्लाद वर्णवाल ने किया उद्घाटन, कहा-

कार्यालय से लोगों को सुविधा मिले

संवाददाता। बेरमो

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉक्टर प्रहलाद वर्णवाल ने रविवार को बेरमो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत फुसरो नगर परिषद के पुराना सुभाष नगर स्थित भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सुभाषनगर में कार्यालय की सुविधा नहीं रहने के कारण लोगों को परेशानी होती थी. लोगों की परेशानी को देखते हुए भाजपा के युवा एवं कर्मठ नेता प्रकाश कुमार सिंह के द्वारा कार्यालय की सुविधा बहाल की गई है. सुभाषनगर से बेरमो में बदलाव की बिगुल शुरू हो गई है. भाजपा के वरिष्ठ नेता मधुसूदन प्रसाद सिंह ने कहा कि कार्यालय मंदिर का स्वरूप होता है. यहां संस्कार मिलता है और कार्यकर्ता को देश और पार्टी के प्रति काम करने की प्रेरणा मिलती है. भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह ने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी परिवारों की पार्टी बन गईं है.

भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने वंशवाद को चैलेंज करके रिपोर्ट कार्ड की राजनीति को खड़ा किया और जनता के लिए काम करने के लिए जुटे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 109 वें संस्करण देखा सुना गया. कार्यक्रम को श्रमिक नेता देवता नंद दुबे, कृष्ण कुमार, नवीन पांडेय, गुरुवारी देवी, गीता चौधरी, अनिल गुप्ता, अंजनी सिंह आदि ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन चंदन राम ने किया.

महिला मोर्चा की नेता विधायक से मिले

बेरमो। गोमिया विधायक डा लंबोदर महतो से रविवार को गोमिया स्थित आवास पर गोमिया प्रखंड आजसू पार्टी महिला मोर्चा के नव मनोनीत अध्यक्ष मालती देवी (पूर्व पंसस) के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ता मिले. इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष मालती देवी ने कहा कि आजसू पार्टी एवं विधायक ने मुझ पर एवं अन्य महिला कार्यकर्ताओं पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे. कहा कि प्रखंड कमेटी में पूनम देवी (पूर्व मुखिया) को सचिव, विमला देवी (जिप सदस्य), बसंती देवी एवं चंपा देवी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है और प्रखंड कमिटी का जल्द विस्तार कर पार्टी की नीतियों व सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा.

नरेंद्र मोदी के धनबाद दौरे की सफलता को लेकर हुआ मंथन

संवाददाता। गिरिडीह

पीएम नरेंद्र मोदी के धनबाद दौरे की सफलता को लेकर जिले के गांडेय,बेंगाबाद और गावां प्रखंड में रविवार को बीजेपी कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई. बेंगाबाद के छोटकी खरगडीहा में मंडल अध्यक्ष मितनारायण वर्मा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई . इस दौरान पीएम मोदी के धनबाद कार्यक्रम पर विस्तृत से चर्चा की गई. मौके पर महेंद्र कर्मा, अर्जुन वर्मा, अजय राणा,बुधन साव,कामदेव पांडेय, गोपाल सिंह मौजूद थे . इसी प्रकार गावां प्रखंड के दोनों मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक में आगामी चार फरवरी को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के धनबाद जाने का निर्णय लिया गया . बैठक में तीस जनवरी तक धनबाद जाने वाले कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करने का निर्णय लिया गया. वहीं गांडेय में मंडल अध्यक्ष प्रकाश यादव की अध्यक्षता में बीजेपी कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई. मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक ने कहा कि आगामी चार फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के लिए धनबाद आ रहे हैं. पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में गांडेय प्रखंड के 12 शक्ति केंद्रों के करीब 3500 कार्यकर्ता धनबाद जायेंगे. बैठक में अरुण हाजरा, रघुनाथ यादव, राजकुमार पाठक, दिनेश राय, रंजीत स्वर्णकार सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे .

आरसीएमयू के क्षेत्रीय कार्यालय में अभिनंदन समारोह आयोजित

संवाददाता। कथारा

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय कार्यालय में बैठक अभिनंदन समारोह आयोजित की गई. बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन कथारा वाशरी के शाखा अध्यक्ष मोहम्मद कयूम और संगठन के सदस्य प्रदीप सिंह के सीसीएल से अवकाश प्राप्त होने पर संगठन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर शॉल ओढ़ कर और पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया गया. वहीं दूसरे संगठन छोड़कर राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन पर आस्था व्यक्त करते हुए यूनियन में शामिल हुए सदस्य सुरेश ठाकुर का माला पहनकर स्वागत किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय कुमार सिंह ने की और संचालन दयाल यादव ने किया. क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने कहा कि पूरे क्षेत्र में निरंतर मजदूरों का विश्वास संगठन के प्रति बढ़ता जा रहा है. मजदूरों के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए संगठन हमेशा तत्परता के साथ खड़ा है.

इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष धनेश्वर यादव, चंद्रशेखर प्रसाद, कलीम अंसारी, महम्मूद अंसारी, प्रमोद यादव, पिंटू राय, मोहम्मद याकूब, जयदेव यादव, उदय नाग, संतोष सिन्हा, संतोष रामगोड, महिला नेत्री आशा देवी, सनयोति देवी, सुनीता देवी सहित अन्य शामिल थे.

रेलवे कर्मचारी संघ का हुआ मिलन समारोह

बोकारो। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ का वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन बोकारो के गरगा डैम में रविवार को हुआ. मिलन समारोह में बोकारो समेत अन्य जिलों के पदाधिकारी शामिल हुए. मिलन समारोह को संबोधित करते हुए रेलवे स्टेशन मैनेजर एके हलधर ने कहा कि समुदाय के बुद्धिजीवियों ने समाज को आगे बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता है. मौके पर अभिषेक, आरसी पातर, मंजीत, असित, भोला, एसके मल्लिक, ललन, दुर्गा आदि शामिल थे.

केंद्र का एजेंट बन गयी है ईडी : हीरालाल मांझी

संवाददाता। जरीडीह (बोकारो)

झामुमो बेरमो विधानसभा स्तरीय बैठक रविवार को प्रजापति धर्मशाला जैनामोड़ में आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी एवं संचालन जिला कोषाध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य अशोक मुर्मू ने किया. बैठक में मुख्य रूप से इडी के द्वारा गैर भाजपा शासित राज्यों में एक एजेंट की तरह कार्य करने के विरोध में आगामी 31 जनवरी को झारखंड राज भवन में धरना प्रदर्शन, आगामी 4 फरवरी को झामुमो स्थापना दिवस की तैयारी पर विचार विमर्श व 11 फरवरी को बाबा तिलका मांझी जयंती पर विचार विमर्श किया गया. बैठक को संबोधित करते झामुमो जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा गैर भाजपा शासित राज्यों में ईडी एक एजेंट की तरह कार्य कर राज्य को अस्थिर कर रही है. इसके विरोध में आगामी 31 जनवरी को राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन कर विरोध दर्ज किया जाएगा. प्रखंड अध्यक्ष पंकज मरांडी ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा झारखंड राज्य को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका हम सभी विरोध करते हैं. मौके पर जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष पंकज मरांडी, सोनू सोरेन, अजय किस्कू, आजाद अंसारी, अंबिका देवी, पूर्व प्रमुरव बाबुचंद सोरेन,मदन महतो, रंजीत महतो, अतूल रजवार, रामा मांझी, बनवीर मिश्रा, सोमर मुंडा, संतोष महतो, जयंत प्रकाश, विक्की आनंद महतो सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे.

नीतीश कुमार का पालाबदल

नीतीश कुमार ने एक बार फिर पलटी मार ली है. दरअसल भारत की राजनीति में पालाबदल का यह अनोखा कीर्तिमान है, जिसे नीतीश कुमार ने अंजाम दिया है. राजनीति देश की दिशा और दशा का निर्धारण करती है. राजनेता एक आदर्श की तरह अपने समर्थकों को प्रभावित करते हैं. इतिहास इस बात की गवाही देता है कि अनेक राजनेताओं ने दुनिया में आदर्श, त्याग और विचार के लिए जान की कुर्बानी तक दे कर उदाहरण प्रस्तुत किया है. नीतीश कुमार सत्ता में बने रहेंगे, लेकिन क्या इससे राजनीतिक मर्यादा को भी मान-सम्मान मिलेगा? कब किसको उलट दें, कहना कठिन है. देश में यह एक ऐसा उदाहरण है, जिसके बारे में आमलोग अच्छी राय नहीं रखते और इसके साथ ही विचारधारा की राजनीति करने वालों पर भी संदेह पैदा होने लगता है. पलटी केवल नीतीश ने ही नहीं, बल्कि भाजपा ने भी मारी है. भाजपा के बंद दरवाजे जिस तरह खुले हैं, उससे भी यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा के लिए भी विचार और आदर्श बेमानी साबित हो गए हैं. यह बदली हुई भाजपा केवल सत्ता के सरोकार को ही समझती है, उसके लिए भी आदर्श के मायने पहले जैसे नहीं बचे हैं. सवाल तो यह भी है कि आखिर नीतीश कुमार ने पलटी क्यों मारी. उन्होंने इस्तीफा देने के बाद मीडिया से कुछ कहा, उसमें ऐसा क्या है जिसके लिए एक नेता अपने पुराने कहे को पूरी तरह पलट दे. मिट्टी में मिल जाने की बात हो या मर जाने की बात नीतीश की किस बात पर भरोसा किया जाए. इंडिया गठबंधन के नेताओं के एक बडे हिस्से को पहले से ही नीतीश कुमार के एक जगह टिके रहने का भरोसा नहीं था. हालांकि इंडिया गठबंधन की नींव डालने में वे अग्रणी थे. बावजूद विपक्ष के नेताओं ने उन पर ज्यादा भरोसा नहीं किया. ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने उनके संयोजक बनने का विरोध किया था और कांग्रेस भी इन्हें संशय से ही देखती थी. इस धारणा को नीतीश कुमार ने ही पुष्ट कर दिया. नीतीश कुमार तेजस्वी यादव के साथ मिल कर जिस तरह सामाजिक न्याय का परचम बुलंद कर रहे थे, अब उसका क्या होगा. भाजपा पिछडों-दलितों को वोट के लिए साधना भी चाहती है और सत्ता में भागीदारी भी देती है, लेकिन सामाजिक न्याय की अवधारणा जिस वैचारिक भूमि का निर्माण करता है, उससे भाजपा का रिश्ता नहीं के बराबर है. नीतीश कुमार ने यह भी साबित कर दिया कि सियासत में विचारों से ज्यादा महत्व तात्कालिक फायदे की राजनीति है. भाजपा ने भी पलटी खायी है, लेकिन 2024 के लिए उसने बिहार में जीत का एक ठोस आधार बनाने की पहल भी कर ली है. देखना होगा कि क्या हर पलटी के साथ जिस तरह मतदाताओं ने नीतीश का साथ नहीं छोड़ा, क्या इस बार भी ऐसा होगा या उसमें कोई बदलाव भी दिखेगा. महागठबंधन के शेष बचे चेलों के पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है, लेकिन पाने के लिए 2024 में बहुत कुछ है. तेजस्वी ने इस बार जिस संयम और धैर्य का परिचय दिया है, उससे उनकी साख और कद दोनों ही बढा है.

> इंडिया गठबंधन के नेताओं के एक बडे हिस्से को पहले से ही नीतीश कुमार के एक जगह टिके रहने का भरोसा नहीं था. हालांकि इंडिया गठबंधन की नींव डालने में वे अग्रणी थे. बावजूद विपक्ष के नेताओं ने उन पर ज्यादा भरोसा नहीं किया.

सुभाषित

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ।।

विद्या हमें विनम्रता प्रदान करती है, विनम्रता से योग्यता आती है व योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है और इस धन से हम धर्म के कार्य करते है और सुखी रहते हैं. सफल और सुखी जीवन के लिए विद्या का होना अत्यावश्यक है. इसलिए विद्या प्राप्त करने का प्रयत्न निरंतर करना चाहिए.

कांग्रेस को ले घटक दलों में भरोसे की कमी

लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन एक रह पाएगा, इसमें संदेह बढ़ता जा रहा है. गठबंधन के सभी दल जिस तरह का रुख अख्तियार कर रहे हैं, उससे लगता है कि इनमें भाजपानीत केंद्र सरकार को हटाने से ज्यादा अपनी साख बनाए रखने पर ज्यादा केंद्रित है. वहीं, कांग्रेस में जारी पलायन और उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं को लेकर 'इंडिया'घटक दलों में असमंजस से भी ज्यादा संदेह, सबसे बड़े चुनावी रण में विपक्ष की संभावनाओं के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दूसरी यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर असम पार कर चुकी है. अब बंगाल के बाद बिहार से राहुल गांधी हिंदी हार्टलैंड में प्रवेश कर जाएंगे. लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रही यह यात्रा 67 दिन में 6713 किलोमीटर लंबा सफर तय करने के लिए देश के 15 राज्यों के 110 जिलों और 100 लोकसभा क्षेत्रों से गुजर रही है. यह राहुल गांधी की दूसरी यात्रा है. इससे पहले उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जो 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हो कर 30 जनवरी, 2023 को कश्मीर में समाप्त हुई. 136 दिन की उस यात्रा में 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के 75 जिलों और 76 लोकसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए चार हजार किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय किया गया था. कांग्रेस ने उसे अराजनीतिक यात्रा बताया था, लेकिन अब बाकायदा कांग्रेस के घोषित कार्यक्रम के तौर पर राहुल द्वारा की जा रही इस यात्रा के नाम में भी भारत जोड़ो शब्द उस पुरानी यात्रा की याद दिलाने के लिए ही जोड़ा गया है. पहली यात्रा पदयात्रा ही थी, जबकि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में हर दिन आठ से दस किलोमीटर पैदल चल कर शेष सफर विशेष वाहनों से तय किया जा रहा है. जाहिर है, दोनों ही यात्राओं का लक्ष्य कांग्रेस का बेहतर राजनीतिक भविष्य बनाना है. भारत जोड़ो न्याय यात्रा को 10 साल के अन्याय का जवाब बता कर कांग्रेस ने उसका राजनीतिक एजेंडा स्पष्ट भी कर दिया है. यह बात दूसरी है कि राहुल की दोनों ही यात्राओं की शुरुआत से पहले पार्टी को बड़े आंतरिक झटके भी झेलने पड़े.

पहली यात्रा से पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद पार्टी को अलविदा कह गए थे, जिनके गृह राज्य कश्मीर में यात्रा का समापन होना था. वहीं इस यात्रा से पहले युवा नेता मिलिंद देवड़ा कांग्रेस छोड़ गए, जिनके गृह क्षेत्र मुंबई में यात्रा का समापन होना है. राहुल की इस नई यात्रा का चुनावी आकलन तो लोकसभा चुनाव के बाद ही हो पाएगा, लेकिन एक नजरिए से देखें तो पहली यात्रा का परिणाम मिला-जुला रहा था. कर्नाटक और तेलंगाना विधानसभा चुनावों में कांग्रेस जीत गई, तो राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उसे करारी हार झेलनी पड़ी. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने राहुल गांधी की दूसरी यात्रा को भी 'चुनावी' के बजाय 'वैचारिक' करार दिया है, पर माना है कि यह एक 'राजनीतिक' यात्रा है, जिसमें हम जनता के बीच जाकर बताएंगे कि कांग्रेस के मन में क्या है. जाहिर है, कांग्रेस को विश्वास है कि यह यात्रा परिवर्तनकारी साबित होगी. राहुल गांधी की इन दो यात्राओं के बीच एक बड़ी घटना यह हुई है कि दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दल मिल कर 'इंडिया' नाम से नया गठबंधन बना चुके हैं, लेकिन नई यात्रा में उन्हें भागीदार नहीं बनाया गया है. मित्र दलों के नेताओं को बीच-बीच में, उनके प्रभाव क्षेत्र में, यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा. लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राहुल की इस यात्रा के समय और फिर इसे सिर्फ कांग्रेस का राजनीतिक कार्यक्रम बनाने को ले कर 'इंडिया' के घटक दल असमंजस में हैं, पर कांग्रेस को विश्वास है कि उसे मित्र दलों का साथ मिलेगा और जनता का भी. राहुल की यात्रा सबसे ज्यादा 11 दिन उत्तर प्रदेश में रहेगी, जहां से लोकसभा के 80 सदस्य चुने जाते हैं, लेकिन वहां सोनिया गांधी कांग्रेस की इकलौती सांसद हैं. सपा वहां सबसे बड़ा विपक्षी दल है. विधायक संख्या की दृष्टि से तो रालोद भी कांग्रेस से बड़ा है. यात्रा में सहयोग और भागीदारी के लिए सपा-रालोद अपने कार्यकर्ताओं, खासकर समर्थकों को कैसे समझाएंगे, यह देखना होगा. बिहार में भी कांग्रेस विपक्ष में ही तीसरे नंबर की पार्टी है. पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस की जमीनी हालत किसी से छिपी नहीं है. फिर ममता बनर्जी को विश्वास में लिए बिना वहां तृणमूल का साथ कैसे मिल पाएगा?

'इंडिया' के घटक दलों की एक बड़ी चिंता कांग्रेस की क्षमताओं को लेकर भी है. वह चिंता यह कि यात्रा की सफलता के लिए स्वाभाविक ही दिन-रात एक कर देने वाली कांग्रेस के पास इतनी संगठनात्मक क्षमता है भी या नहीं कि वह लोकसभा चुनाव के लिए समानांतर तैयारी कर सके. यह सवाल इसलिए भी, क्योंकि यात्रा 20 मार्च को समाप्त होगी, जबकि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा उससे पहले ही हो जाने की संभावना है. अगले लोकसभा चुनाव से बमुश्किल तीन महीने पहले कांग्रेस में जारी पलायन और उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं को लेकर 'इंडिया' घटक दलों में असमंजस से भी ज्यादा संदेह, संभवतः सबसे बड़े चुनावी रण में विपक्ष की संभावनाओं के लिए शुभ संकेत नहीं है. पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने पर कहा गया था कि 'इंडिया' में सीटों का बंटवारा 31 दिसंबर तक निपटा लिया जाएगा, पर अब वह तारीख बढा.कर 31 जनवरी कर दी गयी है. संयोजक का मुद्दा न सिर्फ टल गया है, बल्कि चर्चाएं सवालों और संदेहों को भी हवा दे रही हैं. ये तमाम परिस्थितियां कांग्रेस समेत पूरे 'इंडिया' गठबंधन के लिए चिंताजनक ही हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

परोपकार

एक बार एक लड़का अपने स्कूल फीस के बंदोवस्त के लिए घरों के द्वार द्वार जाकर कुछ सामान बेचा करता था. एक दिन उसका कोई सामान नहीं बिका और उसे बड़े जोर से भूख भी लग रही थी. उसने तय किया कि अब वह जिस भी दरवाजे पर जायेगा, उससे खाना मांग लेगा. पहला दरवाजा खटखटाते ही एक लड़की ने दरवाजा खोला, जिसे देखकर वह घबरा गया और बजाय खाना मांगने के, उसने पानी का एक गिलास मांगा. लड़की ने भांप लिया था कि वह क्षुधा संतप्त है, वह एक बड़ा गिलास दूध का ले आई. लड़के ने धीरे-धीरे दूध पी लिया. लड़के ने पूछा, 'कितने पैसे दूं?' 'पैसे किस बात के?'-लड़की ने प्रतिप्रश्न करते कहा, 'मां ने मुझे सिखाया है कि जब भी किसी पर उपकार करो तो उसके पैसे नहीं लेने चाहिए.' 'तो फिर मैं आपको दिल से धन्यवाद देता हूं.' जैसे ही उस लड़के ने वह घर छोड़ा, उसे न केवल शारीरिक तौर पर शक्ति मिल चुकी थी , बल्कि उसका ईश्वर और मनुष्य पर भरोसा और भी बढ़ गया था. वर्षों बाद वह लड़की गंभीर रूप से बीमार पड़ गयी. लोकल डॉक्टर ने उसे शहर के बड़े अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया. विशेषज्ञ डॉक्टर होवार्ड केल्ली को मरीज देखने के लिए बुलाया गया. जैसे ही उसने लड़की के कस्बे का नाम सुना, उसकी आंखों में चमक आ गयी. वह एकदम सीट से उठा और उस लड़की के कमरे में गया. उसने उस लड़की को देखा, एकदम पहचान लिया और तय कर लिया कि वह उसकी जान बचाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा देगा. उसकी मेहनत और लगन रंग लायी और उस लड़की कि जान बच गयी. डॉक्टर ने अस्पताल के ऑफिस में जा कर उस लड़की के इलाज का बिल लिया और उस बिल के कोने में एक नोट लिखा और उसे उस लड़की के पास भिजवा दिया. लड़की बिल का लिफाफा देखकर परेशान हो उठी उसे मालूम था कि वह बीमारी से तो वह उभर गयी है, किन्तु बिल की भारी राशि उसकी जान ही ले लेगी. फिर भी उसने हिम्मत बटोर कर बिल देखा, उसकी नज़र बिल के कोने में हस्तलिखित टिप्पणी पर गयी. वहां लिखा था, 'एक गिलास भर दूध द्वारा इस बिल का भुगतान किया जा चुका है.' नीचे उस डॉक्टर, होवार्ड केल्ली के हस्ताक्षर थे. आश्चर्य मिश्रित प्रसन्नता के मारे उस लड़की की आंखों से आंसू टपक पड़े. उसने ऊपर की ओर दोनों हाथ उठा कर कहा, ' हे भगवान..! आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!!' हमारे दिल की अनुकम्पा, करुणा और वात्सल्य भी एक नेटवर्क की तरह समाज में प्रसारित होता है. 'परोपकार किसी न किसी स्वरूप में आप तक अवश्य लौटता है.'

किन हालात में पहुंच गया पृथ्वी ग्रह

• देशांतर

गुरवचन जगत

1945 वह साल, जब ब्रिटिश साम्राज्य का सूरज ढलने लगा और अमेरिकी-सोवियत साम्राज्य का उदय हुआ. एक 'फौलादी दीवार' ने यूरोप को दो हिस्सों में बांट डाला, पश्चिमी गठबंधन वाला पश्चिमी यूरोप और सोवियत संघ से जुड़ा पूर्वी यूरोप. साथ ही, दक्षिण अमेरिका मानो संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का पिछला आंगन बन गया तो एशिया का मध्य हिस्सा सोवियत प्रभामंडल तले आ गया. मध्य एशिया और पश्चिम एशिया -अधिकांशतः सल्तनतें- जिन पर अपना प्रभाव बनाने को दोनों साम्राज्य यत्नरत रहे. जहां अमेरिका ने वामपंथ से भिड़ने और हराने का बीड़ा उठाया, वहीं सोवियत संघ ने वामपंथ को फैलाने में ज़ोर लगाया, जिसके परिणाम में बना मशहूर 'शीत युद्ध'. अपने-अपने ध्येयों की पूर्ति के लिए दोनों का टकराव कई राष्ट्रों की धाराओं पर हुआ, लेकिन इन्होंने लड़ाई कभी भी अपने आंगन में नहीं आने दी. अमेरिका ने वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया, क्यूबा और कांगो के अलावा औपनिवेशिक शासकों से मुक्ति पाने में लगे अनेकानेक अफ्रीकी एवं एशियाई देशों में वामपंथियों की पकड़ कमज़ोर करने को अभियान चलाए. लग सकता है विचारधारा की भिन्नता युद्ध का बना-बनाया सांचा है, लेकिन वास्तविक आधार वही है, पुरातन काल से चला आ रहा ताकत और आर्थिक लाभ पाने का लोभ. विश्व व्यवस्था, जो कि साफ तौर पर दो खंडों में बंट चुकी थी, सोवियत साम्राज्य गिरने के बाद टुकड़ों में बिखर गई और उद्भव हुआ एकमात्र महाशक्ति, अमेरिका का.घड़ी को उलटा घुमाते हुए, 20वीं सदी के उत्तरार्ध में लड़े गए दो विश्व युद्धों में ले जाएं तो, प्रथम विश्व युद्ध तब भड़का जब तत्कालीन केंद्रीय ताकतें (जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और ओटोमन साम्राज्य) ने मिलकर, दुनिया के अधिकांश देशों को अपनी बस्ती में तब्दील करने वाले दो बड़े खिलाड़ियों ब्रिटेन और फ्रांस को चुनौती देनी शुरू की. अन्य देशों को अपना उपनिवेश बनाने को दौड़ में देर से शामिल हुए जर्मनी की आकांक्षा अपने लिए बड़ा हिस्सा पाने की थी, यही चाहत इस गठबंधन के अन्य सदस्यों की थी. कहानी वही पुरानी है– मनुष्य प्रजाति लालच और डर से चालित है, अतएव हमारा इतिहास वस्तुतः युद्धों का इतिहास है. युद्ध, जिसका फौरी कारण चाहे धर्म, जाति, विचारधारा, बुरा करने की भावना या पक्षपात बताया जाए, लेकिन सतह के नीचे वही पुरातन खेल है यानी और अधिक संसाधन, भूभाग, व्यापार और ताकत अपने हाथ करना. द्वितीय विश्वयुद्ध लगभग पिछले का विस्तार था, जिसके पीछे त्वरित कारक भले ही जर्मनी का रोष और अपमान बोध बताया जाए, लेकिन यह 'लेबेंसरॉम' अर्थात नाज़ी राष्ट्र के लिए और बड़ा भूभाग पाने की गहरी चाहत थी. इससे पूर्व, 19वीं सदी के उत्तरार्ध में मध्य एवं दक्षिण एशियाई मुल्कों को अपने नियंत्रण में लाने के वास्ते ब्रिटिश और रूसी साम्राज्य के बीच 'बड़ा खेल' नामक मुकाबला चला था. यह इन क्षेत्रों पर प्रभुत्व बनाने की प्रतिद्वंद्विता थी और अपने प्रभाव क्षेत्र में विस्तार के लिए षड्यंत्र और क्षेत्रीय युद्ध रचे गए. इतिहास में और पीछे चलते जाएं तो पाते हैं कि युद्धों, प्रभुत्व बनाने और साजिशों का इतिहास खुद को दोहराए जा रहा है. ताकत के लिए खेल कभी नहीं थमता और लड़ाई के लिए बहाना यदि पहले से न हो तो गढ़ लिया जाता है. बहानों के लबादे में छिपी होती है व्यापार और वाणिज्य पर नियंत्रण की लालसा. आज तक इराक में सामूहिक जनसंहार करने वाले वे हथियार नहीं मिले, जिनको बहाना बनाकर, बमबारी कर उसे पाषाण युग में पहुंचा दिया और उसके प्राकृतिक संसाधनों को लूटा. अफगानिस्तान–साम्राज्यों के इस पुराने कब्रिस्तान ने- इन सबको आते-जाते देखा फिर भी कोई खास फर्क नहीं आया. परमाणु ताकत, कंप्यूटर और आईटी के इस युग में हम तकनीकी रूप से पहले से कहीं अधिक विकसित हैं, एआई और रोबोटिक्स का मिश्रण भी कर डाला है... फिर भी क्या हम उन घुमंतुओं से अलग हैं, जो गुजरे वक्त में कभी इस धरा पर विचरा करते थे? हमारा लालच, क्रोध, नफरत या दर्प आज भी उतना ही हावी है जितना कि मंगोलों के झुंड वाले समय में, जितना सिकंदर या रोमन साम्राज्य के वक्त... हां, हम आज उनसे कहीं अधिक विध्वंस मचा सकते हैं. खुद के विध्वंस की हमारी सामर्थ्य कई गुणा बढ़ चुकी है. वास्तव में, शीत युद्ध का सिद्धांत था 'म्युचुअल एशोर्ड डेस्ट्रक्शन' (मैड) यानी एक-दूसरे का निश्चित विध्वंस और इस हकीकत ने दोनों महाशक्तियों को परमाणु-बटन दबाने से रोके रखा. इजराइल और गाज़ा में हुए नरसंहार की बात करें तो यह इस क्षेत्र के लिए नया नहीं.

> अमेरिका ने वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया, क्यूबा और कांगो के अलावा औपनिवेशिक शासकों से मुक्ति पाने में लगे अनेकानेक अफ्रीकी एवं एशियाई देशों में वामपंथियों की पकड़ कमज़ोर करने को अभियान चलाए. लग सकता है विचारधारा की भिन्नता युद्ध का बना-बनाया सांचा है, लेकिन वास्तविक आधार वही है, पुरातन काल से चला आ रहा ताकत और आर्थिक लाभ पाने का लोभ.

स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है फैमिली फार्मर

• सामयिकी

बाबा मायाराम

कुछ समय पहले महाराष्ट्र के नागपुर में देसी अनाजों के बीजोत्सव का आयोजन किया गया. इसमें कई किसान उनके जैविक उत्पाद को बिक्री के लिए आए हुए थे. जैविक खेती पर चर्चा व संगोष्ठियां हुईं. इसमें कई राज्यों के लोगों ने बड़ी संख्या में शिरकत की.मुझे इस कार्यक्रम के आयोजकों में से एक बसंत फुटाणे ने आमंत्रित किया था. इस मौके पर जैव विविधता प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसमें जैविक उत्पादों के अलावा, खादी और सूती कपास के कपड़े और देसी बीजों की कई प्रजातियां प्रदर्शित की गई थीं. गर्मी के कारण अम्बाड़ी के शरबत को काफी पसंद किया गया था. इसके साथ ही जैविक उत्पाद से बने स्वादिष्ट व्यंजन व भोजन आकर्षण के केन्द्र रहे. जिसमें महुआ के गुलगुले, खीर, सूरन के पकोड़े, गुड़ की जलेबी और देसी चावल व आम की कढ़ी और ज्वार की रोटी इत्यादि शामिल थे. बीजोत्सव के बारे में किसान अनंत भोयर बताते हैं कि इसकी शुरुआत वर्ष 2013 से हुई थी. उन्होंने बताया कि बीजोत्सव की शुरुआत किसानों की खुदकुशी की खबरों से चिंतित होकर की गई थी. यवतमाल जिले में कपास की खेती होती है, जहां से किसानों की खुदकुशी की खबरें लगातार आ रही थीं. वहां जैव तकनीक से तैयार बीटी कॉटन होता है. अधिकांश किसान बैंक से कर्ज लेकर खेती करते हैं और कर्ज के बोझ तले दबकर ही जान दे रहे थे. बीजोत्सव में सुरक्षित व पौष्टिक खान-पान पर ज़ोर दिया जाता है. इसके साथ ही, देसी बीजों की गोबर खाद व हल-बैल वाली जैविक खेती को बढ़ावा देते हैं. खेती को पशुपालन से जोड़ने की सोच रखते हैं, जिससे मिट्टी को गोबर खाद से उर्वर बनाया जाए और दूध-घी से भोजन में पौष्टिकता भी बढ़े. किसानों की समस्याएं समझने की कोशिश करते हैं, इस पर गोष्ठियां व संवाद करने के प्रयास करते हैं. नए छोटे किसानों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ते हैं. संकर बीजों और जैव तकनीक से तैयार (जेनिटिकली मोडीफाइड) के नुकसान के बारे में बात करते हैं.दीपक बरड़े बतलाते हैं कि उनका गांव बहुत छोटा है. 85 घरों के गांव में करीब 300 आबादी है. पहले वहां संकर बीजों की खेती होती थी. जिससे कैंसर, बीपी और शुगर के मरीज ज्यादा होने लगे थे. इसके बाद वर्ष 1970 से उन्होंने उनके पिताजी के साथ परंपरागत खेती करना शुरू किया था. परंपरागत बीजों के साथ परंपरागत ज्ञान भी जुड़ा है. उन्होंने बताया वे पूरी तरह स्वावलंबी हैं. उनका परिवार बाहर से नमक के अलावा कुछ भी नहीं खरीदता. मूंगफली से तेल मिल जाता है. खेत की अलसी से भी तेल मिल जाता है. देसी कपास हम वर्धा के ग्राम सेवा मंडल को देते हैं और उसके बदले में वहां से कपड़े ले लेते हैं. वस्तु विनिमय की परंपरा बरसों पुरानी है. बेंगलुरू से आए सहज समृद्ध के कोमल कुमार मानते हैं कि बीज समुदायों के हैं, कंपनियों व किसी एक व्यक्ति के नहीं हैं. सहज समृद्ध किसानों की जैविक उत्पाद कंपनी है, जो धान, पौष्टिक अनाज, दालें, सब्जियां, फूल और गैर खेती भोजन (अनकल्टीवेटेट फूड) इत्यादि जैविक तरीके से उत्पादित करने को बढ़ावा देती है. उन्होंने बताया कि उनके पास रागी की 9 प्रजातियां और 5 पौष्टिक अनाज (मिलेट्स) की प्रजातियां हैं. इनके उत्पादन में वे रासायनिक खाद व कीटनाशक का इस्तेमाल बिलकुल नहीं करते हैं. परंपरागत खेती की वैकल्पिक तकनीक को बढ़ावा देने वाला भारतीय एग्रो इंडस्ट्रीज फाउंडेशन (बी.ए.आई.एफ.) परंपरागत कृषि पद्धतियों व देसी बीजों को बचाने में लगा है और जहरमुक्त खेती को बढ़ावा दे रहा है. इस संस्था से जुड़े संजय पाटिल ने बताया कि उनकी संस्था के पास 400 देसी धान की प्रजातियां, 40 गेहूं की, 13 आलू, 12 मिर्ची, 6 दाल, 4 सरसों की प्रजातियां हैं. और इन देसी बीजों को किसानों को उनके खेत में ही उगाने के लिए दिया गया है, जिससे वहां की मिट्टी-पानी व हवा में उनका संरक्षण व संवर्धन हो सके. कुल मिलाकर, बीजोत्सव ने कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर लोगों का ध्यान खींचा है. इससे एक तरफ बिना रासायनिक खेती से परंपरागत बीजों, मिट्टी-पानी का संरक्षण-संवर्धन हो रहा है व - जैव विविधता व पर्यावरण का संरक्षण हो रहा है, तो दूसरी तरफ किसान और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संबंध बन रहा है, जिससे खेती में बिचौलियों की भूमिका कम हो रही है और किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम मिल रहा है. उपभोक्ताओं की भी पहुंच पौष्टिक अनाज तक हो रही है. बढ़ती बीमारियों व ज़हरीली खेती को रोकने के लिए जैविक खेती की विविधतायुक्त खेती को विकल्प के रूप में पेश किया जाना जरूरी हो जाता है.

> इसके साथ ही जैविक उत्पाद से बने स्वादिष्ट व्यंजन व भोजन आकर्षण के केन्द्र रहे. जिसमें महुआ के गुलगुले, खीर, सूरन के पकोड़े, गुड़ की जलेबी और देसी चावल व आम की कढ़ी और ज्वार की रोटी इत्यादि शामिल थे. बीजोत्सव के बारे में किसान अनंत भोयर बताते हैं कि इसकी शुरुआत वर्ष 2013 से हुई थी.

मीडिया में अन्यत्र

दूरसंचार की दरों को तर्कसंगता के मायने

लायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के तिमाही नतीजों के बाद की टिप्पणियों ने फिर से इस बात की ओर ध्यान आकृष्ट किया है कि देश में दूरसंचार की दरों को तर्कसंगत बनाए जाने की आवश्यकता है. इसकी तात्कालिक वजह रिलायंस जियो की बढ़ती ग्राहक संख्या के साथ ही प्रति उपयोगकर्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) का सपाट होना भी है.कंपनी ने तीसरी तिमाही में 181.70 रुपये एआरपीयू हासिल किया जो पिछली तिमाही के बराबर और एक वर्ष पहले की समान अवधि के 178.20 रुपये से थोड़ा अधिक था. दूरसंचार उद्योग में एआरपीयू दूरसंचार कंपनी की सेहत बताता है. कई विश्लेषकों की रिपोर्ट में यह सही संकेत है कि दूरसंचार कंपनियों को अपनी अखिल भारतीय 5जी सेवाओं का शुल्क बढ़ाना चाहिए ताकि उनका कारोबारी प्रदर्शन मजबूत हो सके.उन्होंने इस उद्योग में शुल्क वृद्धि में देरी को इस क्षेत्र के लिए जोखिम के रूप में भी रेखांकित किया. उन्होंने 2024-25 में 10 से 20 फीसदी शुल्क वृद्धि का अनुमान पेश किया है यानी जियो का मासिक एआरपीयू 200 रुपये से अधिक हो जाएगा. यह पूरे क्षेत्र के लिए स्वागतयोग्य है. अगर जियो जिसके पास सबसे अधिक मोबाइल उपभोक्ता हैं, वह शुल्क बढ़ाती है तो अन्य भी उसका अनुसरण करेंगे.कॉल कटना और खराब सिग्नल ने मोबाइल पर बातचीत की गुणवत्ता पर असर डाला है और फोन उपयोगकर्ताओं ने बड़ी तादाद में व्हाट्सऐप कॉलिंग को अपनाया है. शुल्क में बढ़ोतरी के बाद कंपनियां अधोसंरचना और आंतरिक दिक्कतों पर अधिक धनराशि खर्च कर सकेंगी जिससे उपयोगकर्ताओं को संतोषप्रद सेवा मिल सकेगी और उन्हें फोन करने के लिए वैकल्पिक मंचों का इस्तेमाल नहीं करना होगा. इससे इस उद्योग को 5जी सेवाएं प्रदान करने में भी मदद मिलेगी जो सही मायनों में मजबूत और किफायती है. इसके अलावा दूरसंचार उद्योग जिसे अहम वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ा है और जहां दो कंपनियों का दबदबा है उसे दोबारा बेहतर स्थिति में लाने की आवश्यकता है. ऐसा होने पर ही भारत डिजिटल महाशक्ति बन पाएगा जिसका उसने लक्ष्य तय किया है.सरकार की प्रमुख योजनाओं मसलन डिजिटल इंडिया आदि को सफल बनाने के लिए दूरसंचार कंपनियों को सही संपर्क और गति प्रदान करनी होगी. इसके लिए पूंजी पर प्रतिफल में सुधार करना होगा और घाटे को सीमित रखना होगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भांड़/भाड़/भार

एक कहावत है-भांड़ में जाये दुनिया, हम बजायें हरमुनिया. मतलब हारमोनियम. यह कहावत अक्सर खुदगर्ज लोग कहा करते हैं, जिन्हें अपने सिवा किसी और की कोई चिंता नहीं रहती है. दूसरा वाक्य है-वह वृद्धावस्था में भी मेहनत कर पूरे परिवार का भार वहन करता है. हिंदी शब्द सागर में कहावत वाले भांड़ शब्द का शुद्ध रूप भाड़ बताया गया है. शब्दकोश में भांड शब्द भी है, जिसके दो अर्थ बताये गये हैं. भांड़ संस्कृत तत्सम भण्ड का तद्भव संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है विदूषक, मसखरा, बहुत अधिक हंसी-मजाक करनेवाला, एक प्रकार का पेशेवर जो प्रायः अपना समाज बना कर रहते हैं और महफिलों में जाकर नाचते-गाते, हास्यपूर्ण स्वांग भरते और नकलें उतारते हैं, हंसी, दिल्लगी, भांडपन, नंगा, बेहया, सत्यानाश, बरबादी. कहावत में जिस भांड़ का प्रयोग किया गया है, वह संस्कृत तत्सम के भाण्ड शब्द का तद्भव संज्ञा पुल्लिंग रूप है. इसका मतलब है बरतन, भांड़ा, भंडाफोड़, रहस्योद्घाटन. मुझे लगता है कि तत्सम भाण्ड के चलते ही तद्भव रूप भांड़ हो गया. इसका प्रचलित अर्थ है भड़भुजों की भट्ठी, जिसमें वे अनाज भुनने के लिए बालू गरम करते हैं. इसका क्रिया रूप है भांड़ना, मतलब काम बिगाड़ना, किसी की चारों ओर निंदा करते फिरना, किसी को बहुत बदनाम करते फिरना, नष्ट-भ्रष्ट करना, खराब करना. भाड़ झोंकना मुहावरा है, जिसका अर्थ है भाड़ में इंधन झोंकना, तुच्छ काम करना, नीच वृत्ति धारण करना, अयोग्य काम करना, बेकार में समय गंवाना. इसी प्रकार और भी कई मुहावरे हैं. जैसे भाड़ में झोंकना या डालना यानी आग में डालना, भाड़ में जाये यानी आग लगे नष्ट हो. दूसरा शब्द है भार. यह संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है एक परिणाम, जो बीस पसेरी का होता है, विष्णु, बोझ, वह बोझ जिसे बहंगी के दोनों पल्लों पर रखकर कंधे पर उठाकर ले जाते हैं, किसी कर्तव्य के पालन का उत्तरदायित्व, जिम्मेदारी, ढोल या नगाड़ा बजाने की एक पद्धति, कठिन काम, आश्रय, सहारा.

ये हैं पलटू प्रजाति वाले राजनेता

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

समूचा राजनीतिक परिदृश्य पलटू प्रजाति वाले राजनेताओं से भरा पड़ा है. जिस पार्टी में चले जाओ ,एक ढूंढोगे चार मिल जाएंगे. वह चारों अपनी एक चौकड़ी बना कर बैठ जाते हैं और पांचवें को अपने गुट में शामिल करने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं. स्थिति यह है कि पार्टियों के मंच पर पच्चीस प्रतिशत स्थान पलटू यानी दल बदलुओं के लिए सुरक्षित हो गया है. दल बदलू को विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त होती है. जिस पार्टी में दल बदलू शामिल होता है, उस पार्टी में उसका फूलों का हार पहना कर स्वागत किया जाता है. जैसे कोई बहुत बड़ा तीर मार कर यह आए हों या इन्होंने कोई महान कार्य किया हो. जिस पार्टी से दलबदलू जाता है, उस पार्टी के भीतर एक सन्नाटा छा जाता है. पार्टी से कुछ कहते नहीं बनता कि यह व्यक्ति जो कल तक अच्छा था, आज बुरा कैसे हो गया? दलबदल एक प्रकार की रासायनिक प्रक्रिया है जो दल बदलू नामक राजनीतिक प्रजाति के भीतर चुनाव आते ही उमड़ने-घुमड़ने लगती है. जैसे बरसात में मेंढक टर्र- टर्र करते हैं, वैसे ही चुनाव के मौसम में दल बदलू टर्र-टर्र करना शुरू कर देते हैं. जिसे देखो इस टोकरी से उस टोकरी में कूदकर जा रहा है. पांच साल से ज्यादा किसी एक पार्टी में टिके रहने पर दल बदलू को परेशानी होने लगती है. उसकी आत्मा उसे कचोटती है, धिक्कारती है, आवाज देती है -चल उठ, दल बदल. कब तक एक ही पार्टी में पड़ा रहेगा? छोटी सी जिंदगी है. जब तक चार-छह बार दलबदल न कर लो, चैन से मत बैठना. जीवन का यही तो लक्ष्य है. संभावनाओं को टटोलो और एक दल से दूसरे दल में कूद जाओ. सभी पार्टियों में दलबदलू आपस में एक दूसरे से संबंध रखते हैं. मिलना-जुलना जारी रहता है. भले ही आज उनमें से कोई भी किसी भी दल में हो ,लेकिन मूलभूत रूप से वह दल-बदलू ही तो हैं! उनका मूल स्वरूप "दलबदल" में निवास करता है. उनकी आत्मा दलबदल नामक शाश्वत-भाव में विलीन हो चुकी है. उनके लिए दलबदल एक स्वाभाविक प्रक्रिया है. क्या फर्क पड़ता है-इस पार्टी में रहो या उस पार्टी में चले जाओ? वह दार्शनिक मनोभाव को प्राप्त होने वाले जीव हैं. सब पार्टियों को एक दृष्टि से देखते हैं, जिसमें मौका मिले, घुस जाओ. पद पकड़ो, टिकट माँगो. जहां मौका लगे, कुर्सी पकड़ कर बैठ जाओ. यही जीवन है. यह थोड़े ही कि एक पार्टी में पड़े-पड़े विचारधारा के नाम पर पूरी जिंदगी बर्बाद कर दी.

2024 लोकसभा चुनाव

क्या नीतीश के नेतृत्व में नया समीकरण साधेगा बिहार

बिहार में भाजपा के अच्छे दिन...

बिहार में जारी राजनीतिक उठापटक और कयासों के बीच भाजपा के सहयोग से नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए. नीतीश के साथ कई और मंत्रियों ने भी शपथ ली. पूरे मंत्रिमंडल को देखकर यही कहा जा सकता है कि जातीय समीकरण का पूरा ख्याल रखा गया है. शुरू से ही बिहार के चुनाव में जातीय समीकरण का बहुत महत्व रहा है. भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में लगी है. इस दिशा में वह बिहार पर अपनी पकड़ मजबूत करने की पहली सीढ़ी पार कर ली है. बिहार का यह नया मंत्रिमडल भाजपा की चुनावी मंशा को अमली जामा पहनाने में कारगर साबित हो सकता है. कह सकते हैं कि बिहार में भाजपा के अच्छे दिन आ गए हैं. बिहार की इस नई सरकार में सीएम भले ही नीतीश कुमार हैं. मगर सरकार की कमान भाजपा के पास ही होगी. बीते हफ़्ते से ही अटकलें लग रही थीं कि नीतीश कुमार राजद से गठबंधन तोड़कर फिर से भाजपा के साथ गठबंधन में जा सकते हैं. नीतीश कुछ दिनों से चुप थे. पर इस्तीफा देने के बाद उन्होंने चुप्पी तोड़ी और कहा कि "मैंने इस्तीफा दे दिया है और अब सरकार खत्म हो गई. हमने लोगों और पार्टी की राय सुनी, उसके बाद यह फैसला लिया. संदेह नहीं कि इस पूरे घटना क्रम में नीतीश की भूमिका से सब हैरत में हैं. आइए जानते हैं कि राजनीतिक दल के नेता , पत्रकार नीतीश की इस भूमिका को किस तरह देखते हैं.

स्वाभिमानहीन आदमी को क्या आदमी कहा जा सकता है : शिवानंद तिवारी

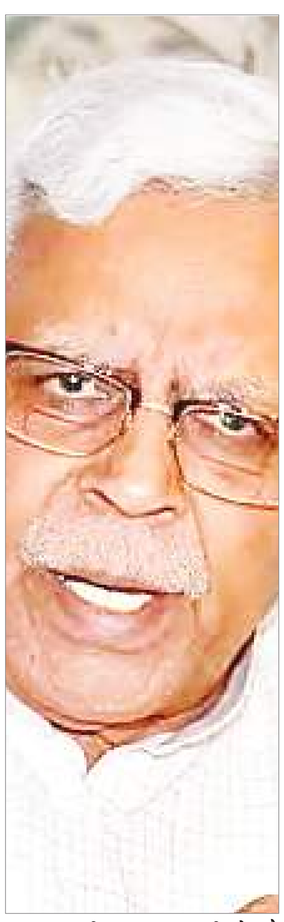

राष्ट्रीय जनता दल की ओर से नवीनतम राजनीतिक घटनाक्रम पर पार्टी के उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि नीतीश जी द्वारा अचानक महागठबंधन छोड़कर पुनः भाजपा के साथ सरकार बनाने की घोषणा से देश हतप्रभ है. लोग जानना चाहते हैं कि 2022 में आपने अचानक भाजपा वाले गठबंधन को क्यों छोड़ दिया था और महा गठबंधन में कैसे शामिल हो गए थे. महागठबंधन की ओर से किसी ने एक अणे मार्ग में जाकर इस गठबंधन में शामिल होने के लिए इनको न्योता देने गया था क्या?

पैसा कहां से लाओगे: शिवानंद तिवारी के मुताबिक सबको स्मरण होगा कि 2020 के विधानसभा चुनाव के अभियान की शुरुआत करते हुए तेजस्वी यादव ने घोषणा की थी कि हमारी सरकार बनेगी तो हम दस लाख युवाओं को नौकरी देंगे. यह राजद के चुनाव घोषणा पत्र में शामिल है. उसके जवाब में नीतीश कुमार ने क्या कहा था? 'दस लाख नौकरियों के लिए पैसा कहां से लाओगे? बाबूजी जिस कमाई के लिए अंदर हैं, वहां से लाओगे. इसको कोई समझ नहीं है!' वही नीतीश कुमार 8 अगस्त 2022 को अपने सभी विधायकों के साथ पैदल चल कर राबड़ी आवास पहुंचे थे. वहां उन्होंने 2017 में गठबंधन तोड़ कर भाजपा में चले जाने के लिए हाथ जोड़कर राबड़ी जी से माफी मांगी थी. महागठबंधन के तमाम नेताओं के बीच अपने भाषण में उन्होंने वही सबकुछ कहा था जो आज कह रहे हैं. उस समय रोना रो रहे थे कि भाजपा के लोग काम नहीं करने दे रहे थे. हमेशा टकराव की बात कर रहे थे.वहीं नीतीश कुमार जिन्होंने तेजस्वी के दस लाख युवाओं को नौकरी देने की घोषणा पर कहा था कि इनको तनख्वाह देने के लिए पैसा कहां से लाओगे! 9 अगस्त को तेजस्वी ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और 15 अगस्त को उन्हीं नीतीश कुमार ने गांधी मैदान के मंच से घोषणा की कि दस लाख युवाओं को महा गठबंधन की हमारी सरकार नौकरी तो देगी ही, हम दस लाख रोजगार का सृजन भी करेंगे. नीतीश जी किसके एजेंडे की घोषणा कर रहे थे!

नीतीश ने स्वयं मुहर लगाई थी: राजद नेता तिवारी ने कहा कि राजनीति की पुरानी पीढ़ी के नीतीश कुमार ने युवा तेजस्वी के एजेंडे को न सिर्फ कुबूल किया बल्कि उसको आगे बढ़ाया. तेजस्वी भविष्य हैं, नीतीश अतीत हैं. पंद्रह अगस्त के अपने भाषण के जरिए नीतीश जी ने स्वयं इस पर मुहर लगाई. महा गठबंधन के संपूर्ण कार्यकाल में तेजस्वी यादव ने जिस प्रकार का आचरण किया है इसको सम्पूर्ण देश ने देखा है. जरूरत से ज़्यादा दब कर तेजस्वी रहे. ताकि नीतीश कुमार को शिकायत का तनिक भी मौका नहीं मिले. यहां तक कि अखबारों के पहले पन्ने पर मुख्यमंत्री के आदम कद तस्वीर के साथ स्वास्थ्य विभाग का विज्ञापन छपता था. उसमें, तेजस्वी जो स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी मंत्री भी हैं, उनकी छोटी तस्वीर भी नहीं रहती थी. लेकिन तेजस्वी ने इस सबको अनदेखा किया. आज नीतीश जी कह रहे हैं कि राजद के साथ काम करने में परेशानी हो रही थी. हम काम कर रहे थे. लेकिन वे लोग काम नहीं कर रहे थे. इसको निर्गुण प्रलाप के अलावा क्या कहा जाएगा! वाकई अगर ऐसी कोई शिकायत थी तो इस सिलसिले में नीतीश जी ने कभी लालू जी से शिकायत की!

नीतीश झूठ बोल रहे हैं: शिवानंद तिवारी ने कहा कि महा गठबंधन से निकलने और भाजपा के साथ पुनः जाने का जो कारण नीतीश जी बता रहे हैं वह सरासर झूठ है. भाजपा से अलग होने के बाद बिहार विधानसभा सभा में इन्होंने क्या घोषणा की थी! मिट्टी में मिल जाऊगा! ऐसे संकल्पों का कई नमूना गूगल में खोजने पर मिल जाएगा. भाजपा का अदना से अदना कार्यकर्ता तक कह चुका है कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा का दरवाज़ा बंद हो चुका है. इन सबके बावजूद नीतीश कुमार जैसा स्वाभिमानहीन व्यक्ति ही पुनः वहां जाने की बात सोच सकता है. स्वाभिमानहीन आदमी को क्या आदमी कहा जा सकता है!

किसने क्या कहा

मेरे लिये भावुक क्षण : सम्राट चौधरी

पटना बिहार भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी का कहना है कि यह मेरे लिए भावुक क्षण है कि आज सरकार में काम करने के लिए विधानमंडल के नेता के तौर पर मेरा चयन किया गया. मैं पार्टी नेतृत्व और सभी विधायकों का धन्यवाद देता हूं.

जंगलराज नहीं आने देंगे : गिरिराज सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को मैं धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया. सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद आज अपनी पहली प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि उनकी जो भी मजबूरी रही लेकिन बिहार पसोपेश में था, डेढ़ साल में बिहार में जंगलराज 2 की स्थिति आ गई थी. अगर तेजस्वी यादव की ताजपोशी हो जाती तो बड़ी कठिनाई होती, भाजपा जंगलराज नहीं आने देगी.

जब भाव न जागा भावों में : तेजप्रताप

पटना। अपने विवादास्पद बयानों के लिये हमेशा चर्चा में रहने वाले पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद के ज्येष्ठ पुत्र तेज प्रताप यादव की प्रतिक्रिया थी कि जब भाव न जागा भावों में, उस भावों का कोई भाव नहीं, ऐसी भावों का कोई स्थान नहीं, जिनका भाव नहीं अपनों की भावों में, कहां रखा है भाव तेरा, जिनका ख्याल तेरा भावों में, बस सत्ता का ख़्याल है तेरे भावों में, अपनों के भावों का क्या हुआ. तेरा अंत होगा और अंत होगा तेरी भावों का, कोई स्थान नहीं होगा तेरा, जब बात होगी तेरे भावों का. समझने वाले समझते रहें.

कूड़ा गया कूड़ेदानी में: रोहिणी आचार्य

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की पुत्री और अपने विवादास्पद बयानों के लिये चर्चित रहने वाली रोहिणी आचार्य की प्रतिक्रिया यह थी कि कूड़ा गया फिर से कूड़ेदानी में . कूड़ा - मंडली को बदबूदार कूड़ा मुबारक. थूककर चाटने वाले नेता खुद को न समझे सूरज जैसा.

सीट शेयरिंग नहीं की तो हमने दिखा दिया : जदयू

पटना। जदयू के फायर ब्रांड प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजद की कार्यपद्धति पर हमला करते हुए कहा कि 'नौकरी के बदले जमीन लेने की राजद की फितरत रही है.राजद यह खेल इस बार भी करना चाहता था, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने होने नहीं दिया. सीट शेयरिंग नहीं की तो हमने सत्ता शेयर करके दिखा दिया. राजद ने राजस्व विभाग में भी खेल करने की कोशिश की, जिसे नीतीश ने विफल कर दिया.

नीतीश आया राम, गया राम वाले नेता : कांग्रेस

पटना। मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा कि हमें पहले से मालूम था कि नीतीश कुमार पाला बदलेंगे. लालू-तेजस्वी ने पहले ही दी पाला बदलने की खबर. नीतीश आया राम, गया राम वाले नेता.

पलटने की पटकथा दो माह पहले लिखी जा चुकी थी

प्रियरंजन भारती
(वरिष्ठ पत्रकार)

पटना में आज जो हुआ वह दो माह पहले ही तय हो चुका था कि नीतीश कुमार फिर से पलटी मारेंगे.खास बात यह कि मुझे इसकी भनक तभी लग गई थी.इसे मैं अपने यूट्यूब चैनल "आपके साथ मेरी बात" में लगातार दर्शकों से साझा करता रहा. चुनावी रणनीतिकार और अब जनसुराज अभियान के नेता प्रशांत किशोर भी नीतीश कुमार की लाचारी और उनके वास्तविक ठिकाने बीजेपी में ही अंतिम रूप से शरण लेने की भविष्यवाणी करते रहे हैं. दरअसल नीतीश कुमार के पलटने की पटकथा तो तभी लिख दी गई थी. जब पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आये और भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अनुमानों को झुठलाते हुए शानदार जीत हासिल की थी.याद होगा तब महागठबंधन के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तीन दिनों तक बीमारी के चलते मुख्यमंत्री आवास से बाहर नहीं निकल पाए थे. वास्तव में वह सदमें में थे. गिरिराज सिंह ने तब तंज भी कसे कि मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य का मेडिकल बुलेटिन जारी होना चाहिए जिससे राज्य की जनता की चिंता का समाधान हो सके.बात बस इतनी सी ही है कि नीतीश कुमार बस दबाव की राजनीति करने के माहिर हैं और इसी दबावमूलक राजनीति के तहत वह जनाधार लुप्त हो जाने पर भी बिहार की सत्ता सियासत के सूरमा बने हुए हैं और दबाव बनाकर अपना मतलब साधने के लिए बार-बार दोनों खेमों की जरूरत बने रहते हुए पलटते रहते हैं.यह बहुत कम लोगों को ही पता है कि जब बीजेपी नेतृत्व को अहसास हुआ कि इस लोकसभा चुनाव में ''अबकी बार चार सौ पार ''लक्ष्य पाने कू लिए बिहार का अनुकूल होना जरूरी है और अनुकूलता के लिए नीतीश का साथ रहना भी जरूरी है तभी दिल्ली से इन्हें अपने निकट लाने की कार्ययोजना पर अमल शुरु कर दिया गया था.दो महीने पहले ही एक बड़े राजनेता और एक ब्यूरोक्रेट इस मिशन को साधने पटना पहुंचकर नीतीश से उनके राजकीय आवास जाकर मिले और वस्तुपरक सच्चाई उनके साथ साझा कर वापस लौट गये थे. नीतीश कुमार ने तभी तय कर लिया था जिसके संकेत बाद में अनेक मौकों पर प्रकट होते रहे हैं.यह रहस्य नीतीश कुमार समेत सिर्फ तीन लोगों को ही पता था कि उनको फिर से पलटी मारनी है. इसका मुहूर्त अब निकलकर आया.चार सौ पार करने का लक्ष्य साधने के साथ बीजेपी नेतृत्व यह भी कर डालना ज़रूरी समझ रहा था कि कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन पूरी तरह ध्वस्त होता दिखे. क्योंकि जीत का जश्न तब चौगुना हो जाता है जब विरोधी पस्त-ध्वस्त हो जाए. बीजेपी नेतृत्व इंडिया गठबंधन के सूत्रधार नीतीश कुमार को फिर गले लगाकर यही संदेश देना चाह रहा था जो अब पूरा हो चुका है. नीतीश कुमार ने एनडीए इस बात का दबाव बनाने के इरादे से छोड़ा था कि भाजपा उन पर दबाव बना रही थी. जबकि दबाव बनाना वह अपना एकाधिकार मानते हैं.अब जब वह फिर चौथी बार पलटे और एनडीए के मुख्यमंत्री बने हैं तब भी उनका वही एजेंडा दिख रहा है. नीतीश कुमार यह जानते समझते हुए भी कि न तो वह प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनाए जाएंगे,न ही कोई इसकी वैकेंसी है और ही विरोधी खेमे की पार्टियां खासकर आरजेडी के वोट उनके दल के उम्मीदवारों को मिल सकेंगे.इस कठोर सच्चाई ने भी उन्हें पलटने को विवश कर दिया.फिर नीतीश कुमार जो मुख्यमंत्री बने रहने के लिए कोई भी समझौता कर सकते हैं, किसी भी सूरत में सत्ता सौंपना नहीं चाहते थे और आरजेडी इस बात का निरंतर दबाव डाल रहा था जिससे बचकर निकल लेना ही एकमात्र विकल्प बचा था.अब वह जिन शर्तों पर भाजपा के साथ आए हैं उससे इतना इत्मिनान तो है कि जीत का संकट अब नहीं होगा.यह और बात है कि भाजपा इस बार ठोक बजाकर भरोसा करना चाहती है.कहे तो उसे अब भरोसा नहीं सिर्फ दरकार है.और इस बात की संभावना प्रबल है कि शायद फिर पलटने का अवसर तलाशने का मौका भाजपा इन्हें नहीं देगी.बल्कि इसकी आशंका अधिक हैं कि नीतीश कुमार को भाजपा अपनी ही बांहों में समेटकर अंतिम रूप से निबटा देगी.

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नए मंत्रिमंडल को लेकर उपेंद्र कुशवाहा असहज महसूस रहे हैं

राष्ट्रीय लोक जनता दल के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा नये मंत्रिमंडल को लेकर असहज दिखे. भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें फोन कर शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए मनाया, इसके बाद वे माने और वापस लौटे. उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के एक नेता ने बताया कि वे मौजूदा सियासी समीकरण में अपने को असहज महसूस कर रहे हैं. उपेंद्र कुशवाहा को पता था कि आज नये मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण होना है. लेकिन वे आज सुबह काराकाट संसदीय क्षेत्र के लिए रवाना हो गये थे. वे अरवल के पास पहुंचे थे कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा का फोन उन्हें आया. जेपी नड्डा ने उनसे शपथ ग्रहण में शामिल होने का न्योता दिया.

सूत्रों के मुताबिक पहले उपेंद्र कुशवाहा ने नड्डा से कहा कि उनका पहले से काराकाट संसदीय क्षेत्र में कार्यक्रम तय है और पार्टी के वर्कर इंतजार कर रहे हैं. लेकिन जेपी नड्डा ने उनसे शपथ ग्रहण में शामिल होने का आग्रह किया. नड्डा ने उनसे कहा कि बीजेपी फिर से आश्वस्त कर रही है कि उपेंद्र कुशवाहा से जो बात पहले हुई थी, उससे पीछे नहीं हटेगी. इसके बाद उपेंद्र कुशवाहा वापस लौटने और शपथ ग्रहण में शामिल होने पर राजी हुए. उपेंद्र के एक करीबी नेता ने बताया कि वे भले ही शपथ ग्रहण में शामिल होने को तैयार हो गये, लेकिन वे अभी भी सहज नहीं हैं.

लालू के तेवर और विज्ञापन बने तेजस्वी यादव के हथियार

बिहार की राजनीति 28 जनवरी की तारीख एकबार फिर नीतीश कुमार के पल्टी मारने की कड़ी के रुप में दर्ज हो गयी है. बिहार में नये सिरे एनडीए सरकार की सरकार बन गयी है. लेकिन यहीं से राष्ट्रीय जनता दल की राजनीति की नई शुरुआत हो चुकी है. राजनीति के मंझे खिलाड़ी राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के आक्रामक तेवर अब नीतीश की एनडीए सरकार को सदन से सड़क तक चुनौती देते नजर आएंगे. सड़क की लड़ाई की शुरुआत तो हो भी गई है. जदयू और भाजपा सरकार बनाने के सूत्र में उधर उलझे थे, उधर राजद जनता के बीच अपनी पैठ बनाने की एक्सरसाइज कर रही है. 28 तारीख को ही बिहार के अखबारों में पूरे पन्ने का विज्ञापन राजद की इस नई राजनीति की शुरुआत की कहानी कह रहा है.

राजद की तरफ से अखबारों में महागठबंधन सरकार के डेढ़ साल के अंदर किए गए तमाम विकास का श्रेय लेने वाला विज्ञापन छपवाया गया. इन अखबारों में तेजस्वी यादव अपने पूरे डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में हुए कार्यों पर अपना दावा ठोकते नजर आ रहे हैं. राजद की ओर से जारी विज्ञापन में कहा गया है कि महागठबंधन सरकार के कार्यों के असली हकदार तेजस्वी यादव हैं. जाति आधारित गणना, आरक्षण का कोटा बढ़ाने से लेकर 4 लाख से अधिक शिक्षकों की बहाली को राजद ने तेजस्वी यादव की उपलब्धि बताई है.

नौकरी के श्रेय पर राजद ने ठोंका दावा: अब तो राजद इस प्रचार प्रसार में भी लग गया है कि नीतीश कुमार ने अपने 16 वर्षों की सरकार में जितनी स्थाई सरकारी नौकरी नहीं दी, उससे ज्यादा 18 महीने में तेजस्वी यादव के प्रभाव वाली महागठबंधन सरकार ने दी. राजद यहीं नहीं रुका, जातीय सर्वे, 75 प्रतिशत आरक्षण, शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा, जीविका दीदी, पंचायत प्रतिनिधि, टोला सेवक, मरकज आदि का मानदेय बढ़ाना, पुल पुलिया,सड़क निर्माण का भी श्रेय लिया है. हालांकि तेजस्वी यादव इसके पहले भी श्रेय लेने की होड़ में शामिल हो चुके थे. कई बार पोस्टरबाजी भी हुई थी. दरअसल तेजस्वी यादव की नजर विधानसभा चुनाव 2025 पर टिकी है, ताकि जनता के बीच अपनी पहुंच बना सकें और अपने समर्थकों का विस्तार कर सकें.

सदन में भी नीतीश पर हमला बोलने की तैयारी में राजद: राजद की राजनीति यहीं खत्म नहीं हुई है. राजद के सूत्रों के अनुसार सदन के भीतर नीतीश सरकार को परास्त करने की तैयारी भी की जा रही है. सदन के सत्र में अविश्वास प्रस्ताव लाकर सरकार गिराने के आंकड़े जुटाए जा रहे हैं. कहा यह जा रहा है कि राजद के संपर्क में जो जदयू विधायक हैं उन्हें अविश्वास प्रस्ताव के दौरान अनुपस्थित कर सरकार गिराने के मैजिक आंकड़ा प्राप्त करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है. हम के चार विधायकों को भी महागठबंधन से जोड़ने के लिए जीतनराम मांझी को सीएम पद तक का प्रलोभन दिया जा रहा है.

कद से कहीं बड़ा पद पा गए सम्राट

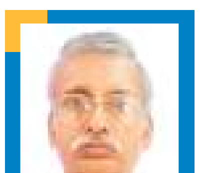

गणेश झा
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में भाजपा के समर्थन से बनी नीतीश कुमार की नई सरकार में सम्राट चौधरी को उप मुख्यमंत्री बनाया जाना सबको आश्चर्य में डाल गया है. हर बिहारवासी को यही कहते सुना जा रहा है कि कद से कहीं ज्यादा बड़ा पद पा गए सम्राट चौधरी. सम्राट चौधरी के गृहनगर मुंगेर जिले के तारापुर में उनके उप मुख्यमंत्री बनने की खबर से जश्न का माहौल जरूर है पर इतना बड़ा पद मिलने से वहां के लोगों को भी घोर आश्चर्य ही हुआ है. तारापुर के जानेमाने सामाजिक कार्यकर्ता विजय नारायण कापरी की राय में बनाने को तो आप एक पत्थर को भी उप मुख्यमंत्री बना दीजिए, पर सम्राट चौधरी को उप मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा को कुछ भी हासिल नहीं होनेवाला. सम्राट चौधरी को उप मुख्यमंत्री बनाए जाने के पीछे भाजपा का जो भी गुणा-भाग रहा हो, पर राजनैतिक विश्लेषक सम्राट चौधरी को इस जिम्मेदारी के पद के लायक अनुभवी और काबिल बिल्कुल नहीं मानते. उनका मानना है कि सम्राट को उप मुख्यमंत्री बनाने के पीछे का मकसद बिहार की कुशवाहा जाति को साधने का है. जदयू भी इस फार्मूले पर चलती रही है. 55 साल के सम्राट चौधरी भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष हैं. सम्राट चौधरी बिहार सरकार में 1999 में कृषि मंत्री और 2014 में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री रह चुके हैं. सम्राट चौधरी 1990 से सक्रिय राजनीति में हैं. उन्होंने 19 मई 1999 को बिहार सरकार में कृषि मंत्री के पद की शपथ ली थी. उन्होंने वर्ष 2000 और 2010 में परबत्ता विधानसभा से चुनाव लड़ा था और विधायक निर्वाचित हुए थे. 2010 में उन्हें बिहार विधानसभा में विपक्षी दल के मुख्य सचेतक बनाया गया था. फिर 2 जून 2014 को उन्होंने बिहार सरकार में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री पद की शपथ ली थी और कार्यभार संभाला था. वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी में उन्हें बिहार प्रदेश का उपाध्यक्ष बनाया गया था. वर्तमान में सम्राट चौधरी भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य हैं. उनके राजनैतिक विरोधियों का कहना है कि सम्राट चौधरी एक दबंग राजनैतिक परिवार से आते हैं. उनके पिता शकुनी चौथरी की छवि अपने समय के एक बाहुबली राजनेता की कही है. वे मुंगेर जिले के तारापुर विधानसभा से कई बार विधायक और खगड़िया लोकसभा से एक बार सांसद भी रहे हैं. सम्राट चौधरी की माताजी पार्वती देवी भी तारापुर विधानसभा सीट से विधायक रही हैं. दबंगई और विवादों से भी इस परिवार का बहुत पुराना नाता रहा है, खासकर लोगों की जमीन कब्जाने के मामलों को लेकर. अगर सम्राट चौधरी के गृहनगर तारापुर की स्थानीय राजनीति की बात करें तो वहां बहुत खुशी की लहर है, खासकर इसलिए भी कि इस क्षेत्र से कोई राजनेता पहली दफा उप मुख्यमंत्री बना है. पर दूसरी तरफ तारापुर का एक विरोधी कुशवाहा खेमा इससे खासा मायूस भी है क्योंकि पिछले कुछ सालों से तारापुर पर उसी विरोधी खेमे का कब्जा है और जदयू के राजीव सिंह तारापुर से विधायक हैं. सम्राट चौधरी के ताकतवर बनने से राजीव सिंह का राजनैतिक कैरियर ध्वस्त होने का बड़ा खतरा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पाकुड़ से गुजरेगी कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

संवाददाता। पाकुड़

राहुल गांधी की यात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है. कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी पाकुड़ जिले के सदर प्रखंड स्थित नसीपुर गांव में जनसभा को संबोधित करेंगे. पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के राज ग्राम के रास्ते झारखंड में राहुल की न्याय यात्रा प्रवेश करेगी. जिसकी पुष्टि कांग्रेस विधायक दल के नेता सह मंत्री आलमगीर आलम ने की है. आलमगीर आलम ने कहा कि झारखंड के पाकुड़ में राहुल गांधी की यह पहली न्याय यात्रा होगी. जिसमें राहुल गांधी शहरी क्षेत्र में पैदल मार्च करते हुए लिट्टीपाड़ा जाएंगे, जहां रात्रि विश्राम करेंगे. जनसभा में साहिबगंज जिले के हजारों कार्यकर्ता एवं पार्टी समर्थक भाग लेंगे. वहीं भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कमर कस ली है. पूरी जोश के साथ यात्रा को सफल बनाने की तैयारी में कार्यकर्ता जुट गए हैं.

आलमगीर आलम ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ यह न्याय यात्रा है. जिसमें महिलाओं, किसानों, मजदूरों एवं बेरोजगारों को न्याय दिलाने का काम किया जाएगा. केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा गैर भाजपा सरकार को परेशान करने, विपक्षी दलों के सांसदों विधायकों पर दबाव डालकर भाजपा में शामिल करने की नीतियों के खिलाफ देश की राजनीति में बदलाव लाने के लिए यह न्याय यात्रा है.

खान सुरक्षा सप्ताह में मगध परियोजना को मिले चार पुरस्कार

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

हजारीबाग में आयोजित 66वें वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह 2023 के समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मगध परियोजना को पुरस्कृत किया गया. मगध परियोजना ने विभिन्न श्रेणियों कुल चार पुरस्कार अपने नाम किये. ग्रुप-ए की श्रेणी में डोजर में विजेता के खिताब पर कब्जा जमाया. ग्रुप-ए की श्रेणी में ड्रिल में उप विजेता रही. बेस्ट हॉल रोड में उप विजेता एवं मगध परियोजना में खनन का कार्य कर रही आउटसोर्सिंग कंपनी वीपीआर, बीजीआर, पीएलआर कंसोर्टियम को सीसीएल में श्रेष्ठ कांट्रेक्टर में द्वितीय पुरस्कार मिला. पुरस्कार सीसीएल के अध्यक्ष सहप्रबंध निदेशक डॉ. बी वीरा रेड्डी, निदेशक (तकनीकी/संचालन) आरबी प्रसाद एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने मगध-संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक नृपेन्द्रनाथ, परियोजना पदाधिकारी सदाला सत्यानारायणा एवं मगध की टीम को दी.

पेज एक का शेष

बिहार में सियासी शृंगार की...

इन्हें किसी की परवाह नहीं है. कार्यकर्ता तो जर खरीद गुलाम होते ही हैं, पार्टी के नेताओं का जमीर भी खमीर बन जाता है. जिसके पास आत्मसम्मान, नैतिकता होगी वह सियासत में खपेगा ही नहीं. सियासत का तवायफी अंदाज जब अपने शबाब पर पहुंचता है, तब नीतियों, सिद्धांतों के सारे तार टूट जाते हैं, सभी कसाव ढीले पड़ जाते हैं. हवाओं का चरित्र बादल कहां समझ पाते हैं. इन फाहिशा हवाओं का चरित्र चित्रण करते समय तूलिका का रंग भी बिखर जाता है. जो शर्म, हया को खूंटी पर टांग कर जंग-ए-सियासत में उतरते हैं, उनसे बेशर्मी के सिवाय और क्या उम्मीद की जा सकती है. गलत थोड़े ही कहा गया है कि इश्क और जंग में सब जायज है. फिर सियासी इश्क में दिल कभी किसी पर आ जाता है और कभी किसी से भर जाता है. दोनों हालात में कुछ टूट फूट तो होती ही है. दिल को या तो मारना पड़ता है या पालना पड़ता है. मारने से कठिन है पालना. नेताओं के इस महारास की आलोचना करनेवाले अनुरागी चित्त की गति समझते ही नहीं है. यह जितना ही काले रंग (कामों) में डूबता है, उतना ही लक-धक सफेद हो जाता है. इतिहास बनाने के लिए बहुत से मूल्यों का इतिहास बनाना पड़ता है, बदनामी झेलनी पड़ती है, आलोचनाएं झेलनी पड़ती हैं. इसलिए ऐसे नेता शेमप्रूफ होते हैं. न हों तो पूछेगा कौन ? अभी हम आप सब बिहार की राजनीति में जुगुप्सा के जो दृश्य देख रहे हैं, वह अंतिम नहीं है. हमारे शास्त्रों में नेति-नेति कहा गया है. यानी यदि यह राम की माया का परिणाम है तो इतना ही नहीं होगा. कुछ और होगा, क्योंकि माया महाठगिनि हम जानी. लोकतंत्र की मिट्टी अभी पूरी तरह पलीद कहां हुई है. हमारे वैशाली के भग्नावशेषों में लिच्छिवी गणराज्य के प्रमाण जरूर हैं, लेकिन जो गणराज्य हमने बनाया है, उसे खंडहर बनाना बिहारी नेताओं का पुनीत कर्तव्य है. वे इसमें प्राण प्रण से लगे हैं और विश्वास है कि सफलता उनके कदम जरूर चूमेगी. थोड़ा लिखना, अधिक समझना, ज्यादा शुभ!

अभी खेल शुरू हुआ है...

जो मुख्यमंत्री कहता था कि सरकारी नौकरी देना असंभव है, उनसे हमने संभव बोलवाने का काम किया. जिस हिसाब से हमने विकास के काम किए, नई-नई नीतियां लेकर आए. टूरिज्म विभाग, आईटी विभाग हमारे पास था दोनों में हम पॉलिसी लेकर आए. स्पोर्ट्स पॉलिसी हम लोगों ने लाने का काम किया. जो खेलेगा और जो पढ़ेगा उसे भी सरकारी नौकरी मिलेगी. शिक्षा विभाग किसके पास था, वह भी आरजेडी के पास था. ये जो 17 महीने में काम हुआ है, वह ऐतिहासिक है, ऐसा देश में कभी भी नहीं हुआ है.

तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी और जेडीयू की सरकार के 17 साल बनाम हमारे 17 महीने की तुलना होनी चाहिए. एक विभाग ने वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाने का काम किया. एक विभाग से 70 दिनों के भीतर 2 लाख से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटने का काम किया. 26 जनवरी को राज्यपाल ने अपने भाषण में भी साढ़े तीन लाख सरकारी नौकरी देने की बात कही. यह किसके राज में हुआ, यह किसका विजन था. तेजस्वी ने कहा कि जो थके हुए मुख्यमंत्री थे, उनसे इतना काम करवाया. उन्होंने कहा कि वह (नीतीश कुमार) क्या कह रहे हैं, मैं उसपर व्यक्तिगत कॉमेंट नहीं करना चाहता हूं. ना हममें गुस्सा है, ना नाराजगी है, हमने बेहद संयम से गठबंधन धर्म का पालन किया है. उसी हिसाब से आगे भी जनता के बीच अपनी बात रखेंगे. लेकिन एक बात कहूंगा कि अभी खेल शुरू हुआ है, अभी खेल बाकी है. मैं जो कहता हूं, वह करता हूं. आप लिखकर ले लीजिए जदयू 2024 में ही खत्म हो जाएगी. यह निश्चित रूप से लिखकर रख लीजिए. मेरा स्पष्ट रूप से मानना है कि जनता हमारे साथ है. मैं बीजेपी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने जेडीयू को अपने साथ ले लिया.

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
बेबी देवी
पंचायत समिति सदस्य,
पंचायत सेरूआ
प्रखंड-गावां, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
बैजनाथ
सचिव
जागो फाउंडेशन,
गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
मोनिका गाड़ी
दंत चिकित्सक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
प्रखंड-गांडेय, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
डॉ शंभू प्रसाद वर्मा
मां कामख्या डायग्नोसिस्ट सेंटर
गांधी नगर, मेन रोड अहिल्यापुर
प्रखंड-गांडेय, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
डॉ बीके सिंह
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जमुआ
प्रखंड-जमुआ, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
नंदलाल प्रसाद
अध्यक्ष, खरसान पैक्स
प्रखंड_गावां, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
देवेंद्र यादव
मुखिया
पंचायत- चितमाडीह
प्रखंड- बेंगाबाद, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
विपिन कुमार
थाना प्रभारी
थाना-जमुआ, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
अजय कुमार सिंह
अध्यक्ष, बीस सूत्री कार्यान्वयन
समिति सह जेएमएम प्रखंड कमिटी
प्रखंड-गावां, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
देवलाल रजवार
गोदाम प्रबंधक
खाद्य आपूर्ति विभाग
प्रखंड_जमुआ,जिला_गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
कमलेंद्र कुमार सिन्हा
प्रखंड विकास पदाधिकारी
प्रखंड_जमुआ,जिला_गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
भीम कुमार
शिक्षक सह कवि
सचिव,माध्यमिक शिक्षक संघ
प्रखंड- गावां, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
मो शमीम
मुखिया सह प्रखंड अध्यक्ष मुखिया संघ, पंचायत- चपुवाडीह,
प्रखंड-बेंगाबाद, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
डॉ रीना दुबे
निर्देशक
दुबे नर्सिंग होम, देवघर रोड,
जमुआ चौक, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
पिंटू शर्मा
सचिव
उमंग फाउंडेशन, झारखंड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
मो सदीक अंसारी
मुखिया
पंचायत, मधवाडीह
प्रखंड_बेंगाबाद,जिला_गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
रिंकू बर्नवाल
प्रखंड अध्यक्ष
झारखंड मुक्ति मोर्चा
प्रखंड- तिसरी, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
डॉ अभिषेक आनंद
प्रभारी प्रधानाध्यापक,उत्क्रमित हाई स्कूल बिरने
प्रखंड-गावां, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
वीरेंद्र कुमार दास
मुखिया
पंचायत, ताराटांड़
प्रखंड_बेंगाबाद,जिला_गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
छोटू कुमार यादव
नेता, भाकपा माले
प्रखंड-तिसरी,
जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
निशा कुमारी
वार्डन
कस्तूरबा बालिका विद्यालय
प्रखंड-गावां, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
डॉ दिनेश प्रसाद यादव
डायरेक्टर
श्रीराम हॉस्पिटल गंगापुर, कोड़ाडीह
प्रखंड-धनवार, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
शशि भूषण वर्मा
अंचल अधिकारी
प्रखंड-डुमरी, जिला- गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
मो हसीमुद्दीन
मुखिया
पंचायत, सिंघो
प्रखंड-तिसरी, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
मध्य विद्यालय परिवार, माल्डा
प्रखंड- गावां, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
निर्मला कुमारी
मुखिया
पंचायत-दासडीह
प्रखंड-गांडेय, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
अन्वेषा ओना
प्रखंड विकास पदाधिकारी
प्रखंड-डुमरी, जिला-गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
भागीरथ कुमार
प्रभारी प्रधानाध्यापक
उर्दू मध्य विद्यालय, खरसान
प्रखंड-गावां, जिला- गिरिडीह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
राजकुमार साव
प्रधानाध्यापक
प्लस टू हाई स्कूल, बिशनीटिकर
प्रखंड-गावां, जिला- गिरिडीह

सुकून

आज फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' करेंगे. परीक्षा पे चर्चा 2024 के लिए करोड़ों छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्कूली छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत का कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का यह सातवां संस्करण है.

'परीक्षा पे चर्चा'

तनाव को सफलता में बदलना है उद्देश्य

डीपी पटेल
(उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रांची)

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम की शुरुआत साल 2018 में की गई थी. उसके बाद से हर साल, कभी ऑनलाइन मोड में तो कभी ऑफलाइन मोड में यह आयोजित की जाती रही है. भारत जैसे विशाल और सामाजिक-आर्थिक विविधताओं से परिपूर्ण राष्ट्र में प्रधानमंत्री के द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे आयोजन की शुरुआत अपने आप में अनूठा और अत्यंत दूरदर्शी कदम है. नामांकन के बाद स्कूल में ख़ासकर परीक्षा के समय छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों को किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता था यह किसी सरकार की चिंता का विषय नहीं होता था. लेकिन पथप्रदर्शक की भूमिका में प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी को बदलते समय में उभरते हुए सवालों के जवाब के साथ एक नई दिशा देने की चेष्टा की है.

एक अनूठी पहल

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या 2022 पर जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत में 13,000 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है. 2022 में आत्महत्या से होने वाली सभी मौतों में 7.6% छात्र थे जिनमें से अधिकांश नौवीं और दसवीं के छात्र थे. इनके पीछे कारणों की तलाश करने पर परीक्षा का भय, तनाव, माता-पिता और अभिभावकों की एक सीमा से अधिक उम्मीदें, आत्मविश्वास की कमी के साथ लगातार बढ़ते शहरीकरण और एकल परिवारों में बढ़ोतरी के चलते समाज में स्थिति और भी भयावह साबित हो रही है. ऐसे में हमारी भावी पीढ़ी को 'परीक्षा पे चर्चा' के माध्यम से स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का अनुभवी मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है. 'परीक्षा पे चर्चा' आयोजन अपने आप में लोकतांत्रिकता और समावेशिता का बहुत बड़ा उदाहरण है. इसमें प्रतिभागी किसी ख़ास वर्ग, क्षेत्र, उम्र या जातियों और धर्मों के न होकर भारत के सभी राज्यों बल्कि विदेशों से भी होते हैं. प्रधानमंत्री की सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तक "एग्जाम वॉरियर्स" भी इस पहल को प्रोत्साहित कर रही है.

ज़िंदगी परीक्षा से आगे भी

परीक्षा पर चर्चा के पिछले संस्करण में वे कहते हैं कि परीक्षाओं के महत्व से इंकार तो नहीं किया जा सकता है पर हमें यह तय करना और समझना होगा कि क्या यह स्कूली परीक्षाएं हमारे जीवन की एकमात्र कसौटी हैं? 10वीं एवं 12वीं कक्षा का स्कोरकार्ड ही किसी के जीवन का नियंता हो सकता है अथवा विद्यार्थी स्वयं भी अपना जीवन बिना स्कोरकार्ड के भी निर्मित कर सकता है. वह जोर देते हुए कहते हैं कि परीक्षा के गलियारों से निकली हुई ज़िंदगी ही ज़िंदगी नहीं होती है; उसके बाहर भी बहुत बड़ी दुनिया होती है. अनेक सफल लोगों के उदाहरण देकर वे समझाते हैं कि जीवन में सफलता प्राप्त करने, कुछ नया और अलग करने और एक आदर्श स्थापित करने के लिए स्कोरकार्ड का महारथी होना ही आवश्यक नहीं है. परीक्षाएं हमारे जीवन का एक सहज हिस्सा होती हैं. हमें यह मानते हुए चलना चाहिए कि परीक्षा हमारी विकास यात्रा में एक और मील का पत्थर है. इसलिए तनाव न लेते हुए परीक्षाओं को उत्सव की तरह देखना और मनाना चाहिए. प्रारंभिक तौर पर तो यह बच्चों का मनोबल बढ़ाने का प्रयास दिखाई देता है पर वास्तव में यह स्वाभिमान और आत्मसम्मान से युक्त जीवन की आधारशिला तैयार करने में सहायक होगी.

बहरहाल यह कार्यक्रम शिक्षकों और समाज को एक साथ लाने के प्रयासों से प्रेरित है ताकि एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके जहां प्रत्येक बच्चे के अद्वितीय व्यक्तित्व का उत्सव मनाया जा सके, प्रोत्साहित किया जा सके, और आत्माभिव्यक्ति की अनुमति दी जा सके.

दरकार थोड़ी अधिक संवेदनशीलता की

डॉ सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय मनोरोग विशेषज्ञ
रिनपास, रांची

डीपीएस, रांची के दसवीं के छात्र ने पिछले दिनों इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि मां पढ़ाई के लिए डांटी थी. बेशक ऐसी खबरें हमें दुखी करती हैं, पर अब चौंकाती नहीं. परीक्षा के मौसम में ऐसी खबरें अब बेहद आम है. इधर परीक्षा की तारीखें सामने आईं और उधर बच्चों की आत्महत्या की खबरों में तेजी आने लगीं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत में 13000 से अधिक छात्रों की आत्महत्या से मृत्यु हुई.

स्कूल स्तर पर लापरवाही

ऐसी घटनाओं के जिम्मेदार कई हैं. स्कूलों की बात करें तो बड़े से बड़े स्कूल इस मामले में अनदेखी करते हैं. मानसिक स्वास्थ्य पर बच्चों को जागरूक करना कहीं से उनकी प्राथमिकता नहीं. हर तरह के कार्यक्रम करते हैं लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पर उनके कार्यक्रम शून्य होते हैं. झारखंड की ही बात करें तो कहने के लिए ज्यादातर स्कूलों में काउंसलर हैं. लेकिन जांच कीजिए तो पता चलेगा की कोई लाइसेंस होल्डर काउंसलर नहीं है. किसी शिक्षक में इतनी सजगता नहीं रहती कि वे छात्र के व्यवहार बदलाव का समय पर आंकलन करे और उसे मनोचिकित्सक के पास भेजने के लिए अभिभावक को आगाह करे. टीबी, एचआईवी जैसे रोगों के बारे में अवेयरनेस आने से उनमें कमी आई है. अवसाद जैसे मानसिक रोगों के लिए भी ऐसे ही अवेयरनेस की दरकार है.

अभिभावक सजग रहें

डीपीएस, रांची के छात्र का उदाहरण ही लें तो उसका यह कदम एक दिन का परिणाम नहीं होगा. उसके व्यवहार में निश्चित बदलाव आया होगा. स्वभाव में चिड़चिड़ापन होना, स्कूल से लगातार शिकायतों का आना, पसंद की चीजों/कामों में अचानक अरूचि...अगर ऐसा व्यवहार बच्चे में दिख रहा तो तत्काल मनोचिकित्सक से संपर्क करें. अगर आप आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग से हैं तब भी रांची में रिनपास में संपर्क करें. यहां मुफ्त में सहायता की जाएगी.

रिनपास के मुफ्त हेल्पलाइन 9471136697 पर 24 x 7 दिन-रात में कभी भी कॉल कर मुफ्त सहायता ली जा सकती है.

कविता विकास

पढ़ाई-पढ़ाई और पढ़ाई...परीक्षा के मौसम में हर घर में यही शब्द बार-बार गूंज रहे. पढ़ाई और परीक्षा का खौफ बच्चों ही नहीं, उनके पैरेंट्स की भी नींद उड़ा रहा. ऐसे में अंतिम समय में कैसे करें तैयारी, इस विषय पर शिक्षाविद् और साहित्यकार कविता विकास ने डीएवी कोयलानगर, धनबाद के कुछ वरीय शिक्षकों से बात की, जो अनेक सालों से सीनियर कक्षाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं. उनके दिशा निर्देश अवश्य ही विद्यार्थियों के काम आएंगे.

बोर्ड परीक्षा – लास्ट मिनट के टिप्स

अंकों की दौड़ में उलझे बिना बस पढ़ाई पर करें फोकस

अंकों की दौड़ में अव्वल आने की क़वायद से दूर रहने की हिदायत भले ही दी जाए, लेकिन दिल के किसी कोने में बच्चे और अभिभावक की यह चाहत रहती ही है कि वह भी नब्बे प्लस वाला हो. आकांक्षा न हो तो जीने का मज़ा भी नहीं है. आकांक्षाएं ही मेहनत को प्रेरित करती हैं, वरना ज़िंदगी तो बिन रडार वाली वायुयान की तरह हो जायगी जिसे हवा के झोंके कहीं भी उड़ा दें. लेकिन, आकांक्षाएं जब महत्त्वाकांक्षाओं में तब्दील हो जाती हैं तो रातों की नींद उड़ जाती है और लक्ष्य हासिल न हो तो परिणाम बुरा भी हो सकता है. अब बोर्ड की परीक्षाएं नज़दीक हैं. साल भर की पढ़ाई, टेस्ट्स और गाइड के बाद भी लास्ट मिनट की तैयारी बहुत मायने रखती है. पाठ्यक्रम में जो भी बदलाव हुए हैं, वो विद्यार्थियों के हित में ही हैं, मसलन आंतरिक आकलन, परियोजना कार्य और विविध प्रकार के टेस्ट्स जिनमें थोड़ी पर निरंतर तैयारी से ही अच्छे अंक आ सकते हैं.

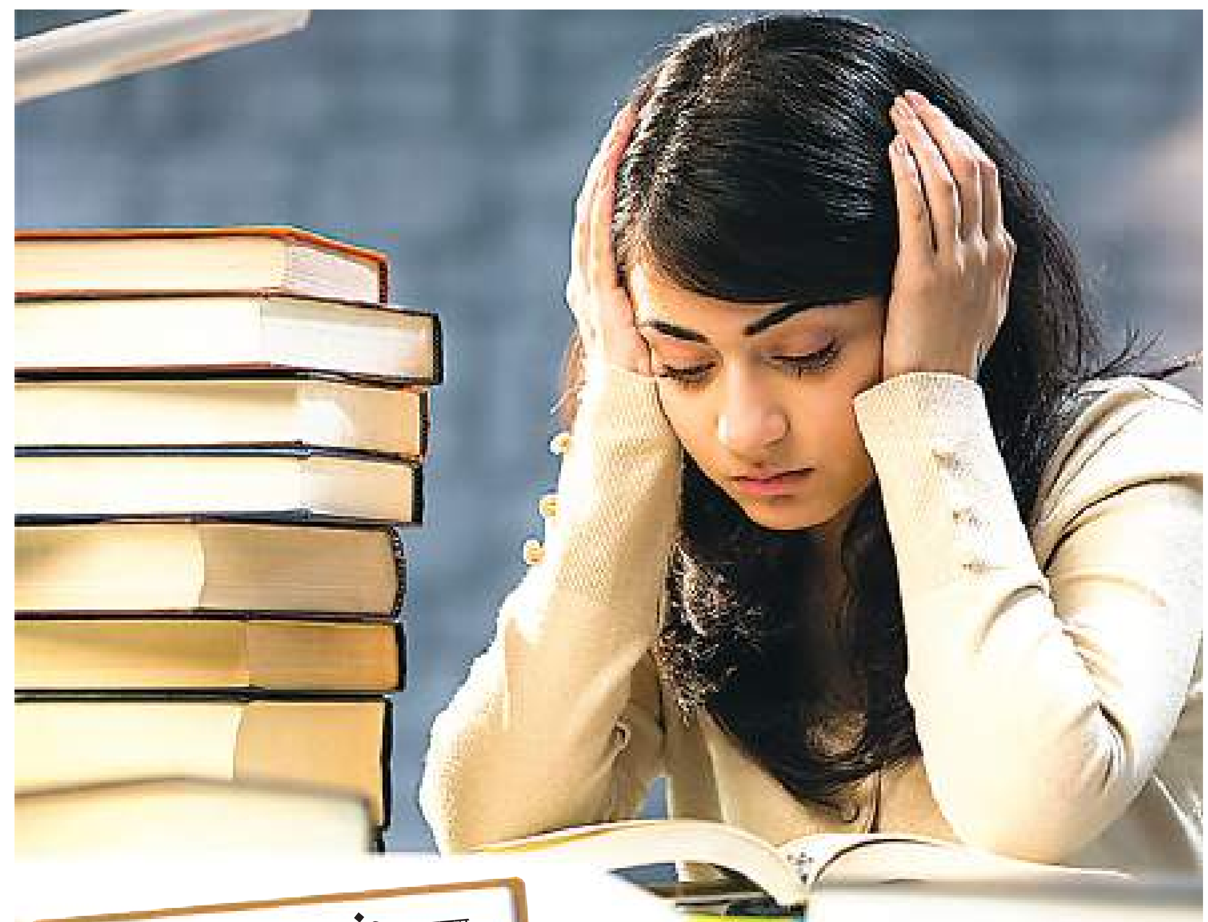

एमपी मांझी
केमेस्ट्री शिक्षक

बच्चों को सेंटर पर जाने के कम से कम डेढ़ घंटे पहले पुनरावृत्ति छोड़ कर पूरी तरह दबावमुक्त रहना चाहिए. प्रश्न समझ न आने पर हिंदी अनुवाद भी देखें. जिन प्रश्नों के उत्तर अच्छी तरह जानते हों, उन्हें पहले लिखें. केमेस्ट्री में भाषा से ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है फ़ॉर्मुला और रिएक्शन. अतः इनका अभ्यास लिख - लिख कर करें. एनसीईआरटी किताबों में दिए गए क्रिया कलापों पर भी फ़ोकस करें. अंतिम 20 मिनट में पुनः उत्तर पुस्तिका को पूरी तरह जांच लें. समय रहते कुछ पाठ जिन्हें महत्त्वपूर्ण बताया गया है, उन्हें ज़रूर देख लें.

आशीष चौबे
अंग्रेज़ी शिक्षक

छात्रों को राईटिंग स्किल और लघु लेखों पर ध्यान देना चाहिए. फ़ोर्मेट बेस्ड प्रश्नों की पूरी जानकारी हो. बड़े निबंध के लिए सम - सामयिक विषयों पर फ़ोकस हो जिनपर अपने विचार का समावेश करें. जिस सेक्शन के प्रश्न अच्छी तरह पता हों, उन्हें पहले करें. पढ़ने के लिए दिया जाने वाला समय को अनुच्छेद पढ़ने में लगाएं और उत्तर सोच लें. मांगी हुई शब्द संख्या से ज़्यादा न लिखें. आत्मविश्वास तभी आएगा जब सारे पाठों को अच्छी तरह पढ़ा जाएगा, लेखक और पाठ के नाम के साथ. उत्तर में भूमिका नहीं, जो मांगा गया हो, वही लिखें. आत्मविश्वास के साथ लिखें. लेकिन समय प्रबंधन भी ध्यान में रहे.

रीना कुमारी
हिन्दी शिक्षिका

एक समय सारणी सुनिश्चित करें. उन पाठों से अपनी पढ़ाई की शुरुआत करें जो पाठ आपको सबसे आसान लगते हैं. नियमित रूप से पढ़ाई करें. इस तरह से धीरे-धीरे आपका आत्मविश्वास बढ़ता जाएगा और पाठ्यक्रम भी कवर होता जाएगा. इसके उपरांत सीबीएसई द्वारा जारी किए गए प्रतिदर्श प्रश्न पत्र एवं पिछले साल के प्रश्न पत्रों का हल करें. छात्र निर्धारित समय के भीतर ही लिखित अभ्यास करें. लिखित अभ्यास करने से आपका समय प्रबंधन बेहतर होगा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा. सोशल मीडिया से दूर रहें. संतुलित आहार और अच्छी नींद ले. स्वयं पर विश्वास रखें और तनाव मुक्त रहें.

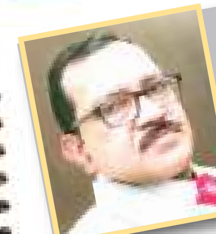

आरके श्रीवास्तव
बायोलॉजी शिक्षक

अंतिम समय की तैयारी में चैप्टर का सारतत्त्व पढ़ लें, पुनरावृत्ति के समय हर चैप्टर के मूल तत्त्व को लिख कर रख लें. कम से कम पांच साल के सैम्पल पेपर्स को अवश्य हल करें जिससे प्रश्नों के पैटर्न समझ में आ जाएं. पाठ के कॉन्सेप्ट को अवश्य समझ लें. चित्रों का लेबल के साथ अभ्यास हो. ग्राफ से जुड़े प्रश्न का अभ्यास कर लें. फ्लो चार्ट, लाइफ सायकल और टेबल को एनसीईआरटी किताबों से पढ़ें. उत्तर के मुख्य बिंदु को रेखांकित कर दें. उत्तर को पॉईंट में लिखें और शीर्षक अच्छी तरह अलग-अलग लिखें.

- मोबाइल –सोशल मीडिया से दूरी बनाएं.
- सैंपल पेपर को हल करें.
- फ़ॉर्मुला और रिएक्शन का लिख–लिख कर अभ्यास करें..
- फ्लो चार्ट, लाइफ सायकल और टेबल को एनसीईआरटी किताबों से पढ़ें.

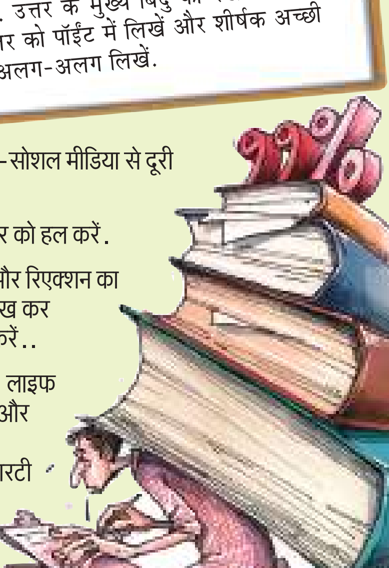

मुकेश तिवारी
गणित शिक्षक

गणित में एनसीईआरटी की किताब के साथ पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल करें. बाजार में उपलब्ध सैंपल पेपर हल करें एवं सीमित समय में प्रश्नों के उत्तर देने की अपनी गति और सटीकता में सुधार करें. मोबाइल एवं सोशल मीडिया से दूरी बनाएं. थकान से बचने एवं फोकस बनाए रखने के लिए बहुत देर तक पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें पर्याप्त नींद ले और खानपान अच्छा रखें. अपनी कॉपी, किताब और नोट्स को व्यवस्थित रखें ताकि उनको खोजने में आपका कीमती समय व्यर्थ न जाए.

अनुभवी शिक्षकों की सलाह को देखें तो आप जान जाएंगे कि सभी विषयों में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने और सफल होने की अपनी क्षमता पर विश्वास रखने की सलाह सभी ने दी है. विज्ञान, कला या वाणिज्य किसी भी विषय को ले लें, अंतिम समय की तैयारी में कोई कमी न हो. साल भर की मेहनत को अंजाम देने का वक़्त आ गया है. सैंपल पेपर को हल करने में पीछे न रहें और छोटे-छोटे मुख्य बिंदुओं से मुख्य उत्तर तक पहुंचने की कोशिश कीजिए. पहले से ही न सोच लें कि अमुक विषय में इतना प्रतिशत लाना ही है. अंकों की दौड़ में उलझे बिन बस पढ़ाई पर फोकस करें.

मोटिवेशन

परीक्षा में अच्छा करना है न?

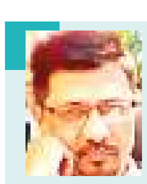

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

10वीं और 12वीं का फाइनल एग्जाम ब्रीदिंग डिस्टेंस पर है. हमारे यहां बोर्ड की परीक्षा का मतलब है रणक्षेत्र में जाने की तैयारी. फाइनल एग्जाम है, इसलिए इसे गंभीरता से तो लेना ही चाहिए लेकिन इतना भी नहीं कि आदमी की नींद उड़ जाए. इन पांच पॉइंट्स पर गौर फरमाइए, सब कुछ ठीक हो जाएगा और अंक भी काफी अच्छे आएंगे.

1. **पेरेंट्स से अनुरोध :** घर का माहौल शांत और टेंशन फ्री रखें. बहस न करें, न हीं चीखे-चिल्लाएं. पढ़ो-पढ़ो, ऐसा मत करो-वैसा मत करो का रिकॉर्ड न बजाएं. इससे कुछ हासिल नहीं होता. बल्कि यह ध्यान दें कि बच्चा पढ़ क्या रहा है. 1 घंटे के बाद उसने जो पढ़ाई की है, उससे कुछ प्रश्न पूछें. भले ही आपको जवाब न आता हो. या ऐसे प्रश्न पूछें जिसके साथ जवाब दिया हुआ हो. अगर बच्चे को यह एहसास हो जाए कि पापा या मम्मी मुझसे प्रश्न पूछेंगे, तो वह ज्यादा ध्यान से पढ़ेगा. याद रखें, बच्चा कितना घंटा पढ़ता है, यह महत्वपूर्ण नहीं है. बच्चा 1 घंटे में कितना याद रखता है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है.

2. **सिस्टमैटिक पढ़ाई :** एक घंटा रटने पर दें, एक घंटा लिखने पर और एक घंटा पढ़ कर लिखने पर. सुबह का समय याद करने के लिए बेस्ट होता है. सुबह का एक घंटा याद करने पर दें. रटने का काम जोर-जोर से बोल कर करें. दोपहर में पढ़कर लिखने का काम करें अर्थात आप 10 मिनट पढ़ें और उसे दो-चार लाइन में लिखें. इस तरह से पढ़कर लिखने से पढ़ा हुआ काफी समय तक याद रहता है. रात का एक घंटा प्रीवियस इयर्स का प्रश्न सॉल्व करने में लगायें या आने वाले सम्भावित प्रश्नों का उत्तर लिखें. यह बात हर विषय के साथ लागू करें, वह भी नियमित.

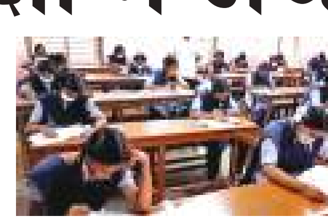

3. **मोबाइल और दोस्तों से दूरी :** जब तक परीक्षा समाप्त नहीं हो जाती, मोबाइल से दूरी बनाकर रखें. अगर डाउट क्लियर करने के लिए देखना जरूरी हो, तो शाम का आधा घंटा इसके लिए फिक्स रखें. यही बात दोस्ती यारी के साथ भी लागू होती है. अगर पढ़ाई संबंधी बात करनी हो, तो उसके लिए भी समय सुनिश्चित कर लें. शाम में आधा या एक घंटा. हर दिन तय कर ले कि अगले दिन किस विषय और किस चैप्टर पर बात करेंगे.

4. **डाउट क्लीयरेंस :** पढ़ाई के दौरान हमेशा एक पेंसिल और एक रफ कॉपी साथ रखें. जो भी समझ में न आए, उसे नोट कर लें. बाद में अपने शिक्षक या किसी सीनियर से मिलकर उन डाउट्स को क्लियर कर लें. अलग-अलग पुस्तकों से न पढ़ें. जिस पुस्तक से आपको ज्यादा समझ में आता है, उसी को फॉलो करें. जितने अधिक बुक से पढ़ेंगे, उतना ही कंफ्यूजन पैदा होगा.

5. **पूरी नींद, रिलैक्स्ड माइंड :** निश्चित समय पर सोएं. 6 से 8 घंटा नियमित रूप से सोएं. सोने के पहले ऑटो सजेशन का हेल्प लें. सोने के पहले अपने अचेतन मन से बोलें कि आपको सब कुछ समझ में आ रहा है. आपको सबकुछ याद हो रहा है. एक घंटा पढ़ाई करने के बाद थोड़ी देर रिलैक्स करें. थोड़ा चलें, पानी पिएं, मम्मी-पापा, भाई - बहन से थोड़ी देर बात करें. अगर आप ऊब गए हों, तो सब्जेक्ट चेंज कर पढ़ाई करें. टारगेट रख कर पढ़ाई करें अर्थात एक लक्ष्य रखकर कि आज यहां से यहां तक आपको पढ़ना है, और समझ कर पढ़ना है.

मूल मंत्र : परीक्षा नजदीक है. किसी तरह का तनाव न लें. नियमित रूप से, लक्ष्य रखकर पढ़ाई करें. पढ़ने और लिखने का काम प्रतिदिन करें. सोच सकारात्मक रखें कि आप परीक्षा में अच्छा करेंगे, और काफी अच्छा करेंगे. सकारात्मक सोच, सही पढ़ाई, नियमित अभ्यास. उत्तम परिणाम की पूरी गारंटी.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

22 साल ने सिनर ने जीता पहला ग्रैंडस्लैम

- ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने सिनर
- पहले दो सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने की शानदार वापसी
- सिनर ने मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराया

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

मेदवेदेव को हराकर यानिक सिनर बने चैंपियन

भाषा ।मेलबर्न

यानिक सिनर ने दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में दानिल मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता. सेमीफाइनल में उलटफेर कर नोवाक जोकोविच के टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म करने वाले 22 साल के सिनर पहली बार किसी बड़े टूर फाइनल में खेल रहे थे. वह ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी है. अमेरिकी ओपन 2021 के चैंपियन मेदवेदेव की ग्रैंडस्लैम में छह फाइनल में यह पांचवीं हार है. तीसरी वरीयता प्राप्त रूस के खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के अपने चौथे पांच-सेट तक चले मैच के साथ ग्रैंडस्लैम के ओपन युग में कोर्ट पर सबसे अधिक समय बिताने का नया रिकॉर्ड बनाया. उन्होंने इस मामले में 2022 अमेरिकी ओपन में कार्लोस अल्कराज के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा. अल्काराज ने तब 23 घंटे 40 मिनट कोर्ट पर बिताये थे. ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार फाइनल में जगह बनाने के बावजूद मेदवेदेव खिताब नहीं जीत सके. वह 2021 में जोकोविच और 2022 में राफेल नडाल से हारे थे. नडाल के खिलाफ भी वह अपनी पहले दो सेट की बढ़त को बरकरार नहीं रख सके थे. मेदवेदेव इस बार खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए पांच-पांच सेट के तीन मैच जीते. इसमें से दो मैचों में उन्होंने शुरुआती दो सेट में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की. सिनर ने इस दौरान फाइनल से पहले छह मैचों में में केवल एक सेट गंवाया जो जोकोविच के खिलाफ तीसरे सेट के टाईब्रेकर में था.

- 6-1, 7-5 से जीती सू वेई व मर्टेंस की जोड़ी

सू वेई और एलिसे मर्टेंस ने महिला यूगल खिताब जीता

ताईवान की सेह सू वेई ग्रैंडस्लैम युगल खिताब जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बन गई जिन्होंने बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन महिला युगल खिताब अपने नाम किया. दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने 11वीं वरीयता प्राप्त लाटविया की येलेना ओस्टापेंको और यूक्रेन की लिउडमाइला किचेनोक को 6-1, 7-5 से हराया. यह सू वेई का सातवां महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब था जबकि मर्टेंस ने चौथी बार जीता है. इससे पहले पुरूष वर्ग में भारत के 43 वर्ष के रोहन बोपन्ना सबसे उम्रदराज युगल चैंपियन बने जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ खिताब जीता. ऑस्ट्रेलिया की लीजा रेमंड सू वेई से आठ दिन बड़ी थी जब उन्होंने 2011 अमेरिकी ओपन महिला युगल खिताब जीता था. मार्तिना नवरातिलोवा ने 49 वर्ष की उम्र में बॉब ब्रायन के साथ 2006 अमेरिकी ओपन जीता था.

ब्रीफ खबरें

शतरंज : विदित संयुक्त रूप से शीर्ष पर

विज्क आन जी (नीदरलैंड)। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने एक बार फिर विषम परिस्थितियों को पार करते हुए यहां टाटा स्टील मास्टर्स के 12वें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को हराकर तालिका में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है.'ग्रैंड स्विस' विजेता विदित की इस जीत से साल का पहला सुपर टूर्नामेंट काफी रोमांचक हो गया है जहां शीर्ष पर 7.5 अंक के साथ पांच खिलाड़ी है और एक दौर का मुकाबला बचा है. विदित के साथ हमवतन डी गुकेश, चीन के वेई यी, हॉलैंड के अनीश गिरी और अब्दुसत्तारोव तालिका में शीर्ष पायदान पर है.

तवांग में अंतरराष्ट्रीय कयाकिंग पांच से

तवांग । अरूणाचल प्रदेश में चीन की सीमा के पास तवांगचू नदी पर छह दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कयाकिंग टूर्नामेंट अगले महीने आयोजित किया जायेगा. इस नदी में तिब्बत की दो नदियां मिलती है जो बाद में तिब्बत से होकर ब्रहमपुत्र में मिल जाती है. पांच फरवरी से होने वाले 'तवांगचू टाइड्स' टूर्नामेंट में प्रतिभागियों को रोमांच की पूरी सौगात मिलेगी. जानकारी के अनुसार दुनिया भर के 130 कयाकर्स इसमें भाग लेंगे. इसका आयोजन अरूणाचल के मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू के मार्गदर्शन में हो रहा है.

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट से निलंबन हटाया

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने रविवार को तत्काल प्रभाव से श्रीलंका क्रिकेट पर लगा निलंबन हटा दिया. श्रीलंका क्रिकेट को आईसीसी सदस्य के रूप में दायित्वों के गंभीर उल्लघंन के लिए निलंबित कर दिया गया था. इन दायित्वों में विशेष रूप से अपने मामले स्वायत्तता से संभालने और संचालन में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं होने की जरूरत शामिल थी. बोर्ड निलंबन के बाद से श्रीलंका क्रिकेट के हालात की निगरानी कर रहा है और अब इस बात से संतुष्ट है कि वह अब सदस्यता दायित्वों का उल्लंघन नहीं कर रहा है.

पहला टेस्ट : इंग्लैंड ने भारतीय टीम को 28 रनों से हराया

हार्टले ने भारत को किया हर्ट

भाषा ।हैदराबाद

ओली पोप (196 रन) के जोशीले शतक के बाद पदार्पण कर रहे बायें हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले (62 रन देकर सात विकेट) के जादुई स्पैल से इंग्लैंड ने रविवार को यहां पहले टेस्ट के चौथे दिन भारत पर 28 रन की यादगार जीत से पांच मैचों की शृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की. इंग्लैंड ने भारत को जीत के लिए 231 रन का लक्ष्य दिया. लेकिन हार्टले की फिरकी के जाल में फंसकर मेजबान टीम चौथे दिन दूसरी पारी में 69.2 ओवर में 202 रन पर सिमट गयी. घरेलू टेस्ट में 2013 के बाद यह भारत की चौथी हार है. लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का रवैया पोप के रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की गेंदबाजी से निपटने के तरीके से बिल्कुल विपरीत था. भारत के दोनों अनुभवी स्पिनर पिच पर कभी भी खतरनाक नहीं दिखे और इंग्लैंड ने दूसरी पारी में काफी रन बटोर लिये. इससे पहले इंग्लैंड ने कल के स्कोर छह विकेट पर 316 रन से आगे खेलना शुरू किया और पोप की बदौलत दूसरी पारी में 420 रन बनाये जिससे उन्हें काफी अच्छी बढ़त मिली. यह हार भारत को गहरा घाव देगी क्योंकि टीम 25 साल के लंकाशर के ऐसे गेंदबाज के सामने ढह गयी जिसे मिलाकर केवल तीन अंतरराष्ट्रीय मैच का अनुभव है. पिच पर काफी टर्न और वैरिएबल उछाल मौजूद था लेकिन भारतीय बल्लेबाज इससे निपट नहीं सके.

शुभमन गिल (0), यशस्वी जयसवाल (15) और श्रेयस अय्यर (13) अपनी ही असमक्षता से आउट हुए. जायसवाल सिली प्वाइंट पर पोप को कैच देकर लौटे. दो गेंद बाद ही गिल भी लौट गए जो खाता भी नहीं खोल पाये. इस बार भी कैच सिली प्वाइंट पर पोप ने लपका. हार्टले ने रोहित शर्मा (39 रन) को पगबाधा आउट करके तीसरा विकेट लिया. इसके बाद केएल राहुल और अक्षर पटेल ने संभलकर खेला और चाय तक कोई विकेट नहीं गंवाया. हार्टली का सामना करने के लिये श्रेयस अय्यर के ऊपर अक्षर को भेजा गया.

07 विकेट चटकाए टॉम हार्टले ने दूसरी पारी में

05 मैचों के शृंखला में इंग्लैंड 1-0 से आगे

अय्यर ने किया कप्तान रोहित को निराश

मध्यक्रम के बल्लेबाजी में टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी श्रेयस अय्यर से बहुत उम्मीदें थी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट में उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को बुरी तरह से निराश कर दिया. अय्यर मैच की दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 48 रन ही बना पाए. अय्यर से टीम उम्मीद करती है कि जब टॉप ऑर्डर की बल्लेबाजी नहीं चल पा रही है तो मध्यक्रम में वह टीम के लिए रन बनाए और उसे मुश्किल से उबारे, लेकिन वह दोनों ही पारियों में गैर जिम्मेदार दिखे.

लक्ष्य हासिल किया जा सकता था : रोहित

रोहित शर्मा ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की विफलता पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनमें निचले क्रम के बल्लेबाजों द्वारा दिये गये जुझारूपन और जज्बे की कमी थी. रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि यह बताना मुश्किल है कि गलती कहां हुई. रोहित ने कहा कि लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जा सकता था. 190 रन की बढ़त से हमने दबदबा बनाया था लेकिन ओली पोप (196 रन) ने क्या शानदार बल्लेबाजी की जो शायद किसी विदेशी खिलाड़ी की भारतीय हालात में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी में से एक थी.

इंग्लैंड की दूसरी पारी में जूझते नजर आये अश्विन और जडेजा

रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की फिरकी जोड़ी की भारतीय पिचों पर तूती बोलती है लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में दोनों जूझते नजर आये. हैदराबाद टेस्ट से पहले दोनों ने मिलकर 500 विकेट ले लिये थे और हरभजन सिंह तथा अनिल कुंबले की जोड़ी से वे एक विकेट पीछे थे. अब दोनों मिलकर 511 विकेट ले चुके हैं और भारतीय गेंदबाजी जोड़ी में शीर्ष पर हैं. इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन की जोड़ी मिलकर 1039 विकेट ले चुकी है जबकि ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न और ग्लेन मैकग्रा की जोड़ी के नाम 1001 विकेट हैं. श्रीलंका के चमिंडा वास और मुथैया मुरलीधरन की जोड़ी ने 895 और वेस्टइंडीज के कर्टली एम्बरोज और कर्टनी वॉल्श ने 762 विकेट चटकाये थे. इसके बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दूसरी पारी में वे जूझते दिखे जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने चार से अधिक की औसत से 420 रन बना लिये. पहली पारी में दोनों ने छह विकेट लिये थे जिसके दम पर भारत ने इंग्लैंड को 246 रन पर आउट कर दिया. दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप ने शानदार स्वीप और रिवर्स स्वीप खेलकर दोनों को काफी परेशान किया. जडेजा ने हालांकि जॉनी बेयरस्टो को और अश्विन ने बेन स्टोक्स को शानदार गेंद पर पवेलियन भेजा लेकिन पोप को 196 रन की पारी खेलने से रोक नहीं सके. विकेट राजकोट की विकेट की तरह टूटती नहीं दिखी जिससे स्पिनर उतने असरदार नहीं रहे. भारत के पास कोई 'प्लान बी' भी नहीं दिखा.

दोनों पारियों में फ्लॉप रहे शुभमन गिल

शुभमन गिल ने इस मैच में अपने प्रदर्शन से निराश किया. शुभमन दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 23 रन ही बना सके. दूसरी पारी में तो वह अपना खाता भी नहीं खोल सके थे. पिछले कुछ समय से वनडे टी-20 में बेहतरीन खेल दिखाने वाले शुभमन टेस्ट क्रिकेट में लगातार फेल हो रहे हैं.

बंगाल ने असम को पारी और 162 रन से हराया

रणजी ट्रॉफी

भाषा ।गुवाहाटी

सूरज सिंधू जायसवाल ने पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाये जिससे बंगाल ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच में रविवार को यहां तीसरे दिन के खेल के दौरान असम को पारी और 162 रन के बड़े अंतर से हराया. पारी के अंतर से जीतने पर बंगाल ने इस मैच से सात अंक हासिल किये.असम ने दिन की शुरुआत पहली पारी में आठ विकेट पर 99 रन से की थी लेकिन टीम 103 रन पर आउट हो गयी. बंगाल के लिए मोहम्मद कैफ ने पारी में 36 रन देकर चार, जायसवाल ने 25 रन देकर दो और अंकित मिश्रा ने 22 रन देकर दो विकेट लिये.

पहली पारी में 405 रन बनाने वाले बंगाल ने इसके बाद असम को फालोऑन कराया लेकिन उसके बल्लेबाज एक बार फिर विफल रहे और पूरी टीम 140 रन पर पवेलियन लौट गयी असम के कप्तान रियान पराग दोनों पारियों में बल्लेबाजी नहीं कर सके. दूसरी पारी में राहुल हजारिका (20), डेनिश दास (21), साहिल जैन (26) और धरानी राभा (24) ने टीम की हार को टालने की कोशिश की लेकिन जायसवाल ने 17 ओवर में 43 रन पर पांच विकेट लेकर बंगाल की जीत पक्की कर दी. मैच में आठ विकेट लेने वाले जायसवाल मैन ऑफ द मैच चुने गये.

राजस्थान ने मणिपुर को हराया

अहमदाबाद । तेज गेंदबाज अनीकेत चौधरी (68 रन देकर तीन विकेट) और अराफात खान (36 रन देकर चार विकेट) के मिलकर लिये गये सात विकेट से राजस्थान रविवार को यहां मणिपुर को पारी और 42 रन से हराकर रणजी ट्राफी के ग्रुप ए तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया. राजस्थान ने कुणाल सिंह राठौड़ (156 रन) और महिपाल लोमरोर (117 रन) के शतकों से अपनी पहली पारी छह विकेट पर 399 रन पर घोषित की थी. मणिपुर ने पहली पारी में 159 रन बनाये थे जिससे टीम 240 रन से पिछड़ रही थी. पर खान और चौधरी की बदौलत राजस्थान ने मणिपुर को दूसरी पारी में 198 रन पर समेटकर जीत हासिल की .

नीदरलैंड से हारकर भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा खत्म

भाषा ।केपटाउन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा रविवार को यहां नीदरलैंड के हाथों मिली 5-1 की निराशाजनक हार से समाप्त किया. भारतीय टीम के लिए एकमात्र गोल अभिषेक ने 39वें मिनट में किया. नीदरलैंड के लिए जिप जानसेन (10वें और 28वें) ने दो गोल दागे जबकि विश्व की शीर्ष रैंकिंग टीम के लिए डुको टेलजेनकैम्प (16वें), जेप होडरमेकर्स (21वें) और कोएन बिजेन (35वें) ने एक एक गोल किये. नीदरलैंड ने जानसेन के गोल से शुरू में ही बढ़त बना ली. भारतीय टीम लगातार हमलों के बावजूद पहले क्वार्टर के अंत तक गोल नहीं कर सकी. दूसरे क्वार्टर में नीदरलैंड ने 16वें और 21वें मिनट में दो गोल कर भारत पर दबाव बना दिया. फिर जानसेन ने 28वें मिनट में अपना दूसरा गोल दाग दिया और नीदरलैंड की टीम पहले हाफ में 4-0 से आगे हो गयी.

दूसरे हाफ में भारत ने गोल करने की तमाम कोशिशें कीं लेकिन बिजेन ने एक और गोल कर नीदरलैंड को 5-0 से बढ़त दिला ली. फिर अभिषेक ने तीसरे क्वार्टर में गोल कर स्कोर 5-1 किया.

खास बातें

- नीदरलैंड में भारतीय टीम को 5-1 से पराजित किया
- भारत की ओर से अभिषेक ने एकमात्र गोल दागा

हॉकी

एफआईएट फाइव्स महिला विश्व कप में नीदलैंड की टीम बनी चैंपिन

नीदरलैंड से हारकर उपविजेता रही भारतीय महिला टीम

- फाइनल में नीदरलैंड ने 7-2 से भारत को हराया
- भारत की हर खिलाड़ी को मिलेंगे तीन लाख रुपये

भाषा ।मस्कट

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी 5 महिला विश्व कप के फाइनल में नीदरलैंड से 7-2 से हारकर उपविजेता रही. भारत के लिये ज्योति छत्री ने 20वें और रूतुजा दादासो पिसाल ने 23वें मिनट में गोल दागे. नीदरलैंड के लिये यानेके वान डे वेन्ने (दूसरा और 14वां मिनट), बेंते वान डेर वेल्ट (चौथा और आठवां), लाना काल्से (11वां और 27वां) और सोशा बेनिंगा (13वां मिनट) ने गोल किये. एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी को तीन लाख और सहयोगी स्टाफ को डेढ़ लाख रुपये पुरस्कार देने का ऐलान किया है. मैच की शुरूआत से दोनों टीमों ने काफी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन शुरूआती सफलता नीदरलैंड को मिली जब यानेके ने लंबी दूरी से लगाये गए शॉट पर गोलकीपर रजनी इतिमार्पू को छकाकर गोल किया. इसके दो मिनट बाद वान डेर वेल्ट ने दूसरा गोल दाग दिया. उसने आठवें मिनट में एक और गोल करके डच टीम का शिकंजा कस दिया. पहले हाफ से चार मिनट पहले लाना काल्से ने डच टीम के लिये चौथा गोल दागा और सोशा ने दो मिनट बाद बढ़त 5-0 की कर दी.

पहले हाफ के आखिरी मिनट में यानेके ने एक और गोल किया. दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में भारत के लिये ज्योति ने गोल किया और तीन मिनट बाद रूतुजा ने एक गोल दागकर डच टीम की बढ़त कम की. इस बीच नीदरलैंड के लिये लाना ने जवाबी हमले पर गोल करके बढ़त फिर पांच गोल की कर दी. नीदरलैंड को आखिरी मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर रजनी ने गोल तो बचा लिया लेकिन हार को नहीं टाल सकी.

डे नाइट टेस्ट : शामार जोसेफ ने चटकाए सात विकेट

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

भाषा ।ब्रिसबेन

शामार जोसेफ के सात विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने गाबा डे नाइट टेस्ट जीता, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में 27 साल बाद मिली जीत है. जोसेफ को वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क का यॉर्कर लगा था और उन्हें मैदान से जाना पड़ा था. उन्होंने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 68 रन देकर सात विकेट लिये और ऑस्ट्रेलिया को 207 रन पर आउट कर दिया. सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 146 गेंद में 91 रन बनाकर नाबाद रहे. एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ 11वें नंबर के बल्लेबाज जोश हेजलवुड का विकेट लेते ही खुशी के मारे उछल पड़े. वेस्टइंडीज ने एडीलेड टेस्ट तीन दिन के भीतर दस विकेट से गंवाने के बाद वापसी करके शृंखला में 1-1 से बराबरी की. वाका पर 1997 में दस विकेट से जीत दर्ज करने के बाद से वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है. कैमरन ग्रीन और स्मिथ ने 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले घंटे में आस्ट्रेलिया को दो विकेट पर 60 रन तक पहुंचाया. जोसेफ ने लगातार दस ओवर डालते हुए पहले स्पैल में 60 रन देकर छह विकेट लिये. उस समय ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिये 29 रन की जरूरत थी और उसके दो विकेट बाकी थे.

08 रनों से वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में जीता वेस्टइंडीज

नीतीश कुमार ने भाजपा पर उनकी पार्टी को खत्म करने का लगाया था आरोप

2022 में 'तलाक', 2024 में फिर गठबंधन

बिहार में फिर से तीर और कमल का मेल हो गया है. लोस चुनाव से पहले बिहार में नीतीश कुमार और बीजेपी का साथ आना बिहार के साथ ही केंद्र की राजनीति में काफी अहम माना जा रहा है. सवाल है आखिर नीतीश ने साल 2022 में बीजेपी का साथ क्यों छोड़ा और अब फिर क्यों हाथ मिला रहे हैं.

एनडीए से अलग होकर राजद के साथ मिल कर बनाई थी बिहार में सरकार

अब लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन छोड़ एनडीए से मिल गए

शुभम संदेश नेटवर्क । पटना

बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच नीतीश कुमार ने सुबह महागठबंधन के सीएम पद से इस्तीफा दिया और शाम को एनडीए नेता के तौर पर फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है. नीतीश अब बीजेपी के समर्थन से फिर से राज्य में एनडीए की सरकार का नेतृत्व करेंगे. ऐसे में साल 2022 में बीजेपी से राहें जुदा करने वाले नीतीश आखिर क्यों फिर 2024 में एनडीएम में शामिल हुए हैं. यह एक अहम सवाल है.

खास बात है कि जब अगस्त 2022 में नीतीश कुमार ने बीजेपी का साथ छोड़ा था तो बीजेपी पर बड़े आरोप लगाए थे. उन्होंने बीजेपी पर उनकी पार्टी जेडीयू को 'तोड़ने' और 'खत्म' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था. इसके बाद उन्होंने पाला बदल कर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ सरकार बनाई थी. इतना ही नहीं, 3 महीने बाद ही नीतीश ने कहा था कि राजद के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव 2025 में महागठबंधन के विस चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगे. समय के साथ बिहार में एनडीए का वरिष्ठ साथी, जदयू धीरे-धीरे खुद को सिकुड़ता हुआ देख रहा था. जूनियर पार्टनर बीजेपी से लगातार पिछड़ रहा था. नीतीश बीजेपी से नाराज थे. इसकी वजह थी कि विस में उनकी पार्टी की सीटें 2015 में 71 सीट से घट कर 2020 के चुनावों में 43 सीटों पर आ गईं. दूसरी तरफ बीजेपी के सीटों की संख्या 53 से बढ़कर 74 हो गई. अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ निजी बातचीत में, नीतीश ने लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के नेता चिराग पासवान को लगभग सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जदयू के सामने उम्मीदवार खड़ा करने के लिए बीजेपी को दोषी ठहराना शुरू कर दिया.

जदयू का मानना था कि चिराग ने उनकी पार्टी के वोट काटने और उसके उम्मीदवारों को हराने के लिए भाजपा के प्रॉक्सी के रूप में काम किया था. भले ही एलजेपी ने सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र जीता, लेकिन इसने नीतीश के वोट आधार में गंभीर सेंध लगाई. ऐसा कहा जाता है कि नीतीश कुमार डिप्टी सीएम रेनू देवी और तारकिशोर प्रसाद को लेकर सहज महसूस नहीं करते थे. इसकी वजह थी कि वह 13 साल तक डिप्टी सीएम रहे सुशील कुमार मोदी के साथ रहे थे. जदयू के तत्कालीन नेता आरसीपी सिंह, जो उस समय केंद्रीय मंत्री थे, का उपयोग करके इसे विभाजित करने के भाजपा के कथित प्रयासों से भी सावधान थे.

क्यों एनडीए में वापस आए नीतीश

जदयू के अंदरूनी सूत्र कांग्रेस, राजद और इंडिया गुट के प्रति नीतीश के बढ़ते मोहभंग के कई कारण बताते हैं. इसका मुख्य कारण वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में उनका असहज महसूस होना बताया जा रहा है. कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले जदयू के कम से कम सात सांसद बीजेपी के संपर्क में थे. ये सांसद 2019 में एनडीए के सामाजिक संयोजन के कारण जीते थे. राजद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ गठबंधन में नीतीश ऐसे परिणाम की उम्मीद नहीं कर रहे थे. साथ ही, पूर्व पार्टी प्रमुख ललन सिंह को छोड़ कर जदयू के अधिकांश शीर्ष वरिष्ठ नेता भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में थे. नीतीश को संभवतः यह अहसास हो गया था कि यदि उन्होंने कदम नहीं उठाया तो पार्टी में टूट हो सकती है. पिछले महीने, उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में ललन सिंह को हटाया था. माना जा रहा था कि ललन सिंह लालू और तेजस्वी के साथ निकटता बढ़ा रहे थे.

जदयू ने 2019 के लोकसभा चुनावों में एनडीए के हिस्से के रूप में लड़ी गई 17 सीटों में से 16 पर जीत हासिल की. आंतरिक सर्वेक्षणों में उत्साहजनक परिणाम नहीं आने के कारण, नीतीश ने संभवतः यह अनुमान लगाया कि उनकी पार्टी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनी जीत की संभावनाओं में सुधार करेगी. जदयू को संभवतः यह महसूस हुआ कि अयोध्या राम मंदिर का उद्घाटन, मोदी की लोकप्रियता और उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के साथ मिल कर, एक जीत के फॉर्मूले का हिस्सा था.

इंडिया में हसरत नहीं हो रही थी पूरी

नीतीश ऐसे नेता हैं, जिन्होंने पिछले साल इंडिया ब्लॉक बनाने के लिए सभी पार्टियों को एक साथ लाने के लिए काम किया था. उन्हें इंडिया गठबंधन में प्रमुख पद की उम्मीद की थी. लेकिन टीएमसी और आप जैसी पार्टियों की बेचैनी के बीच ऐसा नहीं हो सका. 2017 के विपरीत, जब उसने महागठबंधन से अलग होने के लिए राजद को दोषी ठहराया था, इस बार जदयू कांग्रेस पर उंगली उठा रहा है. वह कांग्रेस पर अन्य गठबंधन के सहयोगियों को बहुत अधिक जगह देने का आरोप लगा रहा है. राहुल गांधी की तरफ से गठबंधन के बारे में बात करने के बजाय कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने के बाद जदयू को भी गठबंधन में बने रहने का कोई कारण नजर नहीं आया.

कॉकस...अछूत... साजिश

कांग्रेस ने नीतीश कुमार का अपमान किया : त्यागी

नीतीश कुमार के इंडिया ब्लॉक छोड़ कर एनडीए में शामिल होने के लिए जदयू नेता केसी त्यागी ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नीतीश कुमार का अपमान किया और इंडिया ब्लॉक को हड़पने की कोशिश की. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर कहा, नीतीश के पाला बदलने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है, उन्होंने उनका अपमान किया और गठबंधन को हड़पने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि खरगे ने नीतीश पर राजनीतिक अवसरवादिता का आरोप लगाया है. दरअसल कांग्रेस का कॉकस (एक धड़ा) इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को हड़पना चाहता था. 19 दिसंबर को अशोका होटल में जो बैठक हुई थी उसमें एक साजिश के तहत इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए खरगे का नाम सुझाया गया था. इससे पहले मुंबई की बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ था कि किसी का चेहरा आगे किए बगैर ये इंडिया गठबंधन काम करेगा. केजरीवाल के आवास पर जब ममता बनर्जी गई थीं तो उन्होंने बाहर आकर प्रेस से कहा था कि किसी का नाम प्रस्तावित नहीं होगा लेकिन कांग्रेस के उसी कॉकस (धड़ा) के द्वारा एक साजिश के तहत ममता बनर्जी के जरिए उनका नाम सुझाया गया. वहीं, नीतीश कहते रहे कि सीटों का बंटवारा जल्दी होना चाहिए, वो भाजपा की ताकत को या तो कम करके आंक रहे हैं या फिर जानकारी नहीं है. त्यागी ने कहा, कांग्रेस कैसे नेतृत्व को हड़पना चाहती थी उसका सबसे बड़ा उदाहरण है कांग्रेस के राज्य हैं हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक और असम में किसी भी पार्टी के साथ सीटों की कोई तालमेल नहीं होगी. यहां पर कांग्रेस पार्टी अकेले लड़ेगी और जो क्षेत्रीय दलों द्वारा अर्जित की गई राजनीतिक भूमि है उस पर डाका डालने के लिए असंगत तरीके से हिस्सेदारी मांग रही है.

चिराग बोले-नीतीश ने नीतियां नहीं बदलीं, तो जारी रहेगा विरोध

पटना। नीतीश के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने से पहले से ही बीजेपी की सहयोगी पार्टी ने खुली चेतावनी दे दी है. एनडीए में शामिल पार्टी लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि अगर नीतीश की नीतियां नहीं बदलीं तो हमारा उनसे विरोध जारी रहेगा. दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए चिराग ने कहा कि मेरी नीतीश से कोई दुश्मनी नहीं थी. हमारा विरोध उनकी नीतियों से था.

15 माह के राहुकाल से मिली मुक्ति : सुशील मोदी

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने भ्रष्टाचार और परिवारवाद में डूबे लोगों का साथ छोड़ने के लिए नीतीश को धन्यवाद दिया और उनके नेतृत्व में गठित राज्य की 5वीं एनडीए सरकार को शुभकामनाएं दीं. मोदी ने कहा कि नई सरकार बनने के साथ बिहार को 15 महीनों के राहु-काल से मुक्ति मिली और 2020 के जनादेश का सम्मान हुआ. उन्होंने आशा प्रकट की भाजपा की सकारात्मक संगत में लौट कर नीतीश 2005 की तरह सुशासन (गुड गवर्नेंस) के नये प्रतिमान स्थापित करेंगे, डबल इंजन सरकार से विकास को गति देंगे.

सहयोगी बदलते रहे, कुर्सी पर नहीं आने दिया खतरा...

23 साल में 9वीं बार सीएम बने नीतीश

शुभम संदेश नेटवर्क । पटना

देश में कड़ाके की ठंड के बावजूद बिहार में राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है. नीतीश कुमार ने एक बार फिर राजनीतिक पाला बदल लिया है. वह 2005 से बिहार की सत्ता के केंद्र में बने हुए है. बीच में 20 मई 2014 से लेकर 20 फरवरी 2015 तक कुछ महीनों के लिए उनकी ही मर्जी से जीतन राम मांझी बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. इससे पहले नीतीश कुमार केंद्र सरकार में रेल सहित कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं. वर्ष 2000 में वह पहली बार सात दिनों के लिए बिहार के सीएम बने. उसके बाद 23 साल गुजर चुके हैं. अब तक वे 8 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं. 28 जनवरी को वह नौंवी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली. नीतीश के राजनीतिक करियर में अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार में मंत्री रहने तक से लेकर कई राजनीतिक उतार-चढ़ाव आए. इन वर्षों में उन्होंने 8 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. सहयोगी बदलते रहे, लेकिन कुर्सी पर नीतीश बने रहे. आज हम आपको नीतीश कुमार के राजनीतिक सफर के बारे में बताते हैं, जिसमें बिहार में चाहे जिसके साथ मिलकर उन्होंने सरकार बनाई हो, लेकिन सिक्का उन्हीं का चला है.

नीतीश का राजनीतिक सफर : बिजली बोर्ड की नौकरी छोड़ राजनीति में इंट्री

नीतीश कुमार ने बिहार इंजीनियरिंग कालेज से डिग्री हासिल की और छात्र जीवन में ही राजनीति में आ गए थे. हालांकि सक्रिय राजनीति में एंट्री से पहले उन्हें बिहार राज्य विद्युत बोर्ड में नौकरी मिल गई थी. कुछ ही दिनों की नौकरी के बाद उन्होंने राजनीति का रास्ता पकड़ लिया. यह लगभग वही दौर था, जब लालू यादव राजनीति में कदम रख रहे थे. दोनों का राजनीतिक करियर जनता दल से जुड़ने के बाद परवान चढ़ा.

दो बार चुनाव हारे : बिजली बोर्ड की नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने सियासी सफर की शुरुआत में जनता पार्टी के टिकट पर हरनौत सीट से 1977 में विधानसभा का चुनाव लड़ा. ये चुनाव वे हार गए. तब निर्दलीय भोला प्रसाद सिंह इस सीट से जीते थे. 1980 में वे इसी सीट से जनता पार्टी (सेकुलर) के टिकट पर चुनाव लड़े और निर्दलीय अरुण कुमार सिंह से हारे. इसी सीट पर तीसरे प्रयास में उन्होंने लोक दल से 1985 का चुनाव लड़ा और कांग्रेस के बृज नंदन प्रसाद सिंह को हराकर विधायक बने थे. इसके बाद उन्होंने जनता दल का दामन थाम लिया था.

अटल के समय बढ़ा राजनीतिक कद : इसके बाद जनता दल से ही 1989 में बाढ़ संसदीय सीट से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे. इस सीट पर नीतीश कुमार ने कांग्रेस के राम लखन सिंह यादव को चुनाव हराया था. 1991, 1996, 1998, 1999, 2004 में लोकसभा चुनाव जीत कर वे लगातार सांसद बने हैं. नीतीश कुमार का राजनीतिक कद अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान खूब बढ़ा. इसी दौरान उन्हें केंद्र में रेलवे जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली. 2004 में नीतीश कुमार बाढ़ और नालंदा दो सीटों से चुनाव लड़े. वे नालंदा से जीते, लेकिन बाढ़ से हार गए थे.

बीजेपी के कहने पर बने बिहार के सीएम : नीतीश कुमार को बिहार का सीएम बनाने में बीजेपी की बड़ी भूमिका बताई जाती है. बिहार में एनडीए को पहली बार 2000 में सरकार बनाने का मौका मिला. तब नीतीश कुमार समता पार्टी के नेता थे. यह चुनाव बीजेपी, जनता दल और समता पार्टी ने साथ मिल कर लड़ा था. चुनाव में बीजेपी को 67, समता पार्टी को 34 और जनता दल को 21 सीटें मिली थीं. राजद 124 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन उनको स्पष्ट बहुमत नहीं था. तब झारखंड नहीं बना था और बिहार विस में 324 सीटें थीं. कहा जाता है कि तब बीजेपी नेताओं ने सीएम बनने के लिए नीतीश को आगे किया, जबकि उनकी खुद की पार्टी समता पार्टी उन्हें सीएम बनाने के पक्ष में नहीं थी.

पहली बार 7 दिनों के लिए सीएम बने थे नीतीश : बीजेपी नेता सुशील मोदी ने नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाने का प्रस्ताव अपने नेताओं को दिया था. लाल कृष्ण आडवाणी और अरुण जेटली जैसे नेताओं के प्रयास से पहली बार नीतीश कुमार को बिहार में एनडीए विधायक दल के नेता के तौर पर चुना गया. तब सात दिन के लिए नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने. विधानसभा में बहुमत साबित नहीं होने के कारण तब पद छोड़ना पड़ा था. हालांकि, उसके बाद 2005 के चुनाव में जीत के बाद उन्होंने 24 नवंबर को मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली और उसके बाद 17 मई 2014 तक लगातार मुख्यमंत्री बने रहे.

मुख्यमंत्री बनने की कहानी : नीतीश कुमार पहली बार 3 मार्च 2000 को सीएम बने थे. हालांकि, बहुमत न जुटा पाने की वजह से उन्हें 10 मार्च 2000 को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था. इसके बाद बिहार में 2005 में हुए चुनाव में नीतीश बीजेपी के समर्थन से दूसरी बार मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए. 2010 में हुए विधानसभा चुनाव में वह तीसरी बार सूबे के मुख्यमंत्री बने रहे.

2014 में छोड़ा था मुख्यमंत्री पद : 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ पार्टी के खराब प्रदर्शन की वजह से उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था. इस दौरान उन्होंने जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री पद सौंपा. हालांकि, 2015 में जब पार्टी में अंदरूनी कलह शुरू हुई तो नीतीश ने मांझी को हटा कर एक बार फिर सीएम पद पर कब्जा किया.

महागठबंधन ने जीता चुनाव : 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन (जदयू, राजद, कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन) की एनडीए के खिलाफ जीत के बाद नीतीश एक बार फिर पांचवी बार सीएम बने.

तेजस्वी पर भ्रष्टाचार के आरोप के बाद बदला पाला : वर्ष 2017 में रेलवे घोटाले में सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़ लिया. उन्होंने जुलाई 2017 में ही पद से इस्तीफा दिया और एक बार फिर एनडीए का दामन थाम कर सीएम पद की शपथ ली.

2020 में सातवीं बार बने मुख्यमंत्री : 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने जीत हासिल की. हालांकि, जदयू की सीटें बीजेपी के मुकाबले काफी घट गईं. इसके बावजूद नीतीश कुमार ने सातवीं बार सीएम पद की शपथ ली.

2022 में फिर आए थे महागठबंधन के साथ : अगस्त 2022 में एक बार फिर उन्होंने एनडीए का दामन छोड़ दिया और महागठबंधन के साथ आकर आठवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी. अब एक बार फिर वह महागठबंधन से नाता तोड़ चुके हैं और एनडीए के साथ मिल कर नौवीं बार शपथ लेंगे.

नालंदा में है पैतृक गांव : नीतीश का जन्म 1 मार्च 1951 को हुआ था. उनके पिता का नाम कविराज राम लखन सिंह है. माता का नाम परमेश्वरी देवी है. उनकी पत्नी मंजू सिन्हा का स्वर्गवास हो चुका है और बेटे का नाम निशांत है. उनका पैतृक गांव नालंदा जिले का कल्याण बिगहा रहा है, लेकिन नीतीश के पिता पटना के बख्तियारपुर में रहते थे, जहां उनका जन्म हुआ.

कारोबार

विदेशी भंडार में 2.8 अरब डॉलर की कमी

नयी दिल्ली । एक सप्ताह की राहत के बाद भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से गिरावट दर्ज की गई है. रिजर्व बैंक के द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए ताजे आंकड़ों के अनुसार, अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार कम होकर 616.14 बिलियन डॉलर पर आ गया है. रिजर्व बैंक हर सप्ताह के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार के ताजे आंकड़े जारी करता है. यह आंकड़ा 19 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह का है. आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह के दौरान भंडार में 2.79 बिलियन डॉलर की गिरावट आई.

पीएनबी ने मुनाफा 7,000 7,500 करोड़ हुआ

नयी दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने मुनाफे का अनुमान बढ़ाकर 7,000-7,500 करोड़ रुपये कर दिया है. बैंक ने तीसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित होकर ऐसा किया है. पीएनबी के प्रबंध निवेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारीअतुल कुमार गोयल ने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने मुनाफे को अनुमान को 6,000 करोड़ रुपये से संशोधित कर 7,000-7,500 करोड़ कर दिया है.

टाटा व एयरबस एच125 हेलीकॉप्टरों की मैन्युफैक्चरिंग के लिए काम करेगी

एयरबस-टाटा ने मिलाया हाथ, बनाएगी हेलीकॉप्टर

भाषा । नयी दिल्ली

देखरेख टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स करेगी

डील पक्की

- इसकी मैन्यूफैक्चरिंग गुजरात के वडोदरा में होगी
- दोनों कंपनियां 40 सी-295 एयरक्राफ्ट बनाएंगी

फ्रांस की कंपनी एयरबस और टाटा ने के बीच बड़ी डील हुई है.दरअसल दोनों कंपनी ने मिलकर हेलीकॉप्टर बनाने का समझौता किया है. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन भारत के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनने के लिए भारत दौरे पर थे. इमैनुएल मैक्रॉन की इस यात्रा के बीच दोनों कंपनियों ने इस समझौते पर करार किया. टाटा और फ्रांस की कंपनी एयरबस मिलकर एच125 हेलीकॉप्टरों की मैन्युफैक्चरिंग के लिए काम करेगी. इसकी मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के वडोदरा में की जाएगी. एयरबस और टाटा ग्रुप ने एच125 सिंगल इंजन हेलीकॉप्टर्स के संयुक्त रूप से निर्माण करने के लिए एक समझौते पर साइन किए हैं. दोनों कंपनियां वडोदरा फैसिलिटी में कम से कम 40 सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट भी बनाएंगी. इसकी देखरेख टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड करेगी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये हेलीकाप्टर कमर्शियल यूज के लिए बनाए जाएंगे.

टाटा ग्रुप की टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड कंपनी (टीएएसएल) इन हेलीकॉप्टरों के लिए असेम्बली लाइन मैनेज करेगी. डेवलपमेंट से जुड़े सूत्रों के अनुसार मार्केट में इंट्रेस्टेड खरदीदरों द्वारा पहले से ही 600 से 800 हेलीकाप्टर की डिमांड है. ये हेलीकाप्टर गुजरात के वडोदरा में मैन्युफैक्चर किए जाएंगे. यहां पहले से ही टाटा और एयरबस मिलकर 40 सी295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रही हैं.

भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते संबंधों ने राजनयिक संबंधों को मजबूत करने में योगदान दिया है. इसमें विशेष रूप से रक्षा, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ते संबंधों के कारण टाटा-एयरबस एच125 सौदे से भारत में इन हेलीकॉप्टरों की बढ़ती मांग के पूरा होने की उम्मीद है. ये मांगे विभिन्न क्षेत्रों में हैं. वैसे दोनों यहां पहले से ही मिलकर 40 सी295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रही हैं. सितंबर 2021 में भारत ने एयरबस डिफेंस एंड स्पेस (एडीस्पेस) के साथ लगभग 21,000 करोड़ रुपये की डील की थी. इसमें पुराने एवरो-748 की जगह सी295 एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर साझेदारी की गई थी. इस दौरान 56 विमानों की मांग की गई थी. इनमें से 40 गुजरात के वडोदरा में बनाए जा रहे हैं.

वैसे दोनों यहां पहले से ही मिलकर 40 सी295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहीं हैं. सितंबर 2021 में भारत ने एयरबस डिफेंस एंड स्पेस (एडीस्पेस) के साथ लगभग 21,000 करोड़ रुपये की डील की थी. इसमें पुराने एवरो-748 की जगह सी295 एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर साझेदारी की गई थी. इस दौरान 56 विमानों की मांग की गई थी, इनमें से 40 गुजरात के वडोदरा में बनाए जा रहे हैं.

बता दें कि इसी महीने टाटा और महिंद्रा ग्रुप की दो कंपनियों को एयरबस से बड़ा ऑर्डर मिला है. एयरबस ने भारत में विमान के पुर्जे बनाने के लिए टाटा और महिंद्रा के साथ करार किया है. मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए, एयरबस ने टाटा (टीएएसएल) और महिंद्रा एयरोस्पेस स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड (एसएएसपीएल) के साथ अपने ए320नियो, ए330नियो और ए350 विमानों के लिए कलपुर्जे बनाने का करार किया है. ये दोनों कंपनियां पहले से ही एयरबस के 100 से ज्यादा भारतीय सप्लायर्स में से एक हैं, जो विमान के पुर्जे, इंजीनियरिंग और डिजिटल सर्विस देती हैं.

सेल्सफोर्स करेगी 700 कर्मचारियों की छंटनी

नयी दिल्ली । सेल्सफोर्स जो कि क्लाउड आधारित रिलेशनशिप मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के लिए जाना जाता है अपने 700 कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी. छंटनी सेल्सफोर्स के कर्मचारियों की संख्या का लगभग एक प्रतिशत है, कंपनी में लगभग 70,000 कर्मचारी हैं. एक साल पहले भी कंपनी ने लगभग 10% कर्मचारियों की छंटनी की थी. उस दौरान करीब 8,000 कर्मचारियों की नौकरी चली गई थी. उस समय, निवेशकों के दबाव से खर्चों में कटौती करने का निर्णय लिया गया था. सेल्सफोर्स में छंटनी की खबर ऐसे समय में आई है जब विभिन्न टेक कंपनियों ने अपने खर्चों को घटाने के लिए कार्यबल में कमी करने का फैसला किया है. सेल्सफोर्स में छंटनी की यह खबर माइक्रोसॉफ्ट की ओर से अपने वीडियो-गेम डिवीजन में 1,900 कर्मचारियों निकाले जाने की खबर सामने आने के दिन बाद आई. सूत्रों के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट जिन कंपनियों में छंटनी करने जा रही है उनमें एक्टिविजन ब्लिजार्ड भी शामिल है. डब्ल्यूईएफ में सेल्सफोर्स के सीईओ मार्क बेनिऑफ ने कहा कि टेक इंडस्ट्री में एआई के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए विभिन्न कंपनियों की ओर से सुरक्षात्मक उपाय किए जा रहे हैं.

राज्यों का राजस्व नवंबर तक पांच प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी । मुंबई

देश के 16 सबसे बड़े राज्यों की कुल राजस्व प्राप्तियां अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान पांच प्रतिशत की दर से बढ़ीं. पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि 17.4 प्रतिशत रहने का बजट अनुमान है. इक्रा रेटिंग की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. रिपोर्ट में कहा गया कि अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान राजस्व वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 80 प्रतिशत घट गई. राज्यों ने चालू वित्त वर्ष में नवंबर, 2023 तक सालाना आधार पर 37 प्रतिशत अधिक कर्ज लिया है. राजस्व प्राप्ति उम्मीद से कम रहने के चलते उन्हें अपने ऋण, वेतन तथा पेंशन का भुगतान करने के लिए चालू वित्त वर्ष में भारी उधार लेना होगा. रिपोर्ट में कहा गया कि राजस्व में कमी बिक्री कर में गिरावट, राज्य माल एवं सेवा कर संग्रह (एसजीएसटी), उत्पाद शुल्क और स्टाम्प तथा पंजीकरण शुल्क से कम प्राप्तियों के चलते हुई. रिपोर्ट में कहा गया कि केंद्रीय अनुदानों में कमी के चलते भी राज्यों की स्थिति तंग हुई है. इक्रा ने कहा कि चौथी तिमाही में राजस्व संग्रह बेहतर होने का अनुमान है, लेकिन यह वृद्धि कमी को पूरी तरह से दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी.

यस बैंक के नतीजे घोषित 231.6 करोड़ रुपये बढ़ा

नयी दिल्ली । प्राइवेट लेंडर यस बैंक ने शनिवार को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे घोषित कर दिए हैं. बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना (वाईओवाई) आधार पर 349.7% बढ़कर 231.6 करोड़ रुपए रहा. बैंक ने पिछले साल की समान तिमाही में 51.5 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था. यस बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना (वाईओवाई) आधार पर 2.4% बढ़कर 2,017 करोड़ रुपए रही. बैंक का ग्रॉस-नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) या बैड लोन्स 2.0% रहा, जो पिछले साल के समान है. वहीं तीसरी तिमाही में बैंक का नेट एनपीए 0.9% रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 1.0% था.

शेयर

भारतीय कंपनियों की अब वैश्विक स्तर में रेलवे, ऊर्जा, पोर्ट, रक्षा में जैसी कई परियोजनाओं में सहभागिता बढ़ रही है

एफआईआई की जो बिकवाली आई उसके लिए घरेलू संस्थागत निवेशक तैयार नहीं थे

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

अपने उच्चतम स्तरों से निफ्टी में लगभग 1000 अंक नीचे आ चुका है, वो भी बिना किसी विशेष नकारात्मक कारण के. 22000 निफ्टी के स्तर पर लाभ ले लेने की प्रवृत्ति उचित लगती थी. मार्केट में एक निरंतर बड़ी रैली आई थी, ऊंचे मूल्यांकन पर था परंतु निफ्टी में 1000 अंकों की गिरावट तो आश्चर्यजनक ही मानी जायेगी. हुआ क्या कि विदेशी निवेशकों ने दो दिन में 20000 करोड़ की बिकवाली कर दी थी. इसके झटके से मार्केट उबर नहीं पाया. सो गिरावट का क्रम पिछले सप्ताह भी बना रहा. निफ्टी में 270 अंकों की गिरावट रही. सप्ताह में तेजड़ियों तथा मंडाडियों के मध्य कड़ा संघर्ष देखने के मिला. यदि निफ्टी की बात करें तो काफी समय के पश्चात मंडाडियों का पलड़ा भारी रहा. इस गिरावट से भारतीय शेयर मार्केट पुनः आकर्षक स्तरों पर आ गए हैं. अतः यहां से एक अच्छी तेजी की संभावना से मना नहीं किया जा सकता है. वैसे मार्केट के प्रिय शेयरों रेलवे, रक्षा, खाद, सरकारी उपक्रम में अच्छी गतिविधियां बनी रहीं. जिससे मार्केट की व्यापक अवधारणा, विशेषकर खुदरा निवेशकों के उत्साह में कोई कमी सी नहीं दिखी. खुदरा निवेशकों का

विशेष ध्यान कुछ क्षेत्र विशेष के शेयरों में अधिक है. प्रमुख तथा बड़े शेयर में अधिकतर संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड साझा कोष की रुचि रहती है. अतः उनका युद्ध प्रांगण अलग सा होता है. इसलिए निफ्टी में एक बड़ी मंदी ने भी मार्केट का मनोभाव विचलित नहीं किया. मझौले तथा लघु शेयरों में अच्छी तथा निर्भीक खरीदारी दिखी. लोकसभा चुनाव की तिथि निकट आ रही है. इसको लेकर शेंयर मार्केट में विचार विमर्श चलता है. यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा होता है. परंतु पिछले सप्ताह जिस प्रकार के राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं, ममता बनर्जी, आप का अकेले चुनाव लडना, नीतीश कुमार की भाजपा में वापसी, ये मोदी के पक्ष के हैं. अतः मार्केट की राजनीतिक चिंता तो समाप्त सी होनी चाहिए. इस कारण भी एक अच्छी रैली फिर से दिख सकती है. ऐसा लगता है एफआईआई की जो अचानक बिकवाली आई थी उसके लिए घरेलू संस्थागत निवेशक तैयार नहीं थे. उनकी बिकवाली के समक्ष डीआईआई की खरीदारी बहुत कम थी. इस सप्ताह यह परिदृश्य बदला है. विशेषकर अंतिम दो दिनों बुधवार को एफआईआई की नकद संभाग में 6934 करोड़ रुपए की बिकवाली की तुलना में डीआईआई ने 6012 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे तथा गुरुवार को तो एफआईआई ने 2144 करोड़ रुपए के शेयर बेचे तो डीआईआई ने 3474 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे. ये उनकी बिकवाली से 50 प्रतिशत से भी अधिक था. इसका संकेत यह है कि इस स्तरों पर डीआईआई आक्रामक खरीदार हैं, एफआईआई को टक्कर देने की तैयार है. यह भी मार्केट के लिए अच्छा संकेत लगता है. चूंकि भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के मार्ग पर है, जीडीपी वृद्धि दर विश्व में सर्वाधिक है, नए डीमैट खाते खुलने के कीर्तिमान बन रहे हैं. ऐसे में शेयर मार्केट में हर गिरावट का उपयोग तथा लाभ उचित पीई पर उपलब्ध शेयर खरीदने पर करना चाहिए. एक अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है.

भारतीय कंपनियों की अब वैश्विक स्तर में भिन्न परियोजनाओं में सहभागिता बढ़ रही है. रेलवे, ऊर्जा, पोर्ट, रक्षा में विशेष रूप से भारतीय कंपनियां विस्तार कर रही हैं. इससे इनकी रेटिंग में भी सुधार आएगा. वैश्विक आर्थिक जगत में भी साख बढ़ेगी, जिसका लाभ भारतीय शेयर मार्केट को भी मिलेगा. भारत में अच्छी तथा सुदृढ़ आर्थिक वृद्धि का आधार तैयार हो चुका है. मोदी में नेतृत्व में यदि सरकार की पुनः वापसी होती है तो भारत बहुत तीव्र आर्थिक प्रगति करेगा. ऐसे में शेयर मार्केट भी बड़ी ऊंचाइयों पर दिखेंगे. लोगों का उत्साह, रुचि बढ़ेगी तो अच्छा घरेलू निवेश भी आएगा. यदि म्यूचुअल फंड में 30 से 40 हजार करोड़ रुपए हर माह आने लगे तो एफआईआई का रहा सहा प्रभुत्व भी कम हो जायेगा. यह एक आत्मनिर्भर सुखद स्थिति होगी. भारतीय शेयर मार्केट के बढ़े पूंजीकरण को सहारा देने योग्य होगी. विदेशी शेयर मार्केट ठीक ठाक बने हुए हैं तथा ब्याज दरों की कटौती की प्रतीक्षा में है. यूएस अर्थव्यवस्था में अपेक्षित धीमापन नहीं आ रहा है,अतः कटौती कुछ टल सकती है. परंतु शेयर मार्केट अब ऊंची ब्याज दरों से उतने भयभीत नहीं लगते हैं. भारत तो प्रथम बार घरेलू निवेशकों की बाढ़ का आनंद ले रहा है. डॉलर इंडेक्स 103.74 तथा यूएस बॉन्ड यील्ड 4.13 पर हैं. कोई विशेष चिंता की बात नहीं है. ब्रेंट क्रूड 82.28 डॉलर प्रति बैरल है. अधिक है परंतु अब भारत के पास डिस्काउंट पर क्रूड खरीदने के कई विकल्प हैं. इस सप्ताह बजट भी है. इसमें कोई नीतिगत घोषणा होने की संभावना कम जताई जा रही.फिर भी यदि मार्केट के लिए कोई उत्साहजनक घोषणा होती है तो मार्केट उछलेंगे. शेयर विशेष में सुबेक्स, एरो ग्रेनाइट, विरांची के शेयर अच्छे लग रहें हैं. निवेश करने के पूर्व अपने निवेश सलाहकार से विमर्श अवश्य करे लें.

ब्रीफ खबरें

15 फरवरी को स्कूलों में होगा 'सूर्य नमस्कार'

जयपुर। राजस्थान में 15 फरवरी को 'सूर्य सप्तमी' पर सभी सरकारी स्कूलों में सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने एक आदेश जारी कर निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य 15 फरवरी को सभी स्कूलों में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों द्वारा सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' आयोजित करके विश्व रिकॉर्ड बनाना है.

जम्मू-कश्मीर में कई अधिकारियों का तबादला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए 30 आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारियों समेत 75 अधिकारियों का तबादला किया है. स्थानांतरित किए गए अधिकारियों में महानिदेशक रैंक का एक अधिकारी, तीन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), नौ उप महानिरीक्षक (डीआईजी), 62 वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) शामिल हैं.

तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दो महिलाओं समेत तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि इनमें से एक महिला नक्सली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन नक्सलियों ने कहा कि वे अमानवीय और खोखली नक्सली विचारधारा से निराश थे और शनिवार शाम यहां पुलिस और सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन के अधिकारियों के सामने उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया.

क्रेन की चपेट में आकर मजदूर की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में क्रेन से कुचलकर 20 वर्षीय एक मजदूर की मौत हो गई. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. उसने बताया कि घटना शनिवार सुबह करीब 11.30 बजे खारघर इलाके में हुई. उसने बताया कि केबल बिछाने के लिए खुदाई की जा रही थी और मजदूर उस जगह पर एक केबल ड्रम को धकेल रहा था, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह सड़क पर क्रेन के पास गिर गया. खारघर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि उस समय क्रेन संचालक ने मशीन को आगे बढ़ा दिया.

मियामी । दुनिया का सबसे बड़ा क्रूज जहाज आइकॉन ऑफ द सीज, अपने पहले सार्वजनिक क्रूज पर पोर्टमियामी से रवाना हुआ. (फोटो- पीटीआई)

प्रधानमंत्री ने उच्चतम न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया

सशक्त न्यायिक प्रणाली विकसित भारत का हिस्सा है: पीएम मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तीन नए आपराधिक न्याय कानून बनने से भारत की कानूनी, पुलिस और जांच प्रणाली एक नए युग में प्रवेश कर गई है. उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सैकड़ों साल पुराने कानूनों से नए कानूनों की ओर प्रवेश सुचारू हो. इस संबंध में, हमने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्य पहले ही शुरू कर दिया है. मोदी ने उच्चतम न्यायालय से अन्य हितधारकों की क्षमता निर्माण की दिशा में काम करने के लिए आगे आने का आग्रह किया. उन्होंने कहा, सशक्त न्यायिक प्रणाली विकसित भारत का हिस्सा है. सरकार लगातार काम कर रही है और भरोसेमंद न्यायिक प्रणाली बनाने के लिए कई फैसले ले रही है. जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में उठाया गया कदम है.

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भारत के जीवंत लोकतंत्र को मजबूत किया है और व्यक्तिगत अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कई महत्वपूर्ण फैसले दिए हैं, जिससे देश के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश को नई दिशा मिली है. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आज की आर्थिक नीतियां कल के उज्ज्वल भारत का आधार बनेंगी और आज भारत में जो कानून बन रहे हैं, वे कल के उज्ज्वल भारत को और मजबूती प्रदान करेंगे.

आज बनाए गए कानून भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बनाए गए कानून भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे. वैश्विक स्तर पर हो रहे परिवर्तनों के साथ, दुनिया की निगाहें भारत पर टिकी हैं, क्योंकि भारत में दुनिया का विश्वास मजबूत हो रहा है. ऐसे समय में भारत के लिए जरूरी है कि वह हर अवसर का लाभ उठाए. उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि पिछले सप्ताह सरकार ने उच्चतम न्यायालय की इमारत के विस्तार के लिए 800 करोड़ रूपये की मंजूरी दी. उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, बस अब आप लोगों के पास कोई संसद भवन (निर्माण) की तरह याचिका लेकर ना आ जाए कि फिजूल खर्ची हो रही है.

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधा: मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांध दिया और इस दौरान सामूहिकता की जो शक्ति देखी गई वह विकसित भारत के संकल्पों का बहुत बड़ा आधार है. प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 109वीं और इस साल की पहली कड़ी में देशवासियों से संवाद करते हुए कहा कि भगवान राम का शासन देश के संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत था. उन्होंने कहा कि इस साल हमारे संविधान के निर्माण के 75 वर्ष और उच्चतम न्यायालय के भी 75 वर्ष हो रहे हैं और लोकतंत्र के ये पर्व लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल प्रति के तीसरे अध्याय में भारत के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों का वर्णन किया गया है और ये बहुत दिलचस्प है कि तीसरे अध्याय के प्रारंभ में संविधान निर्माताओं ने भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चित्रों को स्थान दिया था. उन्होंने कहा, प्रभु राम का शासन हमारे संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत था और इसलिए 22 जनवरी को अयोध्या में मैंने 'देव से देश' की बात और 'राम से राष्ट्र' की बात की थी. उन्होंने कहा, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है. सबकी भावना एक, सबकी भक्ति एक, सबकी बातों में राम, सबके हृदय में राम. प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने 'रामज्योति' जलाई और दिवाली मनाई व इस दौरान देश ने सामूहिकता की शक्ति देखी, जो विकसित भारत के संकल्पों का भी बहुत बड़ा आधार है. उन्होंने मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक स्वच्छता का अभियान चलाए जाने के अपने आह्वान का भी उल्लेख किया और कहा कि उन्हें अच्छा लगा कि लाखों लोगों ने श्रद्धाभाव से जुड़कर अपने अपने क्षेत्र के धार्मिक स्थलों की साफ-सफाई की. उन्होंने कहा, यह भावना रुकनी नहीं चाहिए, ये अभियान रुकना नहीं चाहिए. सामूहिकता की यही शक्ति, हमारे देश को सफलता की नयी ऊंचाई पर पहुंचाएगी. प्रधानमंत्री ने इस साल गणतंत्र दिवस परेड को 'बहुत ही अद्भुत' करार दिया और कहा कि इस बार सबसे ज्यादा चर्चा महिला शक्ति की हुई. उन्होंने कहा, जब कर्तव्य पथ पर केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की महिला टुकड़ियों ने कदमताल शुरू किया तो सभी गर्व से भर उठे.

कांग्रेस ने नीतीश कुमार की तुलना 'गिरगिट' से की

कहा- जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी

भाषा। नयी दिल्ली

नीतीश कुमार के रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस ने उनकी तुलना 'गिरगिट' से की और कहा कि राज्य के लोग इस 'विश्वासघात' के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को रविवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया. वह राज्य में 'महागठबंधन' से अलग हो गए. कुमार के इस कदम से 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को भी बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वह महागठबंधन छोड़ने के कुमार के फैसले के बारे में पहले से जानते थे लेकिन उन्होंने 'इंडिया' को बरकरार रखने के लिए कुछ नहीं कहा. खड़गे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, देश में 'आया राम-गया राम' 'जैसे कई लोग हैं.

पहले वे और हम मिलकर लड़ रहे थे, जब मैंने लालू (प्रसाद) जी और तेजस्वी (यादव) जी से बात की तो उन्होंने भी कहा कि नीतीश जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि यदि कुमार रुकना चाहते तो वह रुक सकते थे, लेकिन वह जाना ही चाहते थे. खड़गे ने कहा, इसलिए ये बात हमें पहले से ही पता थी, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन को बरकरार रखने के लिए हमने कुछ नहीं कहा. अगर हम कुछ गलत कहते तो बाहर गलत संदेश जाता. इसकी जानकारी हमें लालू प्रसाद यादव जी और तेजस्वी यादव जी ने पहले ही दे दी थी. आज यह सच हो गया.

आज भुवनेश्वर में रैली को संबोधित करेंगे खड़गे

भुवनेश्वर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 29 जनवरी को भुवनेश्वर में एक रैली को संबोधित करेंगे. कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शरत पटनायक ने शनिवार को कहा कि खड़गे के ओडिशा दौरे को बड़ी सफलता बनाने के लिए पार्टी तमाम प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि ओडिशा बचाओ सम्मेलन शहर के 'लोअर पीएमजी स्क्वायर' में आयोजित किया जाएगा. पटनायक ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में खड़गे के पहली बार राज्य में आने से चुनाव प्रचार अभियान के पूर्ण रूप से शुरू होने से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश पैदा होने की उम्मीद है.

पहले वे और हम मिलकर लड़ रहे थे, जब मैंने लालू (प्रसाद) जी और तेजस्वी (यादव) जी से बात की तो उन्होंने भी कहा कि नीतीश जा रहे हैं.

उ. कोरिया ने दागीं कई क्रूज मिसाइल

सियोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने रविवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सैन्य बंदरगाह के जलक्षेत्र से कई क्रूज मिसाइलें दागीं हैं. उत्तर कोरिया ने यह कदम अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ गहराते तनाव के बीच उठाया है. दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने हालांकि यह जानकारी नहीं दी कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या वे कितनी दूर तक पहुंचीं. हालांकि उत्तर कोरिया ने इससे पहले पोतों से या जलक्षेत्र में माजूद अन्य साधनों से क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है. ये मिसाइल प्रक्षेपण इस वर्ष की शुरुआत से अब तक का ऐसा तीसरा प्रक्षेपण है जिसकी जानकारी मिल सकी है. इससे पहले देश ने 24 जनवरी को क्रूज मिसाइल परीक्षण और 14 जनवरी को पहली ठोस-ईंधन आधारित मध्यवर्ती रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था.

अमेरिका ने प्रतिबंध की निंदा की

कराकस। अमेरिका की सरकार और लगभग 30 वैश्विक नेताओं ने शनिवार को वेनेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को रोकने के देश की सर्वोच्च अदालत के फैसले की निंदा की. राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने वेनेजुएला पर आर्थिक प्रतिबंधों को फिर से लागू करने में रुचि नहीं दिखाई, लेकिन यह कहा कि अगर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार इस साल देश के राष्ट्रपति चुनाव के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने में विफल रही तो प्रतिबंध पुनः लगा दिए जाएंगे. अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, अमेरिका वर्तमान में इस घटनाक्रम पर अपनी वेनेजुएला प्रतिबंध नीति की समीक्षा कर रहा है.

कालकाजी मंदिर का मंच गिरा, एक की मौत, 17 घायल

- अधिक वजन पड़ने के कारण मंच ढहकर सामने बैठे हुए लोगों पर ही गिरा

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली में कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाए गए मंच के ढह जाने से 45 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह दुखद घटना देर रात करीब 12.30 बजे हुई. मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. पुलिस के अनुसार शनिवार को कालकाजी मंदिर के महंत परिसर में जागरण का आयोजन किया गया था और इसमें लगभग 1,600 लोग लोग शामिल हुए थे. पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने बताया, "कार्यक्रम के लिए कोई पूर्व अनुमति नहीं दी गई थी. हालांकि, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त कर्मी तैनात किए गए थे. शनिवार रात को लगभग 12.30 बजे 1,500-1,600 लोग एकत्र हुए थे. आयोजकों और अति विशिष्ट लोगों के परिवारों के लिए मुख्य मंच के पास लोहे के फ्रेम के सहारे लकड़ी का ऊंचा मंच बनाया गया था.

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लगभग 12.30 बजे, यह मंच ढह गया. मंच पर वजन अधिक था इसलिए वह ढह गया और नीचे बैठे लोगों पर जा गिर. घटना में घायल हुए सभी लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर, सफदरजंग और मैक्स अस्पतालों में ले जाया गया.

फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट बने दुनिया के नंबर वन अमीर

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिग्गज अरबपतियों की सूची में बड़ा उलटफेर हो गया है. एलन मस्क अब दुनिया के नंबर वह अमीर नहीं हैं. खबर है कि फ्रांसीसी अमीर बर्नार्ड अर्नाल्ट अब दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं. फोर्ब्स के अनुसार उन्होंने नेटवर्थ में एलन मस्क को पीछे छोड़ दिया है. बर्नार्ड अर्नाल्ट की नेटवर्थ 207.6 अरब डॉलर पर पहुंच गयी है. फोर्ब्स बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार बर्नार्ड अर्नाल्ट की नेटवर्थ 207.6 अरब डॉलर हो गयी है. ब्लूमबर्ग के अनुसार अर्नाल्ट की संपत्ति में एक झटके में 18.6 अरब डॉलर की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

एमबीए इन इंश्योरेंस की पढ़ाई कर युवा बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद । एमबीए इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट 2 साल का कोर्स है. इस कोर्स में बीमा व बैंकिंग के सभी नियम, शर्तें, पद्धति, रिस्क एनॉलिसिस आदि की उन्नतशील शिक्षा शामिल है.

क्यों करें एमबीए इन इंश्योरेंस

- यह आपको प्रबंधकीय कौशल विकसित करने में मदद करेगा.
- यह कोर्स आपको एक बड़े बिजनेस नेटवर्क से जुड़ने में मदद करेगा.
- यह कोर्स ट्रेंडिंग कॅरियर के अवसरों के द्वार खोलेगा.
- यदि आप डॉक्यूमेंट इकट्ठा करके, उसे मैनेज कर एलोकेट करने में अच्छे हैं तो यह कोर्स आपके लिए ही है.

स्किल्स

- उच्च कम्युनिकेशन कौशल
- ग्राहक सेवा
- दृढ़ संकल्प और दृढ़ता
- समस्या निवारण के तरीके खोजना

भारत के टॉप विश्वविद्यालय

- सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे
- एएफटी विश्वविद्यालय
- क्राइस्ट कॉलेज, बैंगलोर
- दिल्ली कला और वाणिज्य विश्वविद्यालय, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई
- कमला नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- मद्रास इंस्टिट्यूट कॉलेज
- सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे
- किशनचंद चेल्लाराम कॉलेज
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया, बैंगलोर

आवेदन प्रक्रिया

1. सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
2. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
3. फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
4. अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
5. इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
6. यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है, तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

जॉब अलर्ट

1. असम को ऑपरेटिव अपेक्स बैंक लिमिटेड ने सहायक के पदों पर भर्ती के लिए रिक्तियां निकाली है

- बैंक का नाम – असम को आपरेटिव अपेक्स बैंक लिमिटेड
- पद नाम – सहायक (असिस्टेंट)
- पद संख्या – 120
- नौकरी का स्थान – असम
- योग्यता – डिग्री
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 29 जनवरी–13 फरवरी 2024

ऑफिशियल साइट – https://www.apexbankassam.com

- 2. राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मा. उच्च न्यायालय, नैनीताल उत्तराखंड के अधीनस्थ न्यायालयों में समूह 'ग' के अंतर्गत कनिष्ठ सहायक और आशुलिपिक के पदों पर रिक्तियां निकाली है.
- संस्था का नाम – राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
- पद नाम – जूनियर असिस्टेंट स्टेनोग्राफर
- पद संख्या – 139
- नौकरी का स्थान – उत्तराखंड उच्च न्यायालय
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 25 जनवरी–22 फरवरी 2024
- ऑफिशियल साइट – https://highcourtofuttarakhand.gov.in

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)